THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 42 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.12 2082 शुक्रवार, 9 मई-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

दिल्ली-यूपी-हरियाणा के मुख्य सचिवों को अवमानना नोटिस

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश और राजस्थान की सरकारों को फटकार लगाई है। यह फटकार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड्स में रिक्तियों को लेकर लगाई गई। सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में 55 प्रतिशत पद खाली पड़े हैं। सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि रिक्तियों की वजह से प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड काम नहीं कर पा रहे हैं और लगभग खत्म होने के कगार पर हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के मुख्य सचिवों को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जस्टिस अभय एस ओक और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने राजधानी दिल्ली और इससे लगते राज्यों यूपी, हरियाणा और राजस्थान के मुख्य सचिवों को अवमानना नोटिस जारी किया है। >14

अचानक दिल्ली पहुंचे सऊदी अरब के मंत्री ईरानी विदेश मंत्री भी आए

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। दुनियाभर के देश शांति बरतने की अपील कर रहे हैं। इस बीच सऊदी अरब के विदेश राज्यमंत्री अदेल अलीजुबैर अचानक से दिल्ली पहुंचे हैं। सऊदी अरब के मंत्री के इस दौरे को भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। सऊदी अरब के मंत्री ने नई दिल्ली में भारतीय विदेश मंत्री डॉ.एस जयशंकर से मुलाकात की।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि आज सुबह सऊदी अरब के विदेश राज्यमंत्री अदेल अलजुबैर के साथ अच्छी बैठक हुई। आतंकवाद का दृढ़ता से मुकाबला करने पर भारत के दृष्टिकोण को साझा किया।

पीएम मोदी की उच्चस्तरीय बैठक

सुरक्षा और तैयारियों पर दिया जोर

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाकिस्तान में बढ़ते तनाव को देखते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को अलग-अलग मंत्रालयों के सचिवों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की।

बैठक के दौरान पीएम मोदी ने सुरक्षा और ऑपरेशनल तैयारियों को लेकर सतर्कता बनाए रखने और स्पष्ट संवाद की आवश्यकता पर जोर दिया। पीएम मोदी ने कहा कि देश इस संवेदनशील दौर से गुजर रहा है, ऐसे में सतर्कता, संस्थागत समन्वय और साफ-साफ बातचीत जारी रखना आवश्यक है। साथ ही पीएम मोदी ने सरकार की राष्ट्रीय सुरक्षा, ऑपरेशनल तैयारियों और नागरिकों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को भी दोहराया।

पीएमओ ने दी जानकारी :
मामले में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, बैठक में नागरिक रक्षा तंत्र को मजबूत करने, गलत जानकारी और फेक न्यूज का मुकाबला करने, और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर चर्चा की गई। मंत्रालयों को राज्य अधिकारियों और जमीनी स्तर के संस्थानों के साथ करीबी समन्वय बनाए रखने की सलाह दी गई।

पीएम ने स्थिति से निपटने के लिए तैयारियों की ली समीक्षा :
बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने मंत्रालयों द्वारा वर्तमान स्थिति से निपटने के लिए की जा रही योजनाओं और तैयारियों की समीक्षा की। साथ ही सचिवों को अपने मंत्रालयों की कार्यप्रणाली की विस्तृत समीक्षा करने और आपातकालीन प्रतिक्रिया, आंतरिक संवाद प्रणालियों और तैयारियों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।

बता दें कि बैठक में केंद्रीय सचिव, प्रधानमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी और रक्षा, गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, सूचना एवं प्रसारण, ऊर्जा, स्वास्थ्य और दूरसंचार मंत्रालयों के सचिव भी मौजूद थे।

ऑपरेशन सिंदूर के एक दिन बाद बैठक :
गौरतलब है कि पीएम मोदी ने यह बैठक भारतीय सेना के तरफ से पाकिस्तान और आतंकियों पर चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के एक दिन बाद की है।

इस ऑपरेशन के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए थे। इन ठिकानों में जैश-ए-मोहम्मद का बहावलपुर मुख्यालय और लश्कर-ए-तैयबा का मुरिदके बेस शामिल था।

पाकिस्तान की जम्मू-कश्मीर में फायरिंग, 16 लोगों की मौत

लांस नायक भी शहीद, उरी समेत 4 इलाकों में दो दिन से गोलीबारी जारी

जम्मू, 8 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने गुरुवार को लगातार दूसरे दिन भी देर रात जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामूला, उरी और अखनूर में सीजफायर का उल्लंघन किया और गोलाबारी की।

विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि पुंछ में तीन महिलाओं और पांच बच्चों सहित सोलह लोगों की जान चली गई है। जबकि 59 लोग घायल हुए हैं। पुंछ में फायरिंग में लांस नायक दिनेश कुमार (32) शहीद हो गए। वे हरियाणा के पलवल के रहने वाले थे। सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने लांस नायक दिनेश कुमार को श्रद्धांजलि दी।

भारतीय सेना ने कहा- हम उन निर्दोष नागरिकों के साथ एकजुटता से खड़े है, जो पुंछ सेक्टर में हमलों के शिकार हुए हैं। हमारे दुश्मनों के नापाक इरादों को आगे भी ध्वस्त किया जाएगा। कुपवाड़ा जिले के करनाह सेक्टर में गोलाबारी के कारण कई घरों में आग लग गई। तनाव के बीच अखनूर क्षेत्र के कई लोग अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित ठिकानों पर चले गए। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाक ने फायर करना शुरू किया तो दिनेश अपने कुछ साथियों के साथ जवाबी फायरिंग करने लगे। तभी पाक की तरफ से एक बम उनके सामने गिरा, जिसमें ब्लास्ट होते ही दिनेश और उनके 4 साथी बुरी तरह घायल हो गए। जिसके बाद अस्पताल में उनकी मौत हो गई। गुरुवार को शहीद की पार्थिव देह को पलवल के मोहम्मदपुर गांव में लाया जाएगा, जहां राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। >14

हाईकोर्ट जजों की नियुक्ति में देरी : सरकार को 'सुप्रीम' निर्देश

> कॉलेजियम की सिफारिशों को दी जाए मंजूरी

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। देश के उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति में देरी पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिए हैं कि वह हाईकोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति पर कॉलेजियम की सिफारिशों को शीघ्रता से मंजूरी दे। कोर्ट ने कहा कि उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए कई सिफारिशें केंद्र के पास लंबित हैं। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट में लंबित मामलों को लेकर भी चिंता जताई। कोर्ट ने कहा कि देश के उच्च न्यायालयों में 7,24,192 आपराधिक अपीलें लंबित हैं। इसमे अकेले इलाहाबाद उच्च न्यायालय में 2.7 लाख मामले लंबित हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बताया था कि नवंबर 2022 से अब तक हाईकोर्ट जजों के लिए सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 221 नामों का अनुमोदन किया है। इसमें से 29 नाम केंद्र सरकार के पास लंबित हैं। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर कॉलेजियम द्वारा अनुशंसित न्यायाधीशों के नाम, उच्च न्यायालयों या शीर्ष अदालत के वर्तमान या सेवानिवृत्त न्यायाधीशों से उनके संबंध और सरकार द्वारा स्वीकृत प्रस्तावों की संख्या की जानकारी साझा की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने बताया था कि कॉलेजियम ने नौ नवंबर 2022 से 10 नवंबर 2024 तक उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के रूप में नियुक्ति के लिए 330 नामों का अनुमोदन किया था। इसमें से केंद्र ने 170 नामों को मंजूरी दी है। 17 नाम अभी भी सरकार के पास मंजूरी के लिए लंबित हैं।

शीर्ष कोर्ट ने राजनीतिक दलों को आरटीआई के दायरे में लाने की याचिका पर सुनवाई टाली

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दलों को सूचना के अधिकार कानून (आरटीआई एक्ट) के दायरे में लाने की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई टाल दी है। गैर सरकार संगठन एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) समेत अन्य की ओर से दायर इन याचिकाओं में मांग की गई कि चुनावों के दौरान जवाबदेही सुनिश्चित करने और काले धन के इस्तेमाल को प्रतिबंधित करने के लिए प्रमुख राजनीतिक दलों को आरटीआई एक्ट के दायरे में लाया जाए।

मामले में सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि इन याचिकाओं पर अब सुनवाई नहीं की जाएगी। याचिकाएं लंबित रहेंगी और इन पर 15 मई को सुनवाई हो सकती है। बता दें कि बीते 14 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र, चुनाव आयोग और छह राजनीतिक दलों से उन जनहित याचिकाओं पर जवाब देने को कहा था, जिनमें उन्हें आरटीआई एक्ट के दायरे में लाने की मांग की गई थी। मुख्य न्यायाधीश ने कहा था, सभी दलीलें पूरी होनी चाहिए। हम इस मामले की सुनवाई किसी और दिन करेंगे। >14

थरूर ने फिर मोदी सरकार की तारीफ की

* ऑपरेशन सिंदूर पर की गई प्रेस ब्रीफिंग असरदार
* पाकिस्तानी आर्मी चीफ को दमदार जवाब मिला

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एक बार फिर मोदी सरकार की तारीफ की है। थरूर ने भारत सरकार की ओर से ऑपरेशन सिंदूर पर की गई प्रेस ब्रीफिंग को पाकिस्तान और दुनिया के लिए मजबूत संदेश बताया है।

उन्होंने कहा कि प्रेस ब्रीफिंग में विदेश सचिव विक्रांत मिसरी, कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह की मौजूदगी ने साबित कर दिया कि यह लड़ाई हिंदू-मुस्लिम नहीं, बल्कि आतंक के खिलाफ भारत की एकता है। उन्होंने कहा, हम युद्ध नहीं चाहते, लेकिन अगर पाकिस्तान उकसाएगा तो भारत तैयार है। भारत ने पहलगाम हमले के 15 दिन बाद मंगलवार आधी रात 1:05 बजे पाकिस्तान और पीओके में एयर स्ट्राइक की। इसमें 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए। थरूर ने कहा कि रात 1 बजे के बाद ही स्ट्राइक की गई ताकि नागरिकों को नुकसान न हो। टारगेट सिर्फ आतंकी अड्डे थे, न कि पाक सेना या सरकारी संस्थान।

भारत की जवाबी कार्रवाई में लाहौर का एयर डिफेंस सिस्टम तबाह

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। पहलगाम हमले के जवाब में भारत के मिसाइल हमलों के बाद पाकिस्तान बौखला गया है। अपनी बौखलाहट में उसने भारत के कई अग्रिम स्थानों पर गोलाबारी की है। हालांकि, भारतीय सेनाओं की जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान को काफी खामियाजा उठाना पड़ा है। भारत की सीमा से सटे पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर लाहौर में उसे काफी नुकसान पहुंचा है। भारत ने लाहौर में पाकिस्तान का एयर डिफेंस सिस्टम पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है।

पाकिस्तान की हर कोशिश नाकाम
गुरुवार सुबह से पाकिस्तानी मीडिया के हवाले से इस तरह की खबरें सामने आ रही थीं कि लाहौर में कुछ धमाके सुनाई दिए हैं। अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों से भी इसी तरह की खबरें सामने आ रही थीं। इसमें कहा गया कि माहौल को और तनावपूर्ण बनाने की पाकिस्तान की कोशिशों को नाकाम कर दिया गया है। साथ ही भारत ने पाकिस्तान की हरकतों का माकूल जवाब दिया है। सरकार की तरफ से जारी वक्तव्य में कहा गया कि बुधवार को ऑपरेशन सिंदूर की ब्रीफिंग के दौरान भारत ने यह स्पष्ट किया था कि हमारा जवाब संतुलित था और टकराव बढ़ाने के मकसद से नहीं था। ब्रीफिंग में यह स्पष्ट किया गया था कि हमने पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठानों को टारगेट नहीं किया है। लिहाजा, अगर भारत के सैन्य ठिकानों पर कोई हमला किया जाता है तो इसका उचित जवाब दिया जाएगा।

पाक के रडार हुए बेकार

भारत के 15 शहरों को निशाना बना रहा था पाकिस्तान
वक्तव्य के मुताबिक, 7 और 8 मई की दरमियानी रात को पाकिस्तान ने उत्तर और पश्चिम भारत के कई क्षेत्रों को निशाना बनाया। इनमें अवंतीपुरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, बठिंडा, चंडीगढ़, नल, फलौदी और भुज शामिल थे। पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइलों के जरिए इन स्थानों को निशाना बनाया। हालांकि, काउंटर यूएएस और एयर डिफेंस सिस्टम की मदद से भारत ने इन हमलों को निष्क्रिय कर दिया। हमलों को निष्क्रिय करने के बाद मलबे को बरामद कर लिया गया है।

वक्तव्य के अनुसार, गुरुवार सुबह देश के सशस्त्र बलों ने अपनी जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान के कई ठिकानों को निशाना बनाया। पाकिस्तान जिस तरह से हमले कर रहा है, भारत का जवाब भी वैसा ही है। विश्वसनीय जानकारी के अनुसार पता लगा है कि लाहौर में पाकिस्तान के एयर डिफेंस सिस्टम को निष्क्रिय कर दिया गया है।

पाकिस्तान को रोकना पड़ी गोलाबारी :
पाकिस्तान नियंत्रण रेखा स्थित जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामूला, उड़ी, पुंछ, मेंढर और राजौरी सेक्टर में मोर्टार से गोले दाग रहा है, इनमें 16 नागरिकों की जान गई है। इनमें तीन महिलाएं और पांच बच्चे शामिल हैं। यहां भी भारत को पाकिस्तान को करारा जवाब देना पड़ा, जिसके बाद पाकिस्तान को गोलाबारी रोकना पड़ी।

रक्षा मंत्री बोले-ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी

सर्वदलीय बैठक में सरकार को मिला सभी दलों का साथ, राहुल ने कहा-सरकार को फुल सपोर्ट

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। यानी 7 मई को पाकिस्तान के 9 ठिकानों पर हुए एयर स्ट्राइक के बाद भी ऑपरेशन रोका नहीं गया है। रक्षा मंत्री ने ये बातें दिल्ली के पार्लियामेंट एनेक्सी में बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में कहीं। करीब डेढ़ घंटे चली बैठक से बाहर आने के बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी रक्षा मंत्री के बयान को दोहराया। ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देने के लिए बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में गृहमंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर, विपक्ष के नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे शामिल हुए।

सूत्रों के मुताबिक बैठक में बताया गया कि ऑपरेशन सिंदूर में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए हैं। ऑपरेशन जारी है, इसलिए सटीक संख्या बताना मुश्किल है। पाकिस्तान ने उकसाया तो फिर कार्रवाई करेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने कहा कि संकट में हम देश और सरकार के साथ हैं। सरकार की कोई आलोचना नहीं करनी है। हमने सरकार को अपना पूरा समर्थन दिया है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, मैंने ऑपरेशन सिंदूर के लिए हमारे सशस्त्र बलों और सरकार की सराहना की है। हमें आतंकवादी संगठन रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के खिलाफ एक वैश्विक अभियान चलाना चाहिए।

मिसरी बोले-पुंछ में गुरुद्वारों को निशाना बनाया

> आतंकियों के जनाजे में पाकिस्तानी सेना शामिल हुई

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। भारत ने गुरुवार को पाकिस्तान के हमलों का मुंहतोड़ जवाब दिया है। आज हुई कार्रवाई को लेकर विदेश मंत्रालय ने जानकारी साझा की है। विदेश मंत्रालय की इस प्रेस कॉन्फ्रेंस को कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह और विदेश सचिव विक्रम मिसरी शामिल हुए। कर्नल सोफिया ने बताया कि, गुरुवार को भारत के सीमावर्ती राज्यों के कई ठिकानों को निशाना बनाया था। जिसे नाकाम कर दिया गया था। इन हमलों में ड्रोन और मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया था।

विदेश मंत्रालय की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों को निशाना नहीं बनाया था। जबकि पाकिस्तान ने सात-आठ मई को उत्तरी और पश्चिमी भारत में कई ठिकानों पर ड्रोन हमले करने प्रयास किया गया। इसे वायु रक्षा प्रणालियों ने निष्क्रिय किया। यह पाकिस्तानी हमलों का प्रमाण है। इसके जवाब में भारत ने लाहौर में एक वायु रक्षा प्रणाली को निष्क्रिय किया। कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा कि पाकिस्तान ने एलओसी पर गोलीबारी बढ़ा दी है। इसमें 15 लोगों की मौत हो गई। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि भारत ने करारा जवाब दिया है। पाकिस्तान के रडार सिस्टम को हमने निशाना बनाया। लाहौर का एयर डिफेंस सिस्टम नष्ट कर दिया गया। पहलगाम हमले का भारतीय सेना ने जवाब दिया है। विक्रम मिस्री ने कहा कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री और पूर्व विदेश मंत्री ने माना है कि उनका आतंकी संगठनों के साथ कैसा रिश्ता है। >14

एनआईए की अपील- पहलगाम आतंकी हमले से जुड़ी जानकारी है तो तुरंत करें संपर्क

पहलगाम, 8 मई (एजेंसियां)। नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी यानी एनआईए ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले से संबंधित जानकारी देने के लिए सभी पर्यटकों, आगंतुकों और स्थानीय लोगों से अपील की है। एनआईए ने अपील की है कि यदि उनके पास हमले से संबंधित कोई भी जानकारी, तस्वीरें या वीडियो हैं, तो वे तत्काल एजेंसी से संपर्क करें। अधिकारियों का कहना है कि जांच एजेंसी ने हमले के अलग-अलग पहलुओं को प्रदर्शित करने वाली बड़ी संख्या में तस्वीरें और वीडियो अपने कब्जे में ले लिए हैं। उनकी जांच कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि पर्यटकों और अन्य लोगों ने जाने-अनजाने में कुछ प्रासंगिक विवरण देखें, सुने या क्लिक किए होंगे, जो एनआईए को जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों पर हुए अभूतपूर्व हमले के पीछे की साजिश को उजागर करने में मदद कर सकते हैं। एनआईए ने ऐसे सभी लोगों से एजेंसी को कॉल करने और जानकारी शेयर करने का आग्रह किया है। बयान में कहा गया है कि इसके बाद एनआईए का एक वरिष्ठ अधिकारी कॉल करने वाले से संपर्क करेगा और एजेंसी के साथ शेयर की जाने वाली प्रासंगिक जानकारी या फोटो या वीडियो आदि को लेगा। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जांच कर रही एनआईए ने इस केस में एक बड़ा खुलासा किया था। एनआईए को जांच के दौरान ऐसे सुराग मिले जो इस बात की पुष्टि करते हैं कि इस हमले में पाक प्रायोजित आतंकियों की मदद एक स्थानीय ओवरग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) या अंदरूनी व्यक्ति ने की थी। इस इनसाइडर ने ना सिर्फ आतंकियों को पर्यटकों की लोकेशन शेयर की, बल्कि हमले के बाद उनके भागने में भी मदद की।

लिव-इन रिलेशनशिप केस पर एससी की अहम टिप्पणी: शादी का झांसा देने का वादा सही नहीं

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया है। इस सुनवाई के दौरान जस्टिस संजय करोल और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि 'अगर कोई महिला कई सालों तक किसी पुरुष के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहती है, तो यह माना जाएगा कि वह इस रिश्ते के संभावित अंजामों से पूरी तरह वाकिफ थी।' कोर्ट ने कहा कि ऐसे में केवल यह आरोप लगाना कि पुरुष ने शादी का झूठा वादा किया था, यह स्वीकार्य नहीं होगा। जानिए सुनवाई के दौरान कोर्ट ने और क्या कुछ कहा।

जस्टिस संजय करोल और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि लंबे समय तक रिलेशनशिप में रहने के बाद यह आरोप लगाना कि 'पुरुष ने शादी का झूठा वादा किया था, जिसके कारण दोनों के बीच संबंध बने, अदालत में स्वीकार्य नहीं होगा। खासकर जब एफआईआर में इस संबंध में कोई स्पष्ट उल्लेख न हो।' कोर्ट ने आगे कहा कि 'ऐसे मामलों में यह दावा करना कि शारीरिक संबंध शादी के झूठे वादे पर आधारित थे, विश्वसनीय नहीं माना जा सकता।' कोर्ट ने यह भी कहा कि 'आज के समय में समाज में बड़े बदलाव आए हैं। अधिक महिलाएं अब आर्थिक रूप से स्वतंत्र हैं और अपने जीवन के फैसले खुद ले रही हैं, जिससे लिव-इन रिलेशनशिप की संख्या भी बढ़ी है। इस पृष्ठभूमि में अदालतों को इन मामलों में तकनीकी दृष्टिकोण नहीं अपनाना चाहिए, बल्कि रिश्ते की अवधि और दोनों पक्षों के व्यवहार को देखकर निष्कर्ष निकालना चाहिए।' यह टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट ने उस वक्त दी जब उसने एक महिला द्वारा दर्ज एफआईआर को खारिज कर दिया, जिसमें एक व्यक्ति रविश सिंह राणा पर बलात्कार और मारपीट के आरोप लगाए गए थे। दोनों की मुलाकात फेसबुक पर हुई थी और फिर वे लिव-इन रिलेशनशिप में रहने लगे। महिला ने आरोप लगाया था कि राणा ने शादी का वादा कर शारीरिक संबंध बनाए, लेकिन बाद में शादी से इनकार कर दिया और धमकाया। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि इस मामले में ऐसा कोई ठोस साक्ष्य नहीं है जो बलात्कार या मारपीट के आरोपों को सिद्ध कर सके। अदालत ने हाईकोर्ट के उस फैसले को पलट दिया, जिसमें राणा की याचिका खारिज कर दी गई थी।

45 लाख रुपये का ड्रग्स नाइजीरियाई नागरिक से बरामद

मुंबई से दिल्ली आकर शुरू की ड्रग्स की तस्करी

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। दक्षिण पश्चिम जिले नारकोटिक्स दस्ता ने एक नाइजीरियाई ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान नाइजीरियाई निवासी पीटर अनाकेपो (50) के रूप में हुई है। वह वेस्ट सागरपुर स्थित मोहन ब्लॉक में रह रहा था। उसके कब्जे से कुल 103.8 ग्राम एमडीएमए ड्रग्स बरामद हुआ है। जिसकी कीमत 45 लाख रुपये आंकी गई है। जिला पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि पांच मई को वेस्ट सागरपुर स्थित मोहन ब्लॉक पर जाल बिछाकर छापा मारा। इस दौरान उसके घर के हॉल में एक भूरे रंग के सोफे के कुशन से वाइल्ड स्टोन लेबल वाला एक काले और लाल रंग का कार्डबोर्ड बॉक्स बरामद हुआ। जिसमें आरोपी ने ड्रग्स रखा हुआ था।

मुंबई से दिल्ली आकर शुरू की ड्रग्स की तस्करी

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत सागरपुर थाने में मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पीटर अनाकेपो लगभग सात साल पहले नेपाल के रास्ते भारत आया था और शुरू में अपने वीजा की समाप्ति के बाद भी मुंबई में रहा। वह मुंबई में कपड़ों के आयात-निर्यात व्यवसाय से जुड़ा था। 2019-2020 के आसपास वह दिल्ली आ गया और शहर भर में विभिन्न स्थानों पर रहकर ड्रग्स की तस्करी शुरू कर दी। इस दौरान उसने अन्य नाइजीरियाई नागरिकों से खेप प्राप्त की और उन्हें अत्यधिक कीमतों पर बेचा।

'उदित राज ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के नाम पर उठाए सवाल कहा- 'लाहौर पर चढ़ाई करना ही होगा

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। दिल्ली कांग्रेस के नेता उदित राज ने भारतीय सेना द्वारा बुधवार और गुरुवार की रात पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों पर सफल एयर स्ट्राइक के बाद से जारी तनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पाक पीएम शहबाज शरीफ ने अपने संसद में कहा कि पाक सेना ने भारत के तीन राफेल जेट मार गिराए। उनके इस बयान से साफ है कि पाकिस्तान भारतीय सेना की कार्रवाई से सबक लेने को तैयार नहीं है। दिल्ली कांग्रेस के नेता उदित राज ने भारतीय सेना द्वारा आतंकवादियों को निशाना बनाकर चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में पूछे जाने पर कहा, बुद्धिजीवियों के साथ चर्चा के दौरान यह बात सामने आई कि 'सिंदूर' एक खास धर्म से जुड़ा है। अगर कोई दूसरा नाम चुना जाता तो बेहतर होता। हालांकि, यह बहुत महत्वपूर्ण नहीं है। महत्वपूर्ण यह है कि पाकिस्तान को सबक सिखाया गया है। उदित राज ने आगे कहा, भारतीय सेना के पराक्रम को सलाम। पीओके में 9 स्थान पर बमबारी के बावजूद पाकिस्तान ने सबक नहीं सीखा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने वहां की संसद में कहा भारत के पाकिस्तानी सेना ने भारत के तीन राफेल जेट मार गिराए। जम्मू कश्मीर के पूंछ में गुरुद्वारा पर हमला किया और 15 लोग मारे गए। यानी अब लाहौर पर चढ़ाई करना ही होगा।

भारत पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर

भारतीय सेना एलओसी पर पाकिस्तानी गोलाबारी का मुंहतोड़ जवाब दे रही है, जिसके परिणामस्वरूप दुश्मन पक्ष के कई लोग हताहत हुए हैं। भारतीय सेना ने पाकिस्तान की कई चौकियों को ध्वस्त कर दिया है। दोनों देशों के बीच 25 फरवरी 2021 को युद्धविराम समझौते के नवीनीकरण के बाद यह पहली बार है कि इतनी भारी गोलाबारी देखी गई है।

स्कूल से लौटे बेटे की शख्स ने की निर्मम हत्या, फिर फांसी लगाकर किया सुसाइड

पालघर, 8 मई (एजेंसियां)। जिले में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक शख्स ने अपने नाबालिग बेटे की हत्या कर दी। वहीं बेटे की हत्या के बाद आरोपी ने खुद भी फांसी के फंदे से लटक कर जान दे दी। फिलहाल मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों के शवों को कब्जे में ले लिया है। इसके अलावा शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी हुई है। बताया जा रहा है कि बीते कई महीनों से शख्स निलंबित चल रहा था, जिस वजह से वह अवसाद में था। दरअसल, पूरा मामला पालघर जिले के आदिवासी बहुल जव्हार तालुका का बताया जा रहा है।

उत्तरकाशी में हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त दर्दनाक हादसे में पायलट समेत छह यात्रियों की मौत

उत्तराकाशी, 8 मई (एजेंसियां)। उत्तरकाशी जिले में आज सुबह एक हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में पायलट समेत छह लोगों के मौत हो गई है। एक घायल को एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन के साथ ही आपदा प्रबंधन की टीम मौके के लिए रवाना हुई। घटनास्थल पर पहुंचते ही टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। गुरुवार सुबह करीब पौने नौ बजे गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर गंगनानी के पास एक हेलिकॉप्टर क्रैश होने की सूचना पर पुलिस, एसडीआरएफ, फायर, मेडिकल व अन्य आपदा राहत दल मौके पर पहुंचे। राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। हेलिकॉप्टर एयरोट्रांस कंपनी का था, जिसने आज सुबह सहस्त्रधारा हेलीपैड से हर्षिल के लिए उड़ान भरी थी। हेलिकॉप्टर में पायलट सहित सात लोग सवार थे, जिनमें छह यात्रियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। एक यात्री घायल हैं। सवार चार यात्री मुंबई और दो आंध्रप्रदेश के बताए जा रहे हैं।

सीएम ने जताया दुख

हेलिकॉप्टर हादसे को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों के हताहत होने का अत्यंत दुःखद समाचार प्राप्त हुआ है। ईश्वर हादसे में दिवंगत हुए लोगों की आत्मा को श्रीचरणों में स्थान एवं शोकाकुल परिजनों को यह असीम दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। प्रशासन को घायलों को हर संभव सहायता पहुंचाने एवं हादसे की जांच के निर्देश दिए हैं। कहा कि इस संबंध में लगातार अधिकारियों के संपर्क में हूं और हर स्थिति पर निगरानी रखी जा रही है।

प्रदेश में मौसम को लेकर चेतावनी

बता दें, कि उत्तराखंड में इन दिनों चारधाम यात्रा चल रही है। केदारनाथ, बदरीनाथ और गंगोत्री-यमुनोत्री जाने के लिए बड़ी संख्या में यात्री पहुंच रहे हैं। कुछ पैदल यात्रा पर निकले हैं तो कई लोग हेली सेवा से पहुंच रहे हैं।

पानी पर बढ़ी रार: नंगल पहुंचे बीबीएमबी चेयरमैन को बंधक बनाया

मंत्री बैंस ने रोपड़ डीआईजी को कहा-पुलिस भेजिए

चंडीगढ़, 8 मई (एजेंसियां)। पंजाब और हरियाणा के बीच चल रहे जल विवाद के बीच हाईकोर्ट के पंजाब सरकार को केंद्र के आदेश मानने को कहा था। इसके बाद गुरुवार सुबह बीबीएमबी के चेयरमैन मनोज त्रिपाठी भाखड़ा डैम के लिए अपनी टीम के साथ रवाना हुए। लेकिन पंजाब पुलिस ने मनोज त्रिपाठी को नंगल डैम में प्रवेश करने से रोक दिया। जानकारी के अनुसार, डैम के बाहर पहले से तैनात पुलिस ने न केवल चेयरमैन बल्कि अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों को भी अंदर जाने से मना कर दिया। मनोज त्रिपाठी को बंधक बना लिया गया। मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने रोपड़ के डीआईजी को फोन कर पुलिस भेज कर बीबीएमबी चेयरमैन को हिरासत में लेने के लिए कहा। वहां मौजूद मंत्री हरजोत बैंस ने कहा कि जब तक सीएम भगवंत मान यहां नहीं आते, तब तक कुछ नहीं करने दिया जाएगा। कैबिनेट मंत्री वरिंदर गोयल भी धरना स्थल पर पहुंच गए हैं।

पंजाब के एडवोकेट जनरल भी बीबीएमबी पहुंच गए हैं। बताया जा रहा है कि त्रिपाठी सुबह करीब 9 बजे गुप्त तरीके से नंगल डैम के दौरे पर निकले थे। उन्होंने जिला प्रशासन रूपनगर से सुरक्षा की मांग भी की थी। जैसे ही वह डैम पर पहुंचे, पहले से तैनात पुलिस ने उन्हें रोक लिया। चेयरमैन ने पुलिस अधिकारियों को हाल ही में पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा दिए गए फैसले का हवाला भी दिया, लेकिन पुलिस ने डैम क्षेत्र को पूरी तरह सील कर दिया है।

गुजरात बॉर्डर के पास ड्रोन गिरने की खबर, हुआ ब्लास्ट, सोर्स की हो रही जांच

कच्छ, 8 मई (एजेंसियां)। गुजरात के कच्छ में भारत पाकिस्तान सीमा के नजदीक एक संदिग्ध धमाका हुआ है। मिली जानकारी के मुताबिक, एक संदिग्ध ड्रोन हाई टेंशन बिजली लाइन से टकराया है, जिससे धमाका हुआ है। घटना सुबह करीब 6 बजे खावड़ा इंडिया ब्रिज बॉर्डर इलाके के पास घटी है। पुलिस और एयरफोर्स मामले की जांच में जुटी हुई हैं। सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। ये ड्रोन सीमा पार पाकिस्तान से आया है या नहीं, उसकी अभी पुष्टि नहीं हो पाई है। इसका मलबा इकट्ठा किया गया है और इसकी जांच की जा रही है कि इसका सोर्स कहां पर है। गौरतलब है कि भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत, पाकिस्तान के खिलाफ सख्त रुख अपना रहा है। भारत ने मंगलवार-बुधवार की रात पाकिस्तान और पीओके की 9 जगहों पर आतंकी ठिकानों पर हमला किया है, जिसमें कई आतंकियों के मारे जाने की खबर है। भारत के इस हमले से पाकिस्तान बौखलाया हुआ है और लगातार गीदड़भभकी दे रहा है। ऐसे में इस एंगल से भी जांच की जा रही है कि कहीं ये ड्रोन पाकिस्तान की तरफ से तो नहीं आया है। पाकिस्तान एलओसी पर लगातार फायरिंग कर रहा है। गुरुवार को भी पाकिस्तान ने एलओसी पर गोले और मोर्टार दागे हैं। अधिकांश लोग सीमावर्ती इलाकों को गुरुवार को छोड़कर सुरक्षित ठिकानों पर चले गए हैं। भारतीय सेना, पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दे रही है। इससे पहले 6-7 मई की रात भारत ने मिसाइल हमले में पाकिस्तान में हाफिज सईद, मसूद अजहर के आतंकी ठिकानों को भी ध्वस्त कर दिया है। आतंकी मसूद अजहर के परिवार के 10 लोगों को भी मार गिराया गया है। इस हमले में मसूद अजहर के 10 परिजनों के अलावा 4 करीबी साथी भी मारे गए हैं।

जम्मू क्षेत्र में 72 घंटे का अलर्ट, आरएस पुरा में खाली कराए जा रहे गांव, स्कूल-कॉलेज भी बंद

जम्मू, 8 मई (एजेंसियां)। भारतीय सशस्त्र बलों की ओर से किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद सीमा पर अलर्ट बढ़ा दिया गया है। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में कल किए गए ऑपरेशन के बाद पाकिस्तान की ओर से सीमा पर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई जिसमें कई लोगों की मौत हो गई। सीमा पार से फायरिंग को देखते हुए जम्मू-कश्मीर की सीमा से सटे जिलों में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। स्कूल-कॉलेज तक बंद कर दिए गए हैं। सीमा से सटे गांवों को खाली कराया जा रहा है। जम्मू-कश्मीर के सांबा और कठुआ जिले के अलावा जम्मू जिले के आरएस पुरा इलाके में अगले 72 घंटे का अलर्ट जारी कर दिया गया है। इस अलर्ट के तहत सीमा से सटे इलाके के लोगों को जल्द से जल्द गांव खाली करने को कहा गया है। कल बुधवार देर रात तक सीमा से सटे इलाके में गांव खाली कराया जाते रहे। ऐहतियातन यहां के स्कूल, कॉलेज और तमाम तरह के घाटी के सभी जिलों के लिए नंबर जारी इस बीच केंद्र शासित प्रदेश की कश्मीर घाटी को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है। घाटी के सभी जिलों में मौजूदा हालात को देखते हुए कंट्रोल रूम नंबर जारी कर दिए गए हैं। ये नंबर लोगों को किसी तरह की परेशानी में होने पर मदद के लिए दिए गए हैं। सिर्फ जम्मू-कश्मीर ही नहीं बल्कि पंजाब में भी सीमावर्ती जिलों के गांवों को अलर्ट कर दिया गया है। फिरोजपुर जिले के कुछ सीमावर्ती गांवों के लोग सुरक्षित जगहों पर पनाह लेने लगें हैं। हालांकि पाकिस्तान से लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बसे अमृतसर और तरनतारन के गांवों में स्थिति शांत बताई गई है। इस बीच पाकिस्तानी सेना की ओर से आज गुरुवार को भी जम्मू-कश्मीर के 4 सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर गोलाबारी की गई। भारतीय सेना ने इसका मुंहतोड़ जवाब दिया। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तानी सेना ने कल यहां के कई सीमावर्ती गांवों को निशाना बनाकर भारी गोलाबारी की और मोर्टार भी दागे। सेना से जुड़े अधिकारियों का कहना है कल की तुलना में आज गुरुवार को सीमापार से गोलेबारी की तीव्रता कम रही और यह चार सेक्टर तक ही सीमित रही।

दीदी की कही बात ऐसी खली, भाई ने ताबड़तोड़ चला दीं पांच गोलियां, मौके पर मौत

सोनीपत, 8 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत जिले के गांव बड़वासनी में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। यहां एक युवक ने अपनी बड़ी बहन को पांच गोलियां मारकर मौत के घाट उतार दिया। मृतका की पहचान प्रीति के रूप में हुई है। जबकि, आरोपी उसका भाई परमजीत है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू की। जानकारी के मुताबिक, प्रीति की शादी करीब चार साल पहले पानीपत के गांव छाजू गढ़ी में हुई थी और उसका एक बेटा भी है। लेकिन पिछले एक महीने से वह अपने मायके बड़वासनी गांव में रह रही थी। दोपहर किसी बात को लेकर प्रीति और परमजीत के बीच झगड़ा हो गया। बहस इतनी बढ़ गई कि प्रीति खुद को बचाने के लिए गली में भागी, लेकिन पीछे से उसके भाई ने उस पर गोलियां बरसा दीं। प्रीति ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही सोनीपत पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, सदर थाना पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेजा गया। इस वारदात पर डीसीपी कुशाल सिंह ने बताया कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि दोनों के बीच घरेलू कलह चल रहा था। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। गांव में इस हत्याकांड के बाद मातम पसरा हुआ है और लोग घटना से स्तब्ध हैं।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव पर फोकस करिए

उद्धव ठाकरे से बोला सुप्रीम कोर्ट, शिवसेना सिंबल विवाद में फैसला नहीं

मुंबई, 8 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने उद्धव ठाकरे गुट से कहा है कि स्थानीय निकाय चुनावों पर ध्यान केंद्रित करें न की चुनाव चिन्ह पर। मामला शिवसेना के तीर-कमान वाले चुनाव चिन्ह का है। ठाकरे की पार्टी ने महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष के एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को धनुष-बाण का चुनाव चिह्न देने के फैसले के खिलाफ अपनी याचिका की थी। इस याचिका पर उद्धव गुट ने तत्काल सुनवाई करने का अनुरोध किया था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने उद्धव ठाकरे की शिवसेना की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से कहा कि समय की कमी के कारण इस मामले पर अदालत की ग्रीष्मकालीन छुट्टियों के बाद ही सुनवाई हो सकेगी। कपिल सिब्बल ने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष ने विधायी बहुमत के आधार पर 2023 में एकनाथ शिंदे गुट को धनुष-बाण का चुनाव चिह्न दिया है। उन्होंने इसे सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के फैसले के विपरीत है। सिब्बल ने कहा कि शिवसेना के चुनाव चिह्न का इस्तेमाल शिंदे गुट स्थानीय निकाय चुनावों में करेगा। यह खास तौर पर ग्रामीण इलाकों में मायने रखेगा। हालांकि, न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने आश्चर्य जताया कि स्थानीय निकाय चुनाव कब से पार्टी चिह्नों पर लड़े जाने लगे हैं।

कोर्ट ने कहा, जाकर चुनाव लड़िए

सिब्बल ने कहा कि महाराष्ट्र में ऐसा होता है और पार्टी चिह्न का मतदाताओं पर बहुत प्रभाव पड़ता है। पीठ ने कहा कि आप चुनाव होने दीजिए। हमें बताया गया है कि पांच साल से अधिक समय से महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव नहीं हुए हैं। आप चुनावों पर ध्यान केंद्रित करें। हम देखेंगे कि क्या किया जा सकता है। सिब्बल ने कहा कि 2022 में अदालत ने यथास्थिति बनाए रखी थी, जिसके कारण चुनाव नहीं हुए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि इसलिए वह देरी के लिए व्यवस्था को दोषी ठहरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अदालत महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के चुनाव चिह्न विवाद के मामले की तरह चुनाव चिह्न के इस्तेमाल पर कुछ शर्तें लगा सकती है। पीठ ने कहा कि अगर यह बहुत जरूरी है तो मामले की सुनवाई अवकाशकालीन पीठ कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने 6 मई को राज्य के स्थानीय निकाय चुनावों का मार्ग प्रशस्त किया जो आरक्षण के मुद्दे के कारण पांच साल से अधिक समय से रुके हुए थे।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद हाई अलर्ट पर सरहदी सूबे, पंजाब पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियां कैंसिल

चंडीगढ़, 8 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले का भारत ने बदला ले लिया है। भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' लॉन्च कर पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकाने को तबाह कर दिया। इससे बेचैन पाकिस्तान सीमा पर गोलीबारी कर रहा है। इसे ध्यान में रखते हुए सरहदी राज्यों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। इस बीच, पंजाब पुलिस ने अपने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियां तत्काल प्रभाव से रद्द करने का आदेश दिया है।

मेडिकल स्टाफ की सभी छुट्टियां रद्द

इसके अलावा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, चंडीगढ़ यूटी के मिशन हेल्थ डायरेक्टर ने एक आदेश जारी करते हुए एएएमएस एवं यूएएएम में तैनात सभी प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियां तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी हैं। आदेश में कहा गया है कि सभी कर्मचारी 24 घंटे और 7 दिन आपातकालीन ड्यूटी के लिए तैयार रहें। यदि उन्हें कहीं भी और कभी भी ड्यूटी के लिए बुलाया जाता है, तो उन्हें तुरंत रिपोर्ट करना होगा। उन्हें 24 घंटे उपलब्ध रहना होगा और तुरंत कॉल का जवाब देना होगा, अन्यथा सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होता है और अगले आदेश तक जारी रहेगा।

छह सीमावर्ती जिलों में सभी स्कूल बंद

वहीं, भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर पंजाब के छह सीमावर्ती जिलों में सभी स्कूल गुरुवार को बंद है। अधिकारियों ने बताया कि फिरोजपुर, पठानकोट, फाजिल्का, अमृतसर, गुरदासपुर और तरनतारन जिलों में स्कूल बंद कर दिए गए। तरनतारन के उपायुक्त ने एक आदेश जारी कर कहा कि जिले के सभी स्कूल 8 से 11 मई तक बंद रहेंगे। अधिकारियों ने बताया कि फिरोजपुर में अगले आदेश तक स्कूलों को अगले 72 घंटों के लिए बंद करने का आदेश दिया गया है। भारतीय सशस्त्र बलों ने पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेते हुए कठोर जवाबी कार्रवाई में मंगलवार और बुधवार की दरम्यानी रात पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए, जिनमें आतंकवादी समूहों लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के गढ़ भी शामिल हैं। इसके बाद पंजाब में स्कूल बंद रहे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता

सुविचार: ईश्वर से सर्व संबंध अनुभव करने का अर्थ है कि आप सभी इच्छाओं से पार जा चुके हैं

तेलंगाना सरकार कर्मचारियों की जरूरतों को पूरा करने में सबसे आगे : भट्टी

> डिप्टी सीएम ने खम्मम में मेडिकल कॉलेज भवन का शिलान्यास किया

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राज्य सरकार सरकारी कर्मचारियों की जरूरतों को पूरा करने में अग्रणी है और उनकी मांगों की जांच के लिए अधिकारियों की एक समिति बनाई गई है। उन्होंने गुरुवार को खम्मम में मेडिकल कॉलेज भवन के शिलान्यास समारोह के अवसर पर आयोजित एक सार्वजनिक बैठक के दौरान ये टिप्पणियां कीं।

उपमुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि कर्मचारी कल्याण के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के बारे में किसी को भी चिंता करने की जरूरत नहीं है, जैसा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आश्वासन दिया है। उन्होंने भ्रामक बयानों के माध्यम से बीआरएस और भाजपा नेताओं द्वारा फैलाए जा रहे झूठे प्रचार पर गुस्सा जताया। भट्टी ने कहा, राज्य की राजस्व स्थिति के बावजूद, जनता पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ डाले बिना 60,000 से 70,000 करोड़ रुपये की कल्याणकारी योजनाएं लागू की जा रही हैं। हर महीने की पहली तारीख को वेतन दिया जा रहा है और सीएम ने आश्वासन दिया है कि कर्मचारियों की शिकायतों को दूर करने के लिए समय लिया जाएगा। उन्होंने पिछले शासकों की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने 7 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया, लेकिन कभी भी सरकारी कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं दिया, अक्सर महीने की 15 तारीख के बाद।

भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार के विपरीत, जिसने कर्मचारियों में डर पैदा किया और विकास और कल्याण की उपेक्षा की, वर्तमान सरकार लोगों के कल्याण पर केंद्रित है। उपमुख्यमंत्री ने उन लोगों का उपहास किया जो सत्ता खो चुके हैं और अब आलीशान फार्महाउस और महंगे घरों में पड़े हैं और निराधार बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा, यह ऐसी सरकार नहीं है जो शासकों या अभिजात वर्ग की सेवा करती है, हमारी सरकार जनता की सरकार है जो जन कल्याण के लिए समर्पित है। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि 34 सरकारी और 29 निजी मेडिकल कॉलेजों में 9,065 सीटें तेलंगाना राज्य के छात्रों को मुफ्त चिकित्सा शिक्षा प्रदान कर रही हैं। भट्टी ने कहा कि दामोदर राजनरसिम्हा के मंत्री बनने के बाद, आठ नए मेडिकल कॉलेज सुरक्षित किए गए हैं और उनके लिए स्थायी भवन बनाने के प्रयास चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता की सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य पर अभूतपूर्व ध्यान दे रही है।

उन्होंने कहा कि जो लोग तेलंगाना के लिए लड़ने और 2014 से 2023 तक शासन करने का दावा करते हैं, उन्होंने चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग पर केवल 5,959 करोड़ रुपये खर्च किए, जबकि इंदिराम्मा सरकार ने केवल एक वर्ष में 11,482 करोड़ रुपये खर्च किए- जो दोगुने से भी अधिक है। उन्होंने ये आंकड़े वारंगल में हाल ही में एक सार्वजनिक बैठक के दौरान किए गए निराधार दावों का खंडन करने के लिए पेश किए, जहां सब कुछ विफल करार दिया गया था। उपमुख्यमंत्री ने बीआरएस शासन पर राजीव आरोग्यश्री योजना की उपेक्षा करने और चिकित्सा बिलों को लंबित छोड़ने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, हमने लंबित बिलों का भुगतान किया और चिकित्सा कवरेज की सीमा 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दी, जिससे राज्य के 90 लाख परिवारों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवा का लाभ मिला।

भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि पिछली सरकार के तहत राजीव आरोग्यश्री पर सालाना केवल 54.12 करोड़ रुपये खर्च किए जाते थे, जबकि मौजूदा सरकार ने सिर्फ एक साल में 36 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। भट्टी विक्रमार्क ने कहा, राज्य सरकार खम्मम जिले की किसी भी जरूरत को पूरा करने के लिए तैयार है। मेडिकल कॉलेज भवन की आधारशिला रखना एक महत्वपूर्ण कदम है, जो मल्टी-स्पेशलिटी स्वास्थ्य सेवाओं को लोगों के करीब लाएगा। कॉलेज भवन के निर्माण से खम्मम के लोग हैदराबाद की यात्रा किए बिना स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्राप्त कर सकेंगे।

थैलेसीमिया और सिकल सेल सोसाइटी ने विश्व थैलेसीमिया दिवस मनाया

टीम ने राज्यपाल से मुलाकात की

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। थैलेसीमिया और सिकल सेल सोसाइटी (टीएससीएस) ने तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से मुलाकात की और तेलंगाना में थैलेसीमिया के उन्मूलन के लिए उनके समर्थन का अनुरोध किया। शेष दिन टीएससीएस शिवरामपल्ली में जीवंत और प्रभावशाली कार्यक्रमों के साथ मनाया गया, जिसमें रोगियों, परिवारों, स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों और समर्थकों को जागरूकता बढ़ाने और थैलेसीमिया की बेहतर देखभाल और रोकथाम के लिए वकालत करने के लिए एक साथ लाया गया। थैलेसीमिया इंटरनेशनल फेडरेशन के 2025 के वैश्विक थीम, "थैलेसीमिया के लिए एक साथ: समुदायों को एकजुट करना, मरीजों को प्राथमिकता देना" के साथ सरेखित, इस कार्यक्रम ने थैलेसीमिया से निपटने में सामुदायिक भागीदारी और रोगी-केंद्रित रणनीतियों के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम दिवस की शुरूआत एक जागरूकता पदयात्रा से हुई जिसमें रोगियों, देखभाल करने वालों और स्वयंसेवकों की उत्साही भागीदारी देखी गई। इसके बाद थैलेसीमिया रोगियों की प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने वाले सांस्कृतिक प्रदर्शन हुए, जिससे खुशी और एकता का माहौल बना। टीएससीएस के अध्यक्ष डॉ. चंद्रकांत अग्रवाल ने थैलेसीमिया से प्रभावित लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए समाज की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, हमारा ध्यान रोगियों को सशक्त बनाने और शिक्षा, सहयोग और सामुदायिक जुड़ाव के माध्यम से बेहतर रोकथाम और उपचार रणनीतियों की वकालत करने पर है। कार्यक्रम में विशेष अतिथि, गायिका और इंडियन आइडल प्रतियोगी सुश्री रागिनी शिंदे का टीएससीएस बोर्ड के सदस्यों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। रागिनी अपने भाई के लिए अस्थि मज्जा दानकर्ता भी हैं, जो थैलेसीमिया मेजर हैं। उन्होंने भी सांस्कृतिक खंड में भाग लिया, अपने प्रदर्शन और प्रोत्साहन के शब्दों से उपस्थित लोगों को प्रेरित किया। कार्यक्रम का एक मुख्य आकर्षण इस विषय पर एक पैनल चर्चा थी।

जर्जर भवनों के विवरण का सर्वेक्षण कराएं : आर.वी. कर्णन

> आयुक्त ने मानसून तैयारी कार्यक्रमों पर कई सुझाव दिए

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आगामी मानसून सीजन को देखते हुए जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम सीमा के भीतर जीर्ण-शीर्ण और खतरनाक इमारतों और संरचनाओं के खिलाफ विशेष कार्रवाई करने के आदेश जारी किए हैं। यह सुझाव दिया गया कि जीर्ण-शीर्ण इमारतों, संरचनाओं, पुरानी दीवार वाले क्षेत्रों आदि की पहचान के लिए विशेष सर्वेक्षण किए जाएं तथा अभियांत्रिकी विभाग की रिपोर्ट के आधार पर पहचान की गई इमारतों की संरचनात्मक सुरक्षा का आकलन किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सर्किल स्तर पर रिपोर्ट के अनुसार अंतिम सूची तैयार की जाए। यदि किसी सरकारी स्कूल की इमारत जीर्ण-शीर्ण अवस्था में पाई जाए तो इसकी सूचना तुरंत शिक्षा विभाग के अधिकारियों को दी जाए। उन्होंने कहा कि चिन्हित जीर्ण-शीर्ण भवनों को नोटिस जारी किया जाना चाहिए, सबसे खतरनाक भवनों को तुरंत खाली कराया जाना चाहिए या सील किया जाना चाहिए तथा भवनों के चारों ओर बैरिकेड्स और चेतावनी बोर्ड लगाए जाने चाहिए। यह सुझाव दिया गया कि यदि भवन मालिक मरम्मत कार्य करते हैं, तो उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे जीएचएमसी मानकों का अनुपालन करते हैं और जीर्ण-शीर्ण भवनों को ध्वस्त करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाना चाहिए। उन्होंने आदेश दिया कि प्रत्येक भवन का विवरण गूगल स्प्रेडशीट में अद्यतन किया जाए तथा रिपोर्ट जीएचएमसी मुख्यालय को प्रस्तुत की जाए। सभी सर्किलों के उप नगर नियोजकों/सहायक नगर नियोजकों को तत्काल कार्रवाई करने और एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है, जीएचएमसी के मुख्य अभियंता (रखरखाव) की देखरेख में कार्यकारी अभियंताओं को निर्माण की स्थिरता और मजबूती पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है, और जोनल आयुक्तों को अपने सर्किलों में इस प्रक्रिया की समीक्षा करने और निर्दिष्ट समय सीमा के भीतर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। आयुक्त ने चेतावनी दी कि यदि जर्जर भवनों एवं संरचनाओं पर नियमों के अनुसार कार्रवाई करने में लापरवाही/विलंब किया गया तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

चंद्रायनगुट्टा में गला रेतकर महिला की हत्या

शव को किया गया आग के हवाले

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार रात चंद्रायनगुट्टा स्थित अपने घर में अज्ञात लोगों ने 55 वर्षीय महिला की हत्या कर दी। मजदूर के रूप में काम करने वाली महिला चंद्रायनगुट्टा के इंदिरा नगर में एक घर में रहती थी। आधी रात के करीब स्थानीय निवासियों ने महिला के कमरे में आग लगी देखी और पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंचने पर पुलिस को महिला का शव मिला, जिसका गला चाकू से रेता गया था।

हमलावरों ने महिला की हत्या करने के बाद अपराध छिपाने के लिए शव को आग लगा दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया है। मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में ले लिया है।

एई, जेटीओ नियुक्तियों में देरी को लेकर हरीश राव ने की कांग्रेस की आलोचना

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस विधायक टी हरीश राव ने कांग्रेस सरकार पर जमकर हमला बोला और आरोप लगाया कि सिंचाई विभाग में इंजीनियरिंग पदों के लिए चुने गए उम्मीदवारों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि परीक्षा पास करने के बावजूद उम्मीदवार अभी भी नियुक्ति पत्र का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने मांग की कि कांग्रेस सरकार चयनित उम्मीदवारों को तुरंत नियुक्ति पत्र जारी करे।

हरीश राव ने एक बयान में कहा कि बीआरएस शासन के दौरान चुने गए 224 सहायक अभियंता (एई) और 199 जूनियर तकनीकी अधिकारी (जेटीओ) कांग्रेस सरकार के तहत अपनी नियुक्ति में अनुचित देरी के कारण संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह उन युवाओं के साथ क्रूर विश्वासघात है जिन्होंने कड़ी मेहनत की, परीक्षा पास की और सेवा के लिए तैयार हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की अनुपलब्धता के कारण नियुक्ति को बार-बार स्थगित करने की निंदा की। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी सरकार के लिए बहाने बनाना और एसएससी परिणामों को स्थगित करने सहित प्रतिबद्धताओं को पूरा करने से बचना आम बात हो गई है। उन्होंने कहा कि सरकार शासन से ज़्यादा नारों पर ध्यान केंद्रित करके नौकरी पाने की खुशी को छीन रही है।

तेलंगाना जागृति भारतीय सशस्त्र बलों के समर्थन में निकालेगी रैली

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति शुक्रवार को आतंकवाद को खत्म करने के उद्देश्य से भारतीय सशस्त्र बलों के ऑपरेशन सिंदूर के समर्थन में एक विशाल रैली आयोजित करेगी। तेलंगाना जागृति अध्यक्ष और एमएलसी के कविता के नेतृत्व में रैली शाम 6 बजे पीपुल्स प्लाजा से शुरू होगी और डॉ. बीआर अंबेडकर की 125 फुट ऊंची प्रतिमा पर समाप्त होगी। एक बयान में, तेलंगाना जागृति ने नागरिकों, विशेषकर युवाओं से आग्रह किया कि वे आतंकवाद के खिलाफ भारतीय सशस्त्र बलों के चल रहे प्रयासों के प्रति समर्थन व्यक्त करने के लिए बड़ी संख्या में शामिल हों।

भाकपा के राष्ट्रीय सचिव नारायण ने कुंतलूर में आग प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाकपा के राष्ट्रीय सचिव डॉ.के. नारायण, भाकपा एमएलसी नेल्लिकंती सत्यम, भाकपा रंगा रेड्डी जिला सचिव पालमकुला जंगैया, भाकपा राज्य कार्यकारिणी सदस्य अंदोज रवींद्र चारी, भाकपा राज्य परिषद सदस्य मुत्याला यादिरेड्डी, पानुगंती पर्वताला और पल्ले नरसिम्हा ने आज रंगारेड्डी जिले के अब्दुल्लापुरमेट मंडल के कुंतलूर राजस्व सीमा के अंतर्गत रवि नारायण रेड्डी कॉलोनी में आग दुर्घटना में जलकर राख हुई झोपड़ियों के क्षेत्र का दौरा किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने राज्य सरकार से आग दुर्घटना में अपनी झोपड़ियां खोने वाले सभी लोगों को वित्तीय सहायता देने का आग्रह किया। उन्होंने राज्य सरकार से सभी प्रभावित परिवारों को भूमि पट्टा जारी करने के बाद उसी क्षेत्र में मकान स्वीकृत करने का भी आग्रह किया। इस कार्यक्रम में जिला कार्यकारिणी के सदस्य, स्थानीय पार्षद पब्बती लक्ष्मण, पूर्व पार्षद हरि सिंह नायक, नवनीता, सैदुलु, केथराजू नरसिम्हा, यदागिरी और अन्य शामिल थे।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Prasadi Mondal mother of Mr Surajit Mondal presently residing at Vill & Post Narayan Pur, Teh- Rampurhat,Distt-Birbhum (West Bengal) PIN-731223 have changed my name from Parsadi Mondal to Prasadi Mondal vide affidavit dt 21 Apr 2025 before P Raveendranath Advocate and Notary, Secunderabad

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

अतिरिक्त आयुक्त ने ग्रीष्मकालीन कोचिंग शिविरों का किया निरीक्षण

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अतिरिक्त खेल आयुक्त डॉ.एन. यादगिरी राव ने गुरुवार को संबंधित जोन खेल निरीक्षकों के साथ विभिन्न खेल मैदानों और खेल परिसरों में ग्रीष्मकालीन कोचिंग कैंप-2025 स्थानों का निरीक्षण किया। अंशकालिक और मानद प्रशिक्षकों को निर्देश दिया गया कि वे बच्चों को ग्रीष्मकालीन कोचिंग शिविर के माध्यम से उपलब्ध कराई गई सुविधाओं का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु मार्गदर्शन प्रदान करें। खेल विभाग के अतिरिक्त आयुक्त ने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों के लिए इस अद्भुत अवसर का लाभ उठाएं तथा जीएचएमसी द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन कोचिंग शिविरों में सहयोग करें। स्वर्ण पदक 12 वर्ष से कम आयु के खिलाड़ियों ने जीते।

राजेंद्रनगर में सड़क दुर्घटना में व्यक्ति की मौत

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके राजेंद्रनगर में गुरुवार को सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, आउटर रिंग रोड (ओआरआर) हिमायतसागर पर एक कार का टायर पंचर हो गया। इसके बाद कार चालक ने ओआरआर रिकवरी वाहन को बुलाया और उनसे सहायता मांगी। पीड़ित शिवा केशव एक टोइंग वाहन चालक है, जो कार की मरम्मत के लिए आया था। पुलिस ने बताया कि शिवा और उसका साथी सड़क पर खड़े होकर कार का टायर बदलने की कोशिश कर रहे थे, तभी एक तेज रफ्तार एसयूवी आई और शिवा को टक्कर मार दी। चोटों के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

एंजेलिना राज
माता : अंजली
पिता : राजकुमार

विकास निधि में देरी और मंत्री पद की अड़चनों को लेकर कांग्रेस विधायकों में असंतोष

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के विधायकों, खास तौर पर सत्तारूढ़ पार्टी के विधायकों में असंतोष पनप रहा है, जो निर्वाचन क्षेत्र विकास निधि (सीडीएफ) जारी होने में देरी के कारण खुद को लगातार घिरा हुआ पा रहे हैं। वे नौकरशाही बाधाओं और मंत्रालयी गेटकीपिंग का हवाला दे रहे हैं, जो बुनियादी लेकिन महत्वपूर्ण स्थानीय कार्यों को रोक रहा है, जिससे पिछले वित्तीय वर्ष से 1,190 करोड़ रुपये का एक बड़ा हिस्सा अप्रयुक्त रह गया है। सत्ता में आए करीब डेढ़ साल हो गए हैं, लेकिन कांग्रेस सरकार अभी तक विधायकों को विकास के लिए सार्थक फंड मुहैया नहीं करा पाई है। दिसंबर 2023 में कांग्रेस सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने जनवरी 2024 में सीडीएफ की जगह विशेष विकास कोष लाने और हर विधानसभा क्षेत्र के लिए सालाना 10 करोड़ रुपये आवंटित करने की बड़ी घोषणा की, यानी 2024-25 के लिए कुल 1,190 करोड़ रुपये।

हालांकि, जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां करती है। कई इलाकों में कोई खास काम नहीं हुआ है, क्योंकि फंड प्रस्तावों को अभी भी जिला प्रभारी मंत्रियों से मंजूरी की जरूरत है, विधायकों का कहना है कि इस व्यवस्था से अनावश्यक देरी और राजनीतिक परेशानी हो रही है। सूत्रों ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान औसतन हर निर्वाचन क्षेत्र में 1.5 करोड़ रुपये का भी विकास जमीनी स्तर पर नहीं हुआ है। विपक्षी विधायकों और एमएलसी के प्रतिनिधित्व वाले निर्वाचन क्षेत्रों में स्थिति और भी खराब है। सड़क मरम्मत से लेकर पेयजल बोरवेल तक, सबसे बुनियादी काम भी लालफीताशाही में फंसे हुए हैं।

एक असंतुष्ट विधायक ने कहा कि हम मंत्रियों के चक्कर लगाए बिना छोटी-छोटी परियोजनाओं को भी मंजूरी नहीं दे पा रहे हैं। अगर ऐसा ही चलता रहा तो लोग हमें अपने ही गांवों में वापस नहीं आने देंगे। अन्य लोगों को डर है कि वादे पूरे न कर पाने की वजह से वे स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं से संपर्क खो देंगे। यह स्थिति पिछली बीआरएस सरकार से बिलकुल अलग है, जहां पार्टी से जुड़े लोगों की परवाह किए बिना सभी विधायकों और एमएलसी को विकास निधि जारी की जाती थी। बीआरएस सरकार के दौरान, तत्कालीन मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने एमपीएलएडी के बराबर बजट आवंटन को बढ़ाकर 5 करोड़ रुपये सालाना कर दिया था। विधायकों द्वारा अनुशंसित कार्यों के लिए जिला कलेक्टरों द्वारा निधि जारी की जाती थी।

राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि मौजूदा कांग्रेस विधायक, जिनमें से कई ने अपनी सीट जीतने के लिए करोड़ों खर्च किए हैं, अपने ही नेतृत्व द्वारा धोखा महसूस करने लगे हैं। एक अन्य वरिष्ठ विधायक ने कहा कि इस बात को लेकर चिंता बढ़ रही है कि अगर विकास जल्द ही गति नहीं पकड़ता है, तो पार्टी को अगले चुनाव में इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी।

कई विधायक अब खुलेआम मांग कर रहे हैं कि प्रति निर्वाचन क्षेत्र 10 करोड़ रुपये की राशि सीधे उनके नियंत्रण में रखी जाए, चेतावनी देते हुए कि इसके बिना, जमीनी स्तर पर प्रतिनिधित्व का उद्देश्य ही विफल हो जाएगा। उन्हें डर है कि अगर यह प्रवृत्ति जारी रही, तो वे अपने मूल कार्यकर्ताओं की वफ़ादारी भी नहीं बचा पाएंगे, 2028 में मतदाताओं का सामना करना तो दूर की बात है।

पूर्व तट रेलवे

(1) सूचना सं.: eT-North-WAT-12-2025
दिनांक: 05.05.2025

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के सहायक मण्डल अभियन्ता /लक्ष्मीपुर रोड के अधिकार क्षेत्र के अधीन कोरापुट - रायगड़ा लाइन में भालूमास्का-सिकरपाई के बीच कि.मी. 132/21-22 में स्थित अतिक्रमण वाले स्थान पर सीमित ऊंचाई उपमार्ग (LHS) का निर्माण।
कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 2,34,09,279.13, EMD : ₹ 2,67,100/-

(2) सूचना सं.: eT-North-WAT-13-2025
दिनांक: 05.05.2025

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के सहायक मण्डल अभियन्ता /रायगड़ा के अधिकार क्षेत्र के अधीन रायपुर - विजयनगरम लाइन में सिंगापुर रोड - थेरुवाली के बीच कि.मी. 330/20-22 में स्थित अतिक्रमण वाले स्थान पर सीमित ऊंचाई उपमार्ग (LHS) का निर्माण।
कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 4,24,49,610.64, EMD : ₹ 3,62,300/-
कार्य पूरा होने की अवधि : 12 (बारह) महीने (दोनों क्रम सं. के लिए)।
निविदा बंद होने की तिथि व समय : 29.05.2025 को 1500 बजे (दोनों निविदा के लिए)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक / कूरियर / फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।
उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।
द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पन्द्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर
PR-105/Q/25-26

बिहार में ऑपरेशन सिंदूर की गूंज, बेटी का नाम रखा सिंदूरी

कटिहार, 8 मई (एजेंसियां)। भारत की ओर से पाकिस्तान में की गई एयर स्ट्राइक ऑपरेशन सिंदूर का शोर अब सोशल मीडिया से लेकर आम जनता के दिलों तक गूंज रहा है। हर ओर बस एक ही चर्चा है ऑपरेशन सिंदूर देश की इसी भावना से प्रेरित होकर कटिहार में एक अनोखा लम्हा देखने को मिला। एक शख्स ने अपनी नवजात बच्ची का नाम सिंदूरी रखा है। कुर्सेला के रहने वाले संतोष मंडल और राखी कुमारी ने अपनी बेटी का नाम सिंदूरी रखा है। वजह जिस दिन ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया गया। उसी दिन उनके घर लक्ष्मी ने जन्म लिया। परिवार को यह पल इतना खास लगा कि उन्होंने इस ऐतिहासिक दिन को बेटी के नाम से जोड़ दिया। सिंदूरी के पिता संतोष मंडल कहते हैं कि हमारी बेटी देश की जीत के दिन आई, इसलिए हमने उसका नाम सिंदूरी रखा है, यह हमारे लिए गर्व और सौभाग्य की बात है। नाना कुंदन मंडल कहते हैं कि एक तरफ पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक की जीत और उसी दिन बेटी का जन्म दोनों ही उनके लिए गौरव का विषय है। नाना कहते हैं कि बड़े होकर सिंदूरी को सेना में भेजेंगे। मामी सिंपल देवी कहती है कि हमारी सिंदूरी अब सिर्फ हमारी नहीं पूरे इलाके की शान बन गई है। ऑपरेशन सिंदूर के साथ अब सिर्फ सुना ही नहीं आम भारतीय भी खुद को जुड़ा हुआ महसूस कर रहे हैं। यह लम्हा सिर्फ एक नामकरण नहीं, देशभक्त और भावनात्मक जुड़ाव की एक मिसाल बन गया है।

सैयद सालार मसूद गाजी का विवाद पहुंचा हाई कोर्ट

दरगाह पर उर्स लगाने से लगाई गई रोक

प्रयागराज, 8 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले स्थित सैयद सालार मसूद गाजी की दरगाह पर हर साल होने वाला उर्स इस बार विवादों में घिर गया। अब ये मामला हाई कोर्ट पहुंच गया है। दरगाह पर आयोजित होने वाले उर्स को लेकर स्थानीय प्रशासन ने इस बार प्रतिबंध लगा दिया, जिसके खिलाफ दरगाह प्रशासन ने इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में याचिका दायर की है। कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को अपना पक्ष रखने के लिए कहा है और मामले की सुनवाई की अगली तारीख 14 मई तय की गई है। यह मामला वक्फ नंबर 19 दरगाह शरीफ, बहराइच की ओर से दायर रिट याचिका पर आधारित है। याचिका के पक्ष में वरिष्ठ अधिवक्ता लालता प्रसाद मिश्र ने अदालत में दलील दी कि सैयद सालार मसूद गाजी की दरगाह 1375 ई। में फिरोजशाह तुगलक द्वारा बनवाई गई थी। तब से लेकर आज तक हर साल जेठ के महीने में एक महीने तक इस दरगाह पर उर्स का आयोजन किया जाता है, जिसमें देश-विदेश के चार-पांच लाख लोग आते हैं। याचिका में यह भी कहा गया कि इस बार उर्स 15 मई से शुरू होने वाला था, लेकिन स्थानीय प्रशासन ने बिना किसी स्पष्ट कारण के इसे अनुमति देने से इंकार कर दिया।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, मुगल बादशाह औरंगजेब को लेकर जारी विवाद के बीच उत्तर प्रदेश में सैयद सालार मसूद गाजी को लेकर विवाद सामने आया। ये विवाद सैयद सालार मसूद गाजी की दरगाह पर लगने वाले उर्स शुरू हुआ, जिसे नेजे का मेला भी कहा जाता है। हिंदू संगठन सैयद सालार मसूद गाजी को सूफी संत नहीं, मुगल आक्रांता कहकर मेले का विरोध किए। सैयद सालार मसूद गाजी की दरगाह यूपी के बहराइच जिले में है। सैकड़ों सालों से यहां एक बड़ा मेला लगता रहा है। बहराइच के अलावा भी यूपी के कई जिलों में भी ये मेला लगता रहा है। सैयद सालार मसूद गाजी, क्रूर अफगान हमलावर महमूद गजनवी का भांजा और सेनापति था, जिन पर गुजरात के सोमनाथ मंदिर को लूटने का आरोप है। हालांकि, एक धड़ा सोमनाथ मंदिर में लूट को लेकर कहता है कि उस वक्त सालार मसूद की उम्र 11 साल थी और 18 साल की उम्र में यूपी के बहराइच में राजा सुहेलदेव ने उसे युद्ध में हरा दिया था। कहा जाता है कि सैयद सालार मसूद गाजी की मौत के बाद ही बहराइच में मजार बनी थी।

भारत में अवैध रुप से प्रवेश करते 4 चीनी नागरिक गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण, 8 मई (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर में पहलगाम हमले के बाद भारत के द्वारा आपरेशन सिंदूर के तहत किए गए एयर स्ट्राइक के बाद से भारत-नेपाल की सीमा पर बढ़ी चौकसी के दौरान एसएसबी ने चार चाइनिज नागरिकों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास भारत का वीजा नहीं है। चारों अवैध रुप से भारत में प्रवेश किए हैं। जो भारत के सीमावर्ती शहर रक्सौल के रास्ते नेपाल जाने के फिराक में थे। आपरेशन सिंदूर के बाद भारत-नेपाल सीमा पर बढ़ी चौकसी के दौरान सुरक्षा में तैनात पुलिस व सशस्त्र सीमा बल 47 वीं वाहिंनी के जवानों ने विदेशी नागरिकों को देख रोक कर जांच किया। इस दौरान चारों के पास से पासपोर्ट, मोबाइल, घड़ी व सौ रुपए का आठ हजार चाइनिज डालर बरामद हुआ है। पासपोर्ट चीन से निर्गत हुआ है। जिसमें एक का नाम हि क्यु हैनसेन, उम्र 50, हुवांग लिमिन 43, लीं युंघाई 38, डेन विजोन 41 है। चारों चीन के हुनान के निवासी बताए जा रहे है। जिनसे बार्डर पर तैनात सुरक्षा एजेंसियां पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है कि सुरक्षा एजेंसियां गिरफ्तार चाइनिज नागरिकों के पाकिस्तान कनेक्शन की जांच में जुटी है। जिसे अग्रतर कार्रवाई के लिए एसएसबी ने हरैया पुलिस को सौंप दिया है। वहीं हरैया पुलिस ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई कर रही है। वहीं, पुलिस ने राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियों को सूचना भेजी है। एसपी का वर्जन सीमा पर जारी अलर्ट के बीच मोतिहारी पुलिस व एसएसबी की संयुक्त कार्रवाई में चार चाइनीज नागरिक पकड़े गए हैं। सभी बिना वीजा के भारत में प्रवेश कर रहे थे। प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

प्रतापगढ़ में आबादी की जमीन के विवाद में गोली मारकर युवक की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

प्रतापगढ़, 8 मई (एजेंसियां)। आबादी की जमीन के विवाद में दो भाई भिड़ गए। एक पक्ष ने गोली मारकर 22 साल के अमन दुबे की हत्या कर दी। युवक की चाची 40 साल की सरिता घायल हो गई। पट्टी महोखरी गांव में गुरुवार सुबह हुई इस घटना से दहशत फैल गई। बुलडोजर से विवादित जमीन पर खुदाई के दौरान विवाद बढ़ा और इतनी बड़ी घटना हो गई। विरोधियों ने लाइसेंसी दुनाली से गोली मार दी।

गोली मारने का आरोप रिटायर सेक्रेटरी और उसके बेटे पर लगा है। पुलिस ने एक को हिरासत में लिया है। मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक दुर्गेश कुमार सिंह भी पहुंचे हैं। घायल महिला को राजा प्रताप बहादुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पटना हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

तीन बार फेल होने पर भी परीक्षा में बैठ सकेंगे ये उम्मीदवार

पटना, 8 मई (एजेंसियां)। पटना हाईकोर्ट ने मेडिकल कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर की बहाली के संबंध में बड़ा फैसला दिया है। अदालत ने फेल उम्मीदवारों को बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने बिहार के मेडिकल कॉलेजों में असिस्टेंट प्रोफेसरों की बहाली प्रक्रिया में शामिल होने की अंतरिम अनुमति वैसे उम्मीदवारों को भी दी है, जिन्होंने एमबीबीएस परीक्षा में तीन से अधिक बार फेल किया है।

एक्टिंग चीफ जस्टिस की खंडपीठ ने दी राहत

डॉ। चक्रपाणी कुमार की याचिका पर सुनवाई करते हुए एक्टिंग चीफ जस्टिस आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने यह अंतरिम राहत दी है। कोर्ट ने स्पष्ट कहा है कि ऐसे उम्मीदवारों को अंतरिम राहत इस याचिका के अंतिम परिणाम पर निर्भर होगा। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता प्रणव कुमार ने अदालत को बताया कि यह कानून उचित नहीं है।

बीपीएससी के विज्ञापन की दी जानकारी

ये उम्मीदवारों के बीच एक अलग से श्रेणी बनाया जा रहा है। अधिवक्ता प्रणव कुमार ने अदालत को बताया कि बीपीएससी ने राज्य के मेडिकल कालेजों में नियुक्ति के लिए विज्ञापन निकाला। इस विज्ञापन में स्पष्ट किया गया कि जो उम्मीदवार अपने एमबीबीएस कोर्स पास करने के क्रम में तीन से अधिक बार फेल हुए हो, उन्हें इस पद के लिए योग्य नहीं माना जायेगा। उन्होंने कोर्ट को बताया कि पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स, यथा एमडी, एमएस में इस तरह के मामलों में कोई प्रतिबंध नहीं है। यह समानता के विरुद्ध है।

कानून पर विचार करने को तैयार राज्य सरकार

उन्होंने फिर बताया कि यह कानून 2013 में लाया गया था। इसके बाद राज्य सरकार की तरफ से महाधिवक्ता पीके शाही ने अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस कानून पर विचार करने को तैयार है। मौके पर अधिवक्ता प्रणव कुमार और सृष्टि सिंह ने याचिकाकर्ता की ओर से तथ्यों को प्रस्तुत किया। वहीं राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता पीके शाही ने अपना पक्ष रखा। इस मामले पर अगली सुनवाई 3 जुलाई, 2025 को होनी है।

'एक चुटकी सिंदूर की कीमत तुम क्या जानो पाकिस्तान', पटना में आरजेडी का पोस्टर वार

पटना, 8 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर' के तहत सेना की ओर से की गई कार्रवाई के बाद बिहार की राजधानी पटना में पोस्टर वार शुरू हो गया है। गुरुवार को आरजेडी दफ्तर से लेकर कई जगहों पर अलग-अलग पोस्टर देखने को मिले। पोस्टर के जरिए पाकिस्तान को आंख दिखाई गई है जबकि सेना के शौर्य की तारीफ की गई है। सिंदूर की ताकत बताई गई है। अलग-अलग नेताओं की ओर से दो पोस्टर लगाए गए हैं।

'भारतीय सेना को लख-लख बधाइयां'

पहले पोस्टर में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की तस्वीर लगी है। पोस्टर में सेना के जवानों, एयर स्ट्राइक की तस्वीर है। लिखा गया है, जय हिंद। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भारतीय सेना को लख-लख बधाइयां। भारतीय सेना ने हर बार माताओं की कोख, बहनों की कलाई और उनके सिंदूर की रक्षा की है। दूसरे पोस्टर में भी तेजस्वी की तस्वीर है। सेना को जंग लड़ते हुए दिखाया गया है। लिखा गया है, एक चुटकी सिंदूर की कीमत की तुम क्या जानो पाकी... नौ आतंकी अड्डों को उड़ा सकती है। एक चुटकी सिंदूर तुम्हारे घर में घुसकर तुम्हें तबाह कर सकती है। एक चुटकी सिंदूर पीओके छीन सकता है। हिंद सेना जिंदाबाद जय हिंद की सेना। बता दें कि पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमला हुआ था। 'ऑपरेशन सिंदूर' को इसके बदले के रूप में देखा जा रहा है। भारतीय सेना ने एयर स्ट्राइक कर पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। इस हमले को 'ऑपरेशन सिंदूर' का नाम दिया गया था। पाकिस्तान और पीओके में स्थित उन आतंकवादी ढांचों को निशाना बनाया गया, जहां से भारत के खिलाफ आतंकी हमलों की योजना बनाई जा रही थी और उन्हें अंजाम दिया जा रहा था। अब पटना में पोस्टर लगाकर देश की सेना पर गर्व किया जा रहा है।

अलीगढ़ में बड़ा हादसा: कैंटर में घुसी पुलिस वैन

एक दरोगा-तीन कांस्टेबल और एक कैदी की मौत, एक पुलिसकर्मी घायल

अलीगढ़, 8 मई (एजेंसियां)। अलीगढ़ के थाना लोधा क्षेत्र के बाईपास हाईवे के चिकावटी मोड़ पर फिरोजाबाद से बुलंदशहर मुलजिम लेकर जा रही पुलिस की वैन आज सुबह 8 ।15 बजे खड़े कैंटर से टकरा गई। हादसे में एक दरोगा, तीन पुलिसकर्मी सहित पांच की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। एक पुलिसकर्मी घायल है। सूचना पर पुलिस अधिकारी, फोर्स व क्रेन के साथ पहुंचे। पुलिस ने घायल सिपाही को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। शवो को पोस्टमार्टम को भेजने के साथ पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है। बताया जा रहा है कि पीछे जा रही बस के चालक ने ऑवरटैक किया तो आगे निकालते समय हाईवे पर खड़े ट्रक में पुलिस वैन घुस गई। जिससे इतना बड़ा हादसा हुआ। प्रत्यक्षदर्शी दुर्गा पाल ने बताया कि वह अपने खेत में चारा काट रहे थे। इसी दौरान जोरदार धमाके की आवाज हुई। तो उन्होंने मौके पर जाकर देखा तो पुलिस की गाड़ी खड़े कैंटर में घुस गई थी। जिसमें सवार पांच पुलिसकर्मी व एक मुलजिम में गंभीर रूप से घायल हो गए। मुलजिम और एक पुलिसकर्मी की मौके पर ही मौत हो गई थी। एसपी सिटी मृगांक शेखर पाठक ने बताया कि जनपद फिरोजाबाद से पुलिसकर्मी सरकारी पुलिस वाहन द्वारा मुजफ्फरनगर निवासी गैंगस्टर के मुलजिम गुलशनवर को पेशी के लिए बुलंदशहर ले जा रहे थे। पुलिस वैन चिकावटी मोड पर खड़े कैंटर से टकरा गई। जिसमें एसआई रामसजीवन, कांस्टेबल बालवीर, रघुवीर ,चालक सिपाही चंद्रपाल व मुलजिम गुलशनवर की मौके पर मौत हो गयी। वहीं घायल सिपाही शेरपाल सिंह को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस 5 शवों को पोस्टमार्टम को भेजने के साथ अग्रिम कार्रवाई में जुटी है।

इंस्टाग्राम पर पाकिस्तान के समर्थन में लिखी ऐसी बात जैद पहुंच गया हवालात

मेरठ, 8 मई (एजेंसियां)। मेरठ के थाना सिविल लाइंस क्षेत्र में पुलिस ने एक युवक को सोशल मीडिया पर पाकिस्तान के समर्थन में आपत्तिजनक पोस्ट करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान ज़ैद नाम के युवक के रूप में हुई है, जो थाना कोतवाली क्षेत्र का रहने वाला है और सिविल लाइंस क्षेत्र स्थित एक मयूर नाम के सैलून में काम करता है। इस पूरे मामले की शुरुआत तब हुई जब स्थानीय सभासद को इंस्टाग्राम पर एक ऐसी पोस्ट की जानकारी मिली जिसमें पाकिस्तान जिंदाबाद, पाकिस्तान सही है... जैसे भड़काऊ नारे और पाकिस्तान के पक्ष में टिप्पणियां की गई थीं। सभासद का कहना है कि यह पोस्ट ज़ैद नाम के युवक द्वारा इंस्टाग्राम पर की गई थी। आरोपी के पाकिस्तान समर्थित कमेंट्स के बाद उस पोस्ट पर पाकिस्तान से भी कई समर्थन में प्रतिक्रियाएं आईं।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद यूपी में रेड अलर्ट

ताज पर बढ़ाई गई सुरक्षा, सीआईएसएफ दिखी मुस्तैद

आगरा, 8 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान से युद्ध की आशंका पर ताजमहल समेत स्मारकों पर भी अलर्ट है। सीआईएसएफ के जवान मुस्तैद हैं। बैरिकेडिंग पर भी सख्ती से जांच की गई। मॉक ड्रिल कर सुरक्षा व्यवस्था भी परखी गई। नवागत अधीक्षण पुरातत्वविद ने ताजमहल और फतेहपुर सीकरी का निरीक्षण किया। ताजमहल की ओर के रास्तों पर सुरक्षा को देखते हुए बैरिकेडिंग पर सख्ती से जांच की गई। लोगों के पहचानपत्र देखे गए, वाहनों की भी जांच की गई। शाम तक सघन जांच अभियान चलता रहा। ताजमहल पर सीआईएसएफ के जवान भी मुस्तैद रहे। अधीक्षण पुरातत्वविद डॉ। स्मिथा एस। कुमार ने ताजमहल का निरीक्षण किया। यहां रॉयल गेट से लेकर पूरा परिसर देखा और सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति देखी। शाम को ताजमहल पर मॉक ड्रिल की। इसमें हमला होने पर पर्यटकों को सुरक्षित स्थान पर लेकर जाने और ताजमहल की सुरक्षा के लिए मुस्तैदी दिखाई।

विदेशी पर्यटकों की हर दो घंटे में प्रशासन को देंगे सूचना

होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश चौहान ने बताया कि प्रशासन के साथ बैठक हुई। इसमें पर्यटकों की सुरक्षा के लिए मॉक ड्रिल के बारे में बताया। विदेशी पर्यटकों की सूचना हर दो घंटे में प्रशासन को देने की कोशिश की जाएगी। सामान्य दिनों में 24 घंटे में सूची दी जाती थी। पाकिस्तानी पर्यटक आने पर भी जानकारी देने को भी कहा है, लेकिन काफी समय से पाकिस्तानी पर्यटक आगरा नहीं आ रहे हैं। आपात स्थिति में जरूरत पर होटल भी प्रशासन को निशुल्क उपलब्ध करा दिए जाएंगे।

पर्यटकों की संख्या आधी से भी हुई कम

भारत-पाकिस्तान में बढ़ते तनाव को देखते हुए ताजमहल देखने आने वाले पर्यटकों पर भी असर पड़ा है। बुधवार को 12245 पर्यटकों ने ताजमहल निहारा। इनमें विदेशी पर्यटकों की संख्या 932 है, अन्य दिनों में इनकी संख्या तीन हजार तक होती है। सामान्य दिनों की बात करें तो औसतन 28 हजार पर्यटक ताजमहल देखने आते हैं।

140 किमी घंटे की रफ्तार, भीषण टक्कर लगते ही फटे एयर बैग, छह की मौत

जालौन, 8 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में दर्दनाक हादसा हुआ है। उरई में हुए हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। एक झपकी काल बन गई। दरअसल, झांसी-कानपुर हाईवे पर हुए हादसे में जान गंवाने वाले डॉ। बृजेश ने ही बंगलुरू तक करीब 2000 किमी का सफर कार से तय करने का प्लान बनाया था। सड़क हादसे में बचे उनके साढ़ू अंकित ने पुलिस को बताया कि बृजेश को बंगलुरू लौटना था। उन्होंने अंकित और उसके परिवार को भी बंगलुरू घूम लेने और फिर कुछ दिन बाद लौट आने की बात कह कर साथ चलने के लिए राजी कर लिया था। इस पर अंकित अपनी पत्नी संगीता, बेटी सिद्धिका, साली विनीता को लेकर बृजेश के परिवार के साथ रवाना हुए थे।

रात 11 बजे ब्रीजा कार से निकले थे। कार को बृजेश चला रहे थे, जबकि आगे अंकित बैठे थे। मानवी और कान्हा पीछे की सीट पर अपनी मां और मौसियों के साथ बैठे थे। एट थाना क्षेत्र के गिरथान के पास कार पहुंचते ही बृजेश को झपकी लगने से हादसा हो गया। अंकित के अनुसार, कार में फंसे होने के कारण वह बाहर नहीं निकल पा रहे थे। वो बच्चों को बचाने की गुहार लगाते रहे। कुछ देर बाद पुलिस ने कटर से काटकर सभी को बाहर निकाला, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। अंकित और कान्हा का कानपुर के रीजेंसी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पाकिस्तान से तनाव के बीच तेज प्रताप ने जताई देश-सेवा की इच्छा, विमान उड़ाने का लाइसेंस दिखाया

पटना, 8 मई (एजेंसियां)। कहा जाता है कि नेताओं के बेटे सीमा पर तनाव के समय देश-सेवा में नहीं जाते। लेकिन, बिहार के भूतपूर्व मुख्यमंत्री और देश के भूतपूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे विधायक तेज प्रताप यादव ने भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच वायु सेना में सेवा देने की इच्छा जताकर सुर्खियां बटोर ली हैं।

चारा घोटाले से लेकर लैंड फॉर जॉब के मामलों के कारण कोर्ट के चक्कर लगाकर स्वास्थ्य आधार पर जमानत लेकर फिलहाल नई दिल्ली एम्स में भर्ती लालू प्रसाद यादव के छोटे बेटे तेजस्वी यादव इस समय बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता हैं और आगामी चुनाव की तैयारियों में जुटे हैं। बड़े बेटे तेज प्रताप यादव बिहार में मंत्री रह चुके हैं और इस समय

समस्तीपुर जिले की हसनपुर सीट से राष्ट्रीय जनता दल के विधायक हैं।

तेज प्रताप ने जो लिखा, पहले वह पढ़ें

राजद विधायक और बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने सोशल मीडिया पोस्ट में पायलट वाली तस्वीरों के साथ लाइसेंस का फोटो डालकर लिखा- पायलट की ट्रेनिंग अगर देश के काम आ सकती है तो, मैं तेज प्रताप यादव हर समय देश की सेवा के लिए तत्पर हूँ। आपके जानकारी के लिए बता दू की मैने भी पायलट की ट्रेनिंग ले रखी है और देश के लिए मेरी जान भी चली जाए तो अपने आपको भाग्यशाली समझुगा।

तेज प्रताप के पोस्ट पर प्रतिक्रिया भी तेज आ रही

तेज प्रताप के समर्थकों के साथ भारी तादाद में आम सोशल मीडिया यूजर्स ने भी जहां देश-सेवा की उनकी भावना का स्वागत किया है, वहीं दूसरी ओर नकारात्मक प्रतिक्रियाओं की भी बाढ़ आई हुई है। कोई उनकी इस काबिलियत को जुगाड़ बता रहा है तो कोई उनके पिता की चर्चा करते हुए घोटाले की बात कह रहा है। हालांकि, तेज प्रताप यादव ने यह प्रस्ताव देकर नई लकीर जरूर खींच दी है। पहलगाम में आतंकी हमले में 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक की मौत के बाद 7 मई को भारत ने पाकिस्तान के 100 किलोमीटर अंदर घुसकर आतंकवादियों के नौ ठिकानों को मिसाइलों से तबाह कर दिया। इस ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान की ओर से भारत में जहां-तहां आम नागरिकों को निशाना बनाए जाने की खबरें आ रही हैं। ऐसे में तेज प्रताप यादव का यह प्रस्ताव निश्चित रूप से चर्चा में है।

हमने सिर्फ आतंकी ढांचे पर हमला किया

ऑपरेशन सिंदूर के बाद कांग्रेस सांसद इमरान मसूद का बयान वायरल

लखनऊ, 8 मई (एजेंसियां)। भारतीय सेना ने 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेते हुए सख्त जवाबी कार्रवाई में मंगलवार देर रात पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए। इनमें आतंकवादी समूहों लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के गढ़ भी शामिल हैं। सेना के इस कार्रवाई के बाद से प्रतिक्रियाओं का दौर शामिल है। इसी कड़ी में सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद का एक बयान सोशल मीडिया पर वायरल है। ऑपरेशन सिंदूर पर उन्होंने कहा, हमारी कार्रवाई सटीक निशाना साधकर की गई है। हमने सिर्फ आतंकी ढांचे पर हमला किया है, नागरिकों को निशाना नहीं बनाया गया है। आतंकी मसूद अजहर को परिवार के सदस्यों की मौत का दर्द समझ में आएगा। पाकिस्तान कायर देश है। वह पीछे से हमला करता है। यह तो बस शुरुआत है। हमें आतंकवाद की जड़ों को खत्म करना है।

मालेगांव ब्लास्ट का फैसला 31 जुलाई तक टला

एनआईए की स्पेशल कोर्ट ने मुंबई हाईकोर्ट से मांगा समय, साध्वी प्रज्ञा बोलीं-सत्यमेव जयते

भोपाल, 8 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मालेगांव ब्लास्ट मामले में फैसला टल गया है। गुरुवार को एनआईए की स्पेशल कोर्ट ने मुंबई हाईकोर्ट से दोषियों को सजा सुनाने के लिए 31 जुलाई तक का समय मांगा है। माना जा रहा है कि अब एनआईए कोर्ट 31 जुलाई को फैसला सुनाएगा। इससे पहले गुरुवार सुबह मामले में साध्वी प्रज्ञा सिंह समेत सभी आरोपी और पीड़ित कोर्ट पहुंचे। केस की मुख्य आरोपी भोपाल की पूर्व सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर हैं। साध्वी के अलावा लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित समेत कुल 12 आरोपी हैं, जिन पर आतंकी साजिश, हत्या, धार्मिक उन्माद फैलाने के आरोप हैं। 29 सितंबर 2008 को मालेगांव में ब्लास्ट हुआ था। इसमें 6 लोगों की मौत हो गई थी और 101 घायल हुए थे। शुरुआत में मामले की जांच महाराष्ट्र एटीएस ने की थी। साल 2011 में केस नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) को सौंप दिया गया।

एनआईए ने प्रज्ञा सिंह समेत केस के आरोपियों को क्लीनचिट दे दी थी, लेकिन कोर्ट ने कहा कि आरोपियों को मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। अप्रैल 2025 में एनआईए ने यू-टर्न लेते हुए मुंबई की स्पेशल कोर्ट में याचिका दायर करते हुए कहा कि आरोपियों को बेकसूर मानने की बात गलत है, उन्हें कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

साध्वी ने कहा- सत्यमेव जयते पर मेरा विश्वास

एनआईए कोर्ट पहुंची प्रज्ञा ठाकुर ने कहा- आज डिसीजन होना था, ऐसा नहीं है। जज साहब ने तारीख दी थी। अगली तारीख में डिसीजन होगा, ये तय है। जज साहब ने कहा कि इसमें एक लाख से अधिक पेज हैं। बड़ा केस है। इसमें समय लगता है। किसी के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। सबको न्याय मिले। अगली तारीख 31 जुलाई दी है। इसमें सभी को उपस्थित होना चाहिए। ठाकुर ने कहा- सत्यमेव जयते पर मेरा पूर्ण विश्वास है। जिस व्यक्ति पर आरोप लगता है या तो वो जानता है या ईश्वर जानता है। सरकारी पक्ष की ओर से कैपिटल पनिसमेंट की मांग के सवाल पर प्रज्ञा ने कहा- एटीएस चाहती तो मेरी मुंडी उसी दिन मरोड़ देती। उनकी इतनी दुश्मनी है। पता नहीं क्यों है? मैं विधर्मियों के लिए उनकी दुश्मन हूं और हमेशा रहूंगी। जो देशविरोधी हैं। देश के गद्दार हैं, उनकी मैं दुश्मन हूं।

वकील बोले- 31 जुलाई को पता चल जाएगा कि कैसे फंसाया गया

साध्वी प्रज्ञा सिंह के वकील जेपी मिश्रा ने बताया- 19 अप्रैल को केस आर्गुमेंट से क्लोज हुआ। कोर्ट ने आज 8 मई को केवल सभी आरोपियों को हाजिर रहने के लिए कहा था। सभी ने हाजिरी लगाई। दीदी (प्रज्ञा) भी मौजूद रहीं। अब 31 जुलाई को जजमेंट आएगा। कोई सबूत हो या न हो, जो प्रॉसिक्यूट करता है, वह कहता है कि सबको सजा दो। हम कहते हैं, सबको छोड़ दो। कोर्ट सबूतों के आधार पर डिसाइड करता है कि छोड़ना है या सजा देना है। उन्होंने कहीं नहीं कहा कि कैपिटल पनिशमेंट दो। फांसी दो, कहीं नहीं है। 31 जुलाई को जजमेंट आएगा तो दुनिया को मालूम पड़ जाएगा कि कौन निर्दोष है और आरोपियों को कैसे फंसाया गया। मिश्रा ने कहा- केस में 17 साल लगे, इसके लिए हम लोग जिम्मेदार नहीं हैं, प्रॉसिक्यूशन जिम्मेदार है। झूठा मकोका लगाया। सुप्रीम कोर्ट ने मकोका कैंसिल किया। इसमें 8 साल लग गए। नौ-नौ साल तक लोगों को जेल में रखा गया। ये उस समय के एटीएस की बदमाशी थी, नहीं तो इतना समय नहीं लगता।

323 गवाहों में से 32 ने बदल दिए थे बयान

नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने अदालत से आरोपियों के साथ किसी भी तरह की नरमी न बरतने का आग्रह किया था। हालांकि, सुनवाई के दौरान 323 गवाहों में से 32 ने अपने बयान वापस ले लिए थे।

साध्वी प्रज्ञा ठाकुर के नाम से रजिस्टर्ड थी बाइक

जांच में ये पता चला कि जिस बाइक में विस्फोटक लगाकर ब्लास्ट किया गया था वो साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर के नाम है। घटना के 22 दिन बाद 23 अक्टूबर 2008 को मुंबई से साध्वी प्रज्ञासिंह को दो अन्य आरोपी शिवनारायण कलसांगरा और श्याम साहू के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद संदीप डांगे और प्रवीण मुतालिक के बारे में भी पता चला। रामचंद्र कलसांगरा, संदीप, प्रवीण ने बाइक में एक्सप्लोसिव डिवाइस लगाकर उसे प्लांट किया था। इसके बाद पुलिस ने एक एक कर 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिसमें साध्वी प्रज्ञा सिंह को मुख्य आरोपी माना गया।

डेढ़ लाख में बिकी महिला से शादी के बाद जबरन रेप, 4 गिरफ्तार

शहडोल, 8 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के शहडोल जिले से मानवता को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने 40 साल की महिला को पहले अपने जाल में फंसाया फिर उसे 1.40 लाख रुपये में बेचकर उसकी शादी करा दी। जैसे-तैसे महिला के हाथ एक मोबाइल लगा, जिसकी मदद से उसने अपनी बहन को इसकी जानकारी दी। बहन ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। शिकायत मिलते ही शहडोल पुलिस एक्टिव हो गई और महिला की तलाश शुरू की। पुलिस ने महिला को राजस्थान के गोविंदपुरा गांव से बरामद किया। इसके साथ पुलिस ने मानव तस्करी के मामले में राजस्थान से 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही 4 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह मामला शहडोल जिले के सीधी थाना क्षेत्र के ग्राम बरही कछार का है। यहां सीधी थाने में 29 मार्च को प्रेमिया लोहार की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई गई। इस बीच पीड़ित महिला ने अपनी बहन को फोन किया और स्थिति के बारे में बताया। इसके बाद पुलिस जांच में पता चला कि महिला राजस्थान के झालावाड़ जिले के पीडावा थाना के गोविंदपुरा गांव में है। शहडोल पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए महिला को गोविंदपुरा गांव से बरामद किया। पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि डग थाना के हरनावदा गांव के रहने वाले आरोपी गोकुल सिंह ने महिला को 2 मार्च को उज्जैन बुलाया और अगले दिन अपने साथी जगदीश लाल के साथ मिलकर राजस्थान ले गया। यहां उसने महिला को जगदीश मेघवाल नाम के एक व्यक्ति को 1.40 लाख रुपये में बेच दिया।

ऑपरेशन सिंदूर पर दिल्ली जामा मस्जिद के शाही इमाम और अहमद बुखारी के बेटे शाबान बुखारी का बड़ा बयान

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। भारतीय सेना की ओर से 6-7 मई की रात पाकिस्तान के खिलाफ किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पूरे देश में एक राहत और गर्व की लहर दौड़ गई है। पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेना की ओर से की गई इस जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान स्थित 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया गया। इस कार्रवाई लेकर दिल्ली की जामा मस्जिद के शाही इमाम और सैयद अहमद बुखारी के बेटे शाबान बुखारी का भी बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक तस्वीर साझा की, जिसमें लिखा था, "घुस के मारा, सबक सिखाया, आतंकियों को मिट्टी में मिलाया और ये तो सिर्फ एक झलक थी। जय हिंद।" इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, "ये सिर्फ जवाब नहीं था, दुश्मन के लिए मिसाल थी। हिंदुस्तान जब चाहता है, मिट्टी में मिला देता है।" इसके अलावा शाबान बुखारी ने ऑपरेशन सिंदूर का एक वीडियो भी अपने इंस्टाग्राम पर साझा किया, जिसमें भारतीय सैनिकों की साहसिक कार्रवाई को दिखाया गया है। इस वीडियो को साझा करते हुए उन्होंने लिखा, "ऑपरेशन सिंदूर, फौजी का जज्बा, हुकूमत का फैसला, दुश्मन के लिए कयामत।" इससे पहले अहमद बुखारी ने भी इस कार्रवाई की खुलकर सराहना की है। उन्होंने कहा, "22 अप्रैल को फलगाम में हुए हमले के बाद से ही देश में आक्रोश था। ऐसे समय में सेना ने आतंकियों के घर में घुसकर ठिकानों को तबाह किया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पूरे देश ने चैन की सांस ली है।" पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी अहमद बुखारी की प्रतिक्रिया आई थी। उन्होंने हमले की निंदा करते हुए सरकार से कार्रवाई की मांग की थी।

बेंगलुरु में एमबीए, केरल से एलटी की पढ़ाई, कश्मीर में खोला लैब

पहलगाम हमले का मास्टर माइंड कैसे बना आतंकी?

बेंगलुरु, 8 मई (एजेंसियां)। जांच एजेंसियों ने शेख सज्जाद गुल की पहचान जम्मू और पहलगाम आतंकी हमले के मास्टरमाइंड के रूप में की है। इस आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे। घटना के तुरंत बाद भारतीय जांच एजेंसियों ने शक जताया कि जिस संगठन से शेख सज्जाद गुल जुड़ा था, वह आतंकवादी हमले के पीछे था। 50 वर्षीय कश्मीरी मूल का गुल, द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) का प्रमुख है, जिसे लश्कर-ए-तैयबा का समर्थन मिला हुआ है। जांच एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, शेख सज्जाद गुल ने केरल में भी पढ़ाई की है। आतंकवादी घोषित किये गये शेख सज्जाद गुल के बारे में सूचना देने वाले को 10 लाख रुपये का इनाम देने की भी घोषणा की गयी है।जानकारी के मुताबिक, शेख सज्जाद गुल ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा श्रीनगर में प्राप्त की। यहां से वे बेंगलुरु में एमबीए की पढ़ाई करने और बाद वह केरल में लैब टेक्नीशियन कोर्स की पढ़ाई करने आया। शेख सज्जाद गुल एक कोर्स की पढ़ाई करने के बाद कश्मीर आया और एक लैब शुरू की। बाद में, उसने आतंकवादियों को आवश्यक सहायता प्रदान की। इसी बीच उसे दिल्ली के निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से 5 किलो आरडीएक्स के साथ पकड़ा गया था। वह वहां विस्फोट करने के इरादे से पहुंचा था। इस मामले में गुल को दस साल तक जेल में रहना पड़ा।

वायु प्रदूषण से निपटने के लिए होगी वैज्ञानिक तकनीक से बारिश, दिल्ली सरकार ने बनाया है खास प्लान

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली में अब वैज्ञानिक तकनीक से बारिश कराई जाएगी। दिल्ली कैबिनेट ने इसपर बड़ा फैसला लिया है। सीएम रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई बैठक में दिल्ली कैबिनेट ने दिल्ली-एनसीआर के लिए 'क्लाउड-सीडिंग ट्रायल और मूल्यांकन' प्रस्ताव के लिए मंजूरी दी है। इस परियोजना के जरिए राजधानी में बढ़ते वायु प्रदूषण और कम बारिश से प्रभावी ढंग से निपटना आसान होगा। इस प्रोजेक्ट को आईआईटी कानपुर के दिशा निर्देश पर चलाया जाएगा, जो पूरे प्रोजेक्ट की योजना, एयरक्राफ्ट की तैनाती, केमिकल के छिड़काव, वैज्ञानिक मॉडलिंग और ट्रायल्स की निगरानी करेंगे। दिल्ली सरकार इस ट्रायल के लिए आईआईटी कानपुर को फंड जारी करेगी। हरएक क्लाउड-सीडिंग ट्रायल की लागत करीब 55 लाख होगी। पांच ट्रायल्स के लिए कुल अनुमानित खर्च 2 ।75 करोड़ है। इसके अलावा, एक बार में एयरक्राफ्ट की कैलिब्रेशन, केमिकल स्टोरेज और लॉजिस्टिक के लिए 66 लाख खर्च होगा। इस तरह प्रोजेक्ट की कुल लागत 3 ।21 करोड़ होगी। दिल्ली के बाहरी इलाकों में क्लाउड सीडिंग का पहला ट्रायल इसी महीने के अंत तक होगा। करीब 100 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में ट्रायल कराने की तैयारी है। इस चरण में कुल पांच ट्रायल प्रस्तावित हैं। ट्रायल के बाद वैज्ञानिक आधार पर इसका मूल्यांकन किया जाएगा कि क्लाउड-सीडिंग वायु गुणवत्ता और वर्षा पर कितना प्रभाव डालती है।

इसके लिए 13 विभागों से लेनी होगी एनओसी

पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि यह प्रस्ताव सीएम रेखा गुप्ता की अध्यक्षता वाली कैबिनेट में पास हो चुका है। हम जल्द से जल्द ट्रायल शुरू करना चाहते हैं। लेकिन प्रोजेक्ट के संचालन से पहले सरकार को 13 अहम विभागों और एजेंसियों से अनापत्ति प्रमाणपत्र लेने होंगे। इनमें नागरिक उड्डयन महानिदेशालय, रक्षा मंत्रालय, गृह मंत्रालय, पर्यावरण मंत्रालय, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया और अन्य विभाग शामिल हैं।

फतेहाबाद पुलिस की कार्रवाई

करोड़ों की धोखाधड़ी के मास्टर माइंड को किया काबू 2934 लोगों की आईडी लगाकर ठगे 80 करोड़

फतेहाबाद, 8 मई (एजेंसियां)। आर्थिक अपराध शाखा फतेहाबाद ने रतिया के बहुचर्चित करोड़ों रुपये के धोखाधड़ी के मामले में मुख्य मास्टरमाइंड आरोपी को काबू करने में सफलता हासिल की है। पकड़े गए आरोपी की पहचान डा। सुखदेव सिंह पुत्र शीशपाल वासी सहनाल के रूप में हुई है। आरोपी को आज कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। प्रेस कान्फ्रेंस कर जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने बताया कि पुलिस ने इस बारे में 16 अप्रैल को सहनाल निवासी अमरीक सिंह की शिकायत पर केस दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता के अनुसार गांव सहनाल के ही डा। सुखदेव सिंह ने अपने पिता के नाम से शीशपाल फ्रंट लाइन कंसल्टेंसी एंड सर्विसेज प्रा। लि। के नाम से कम्पनी बना रखी है और एक महीने में लोगों को दोगुना रुपये करने का लालच देकर धोखाधड़ी कर लोगों के पैसे लगवारहा है। पुलिस को शिकायत मिलते ही तुरंत कार्यवाही करते हुए अभियोग 67 दिनांक 16 अप्रैल2025 को धारा 318(4), 316(2), 351(2)(3),61(2), 249 बीएनएस व 4,5,6 पीसीएमसीएस एक्ट केतहत थाना सदर रतिया में अंकित कर दिनांक 5 मई 2025 को आरोपी बलिन्दर कुमार उर्फ बिन्नु पुत्र अजयब सिंह व जसवंत सिंह उर्फ शीरा पुत्र बलदेव सिंह निवासी सहनाल को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। उन्होंने बताया कि आर्थिक अपराध शाखा की पुलिस टीम ने इस मामले में मुख्य मास्टरमाइंड डा। सुखदेव सिंह को काबू करने में सफलता हासिल की है। आरोपी ने पूछताछ के दौरान कबूल किया कि उसने यह कम्पनी लोगों को पैसे दोगुने का लालच देकर फ्रॉड किया है और उसने अपनी कम्पनी में करीब 2934 लोगों की आईडी लगाकर करीब 80 करोड़ रुपये का फ्रॉड कर पैसे कमाए है। आरोपी एक आईडी लगाने के 5 हजार से 1 लाख रुपये लेता था। आरोपी को आज कोर्ट मे पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। रिमांड के दौरान धोखाधड़ी से कमाए पैसे के बारे पता किया जाएगा तथा अन्य संलिप्त आरोपियों की भी तलाश की जाएगी।

तीर्थ गोपीकॉन पर 184 करोड़ की फर्जी बैंक गारंटी मामला:हाईकोर्ट ने दिए सीबीआई जांच के आदेश, स्मार्ट सिटी के काम कर रही कंपनी

इंदौर, 8 मई (एजेंसियां)। इंदौर में स्मार्ट सिटी के कई प्रोजेक्ट पर एक साथ काम कर रही अहमदाबाद की कंपनी तीर्थ गोपीकॉन के खिलाफ हाई कोर्ट ने सीबीआई जांच के आदेश दिए हैं। मामला जल निगम में 184 करोड़ रुपए की फर्जी बैंक गारंटी देकर टेंडर लेने से जुड़ा है। मप्र हाईकोर्ट की जबलपुर खंडपीठ ने इस मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि सीबीआई जांच में यह तय हो जाएगा कि कंपनी दोषी है या खुद ठगी की शिकार हुई है। इस संबंध में हाई कोर्ट ने 30 जून तक जांच रिपोर्ट मांगी है। मप्र में पानी के अलग-अलग प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए जल निगम द्वारा जारी टेंडर के लिए कंपनी से 184 करोड़ की ई-बैंक गारंटी मांगी थी। बैंक गारंटी मिलने के बाद जल निगम ने आपत्ति ले कर कंपनी को नोटिस दिया था।

'आतंकी मसूद अजहर की चीख-पुकार आई सामने

वह कहता पाया गया कि वह एक धमकी भरा प्रेस रिलीज जारी करेगा', ऑपरेशन सिंदूर पर संजय सिंह का बड़ा बयान

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन के दौरान सेना ने पाकिस्तान में मौजूद 9 आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाते हुए जबरदस्त हमला किया और पूरा देश हमारी सेना के साथ है।

मसूद अजहर की चीख-पुकार सामने आई- संजय सिंह

संजय सिंह ने कहा, "हमें भारतीय सेना की ओर से की गई कार्रवाई की जानकारी सर्वदलीय बैठक में दी जाएगी, जिस तरह से ऑपरेशन सिंदूर के तहत कल नौ आतंकवादी अड्डों पर हमला किया गया, उसके बाद मसूद अजहर की चीख-पुकार सामने आई। वह कहता पाया गया कि वह एक धमकी भरा प्रेस रिलीज जारी करेगा। इससे साफ पता चलता है कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान में पनप रहे आतंकवादी संगठनों को एक बड़ा सबक सिखाया है।" उन्होंने कहा, मुझे लगता है ये ज्यादा बात करने का समय नहीं है, ये समय आतंकवाद के सफाया करने का और पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने का है। जिस तरह से पाकिस्तान के तरफ से पूंछ और गुरुद्वारे में हमला किया जा रहा है तो अभी और जवाबी कार्रवाई करने की जरूरत है। उन्होंने भारतीय जवान दिनेश शर्मा की शहादत को भी याद किया और कहा, हमारे हरियाणा के एक जवान भी शहीद हुए हैं। मैं सिर झुकाकर उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हूं। उन्होंने देश की रक्षा के लिए अपनी जान कुर्बान की है। उनका बलिदान कभी व्यर्थ नहीं जाएगा। संजय सिंह ने यह भी कहा कि भारत की सरकार और सेना पाकिस्तान के ऐसे कायराना हरकतों का मुंहतोड़ जवाब देने में पूरी तरह सक्षम हैं। उन्होंने कहा, "भारत सरकार और हमारी सेना में वह ताकत है कि वे पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवाद का सख्ती से जवाब दे सकते हैं। ऑपरेशन सिंदूर इसकी जीती-जागती मिसाल है।"

बौखलाया पाकिस्तान एलओसी पर 14 दिनों से तोड़ रहा सीजफायर; अब तक 13 नागरिकों की मौत; 59 घायल

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। भारत की जवाबी कार्रवाई से पाकिस्तान की बौखलाहट साफ नजर आ रही है। पाकिस्तान एलओसी से लगातार आम नागरिकों को निशाना बनाकर फायरिंग कर रहा है। गुरुवार को उसने 14वें दिन सीजफायर का उल्लंघन किया है। जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर हुई गोलीबारी में 13 नागरिकों की मौत हो गई और कुल 59 लोग घायल हुए हैं। यह जानकारी विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को दी। मंत्रालय ने बताया कि कुल घायलों में से 44 पुंछ के हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाक की गोलीबारी हुई तेज

सैन्य अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी सेना नियंत्रण रेखा के पास कई सेक्टरों में भारी गोलीबारी कर रही है, जिसका भारतीय सेना मजबूती से जवाब दे रही है। उन्होंने कहा कि 7 और 8 मई की मध्य रात्रि में पाकिस्तान सेना की चौकियों ने जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामूला, उरी और अखनूर क्षेत्र में नियंत्रण रेखा के पार छोटे हथियारों और तोपों से फायरिंग की। दरअसल, भारतीय सेना ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाबी कार्रवाई में ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों पर हमला किया। वहीं कई दिनों से पाकिस्तान लगातार सीजफायर का उल्लंघन कर रहा था। भारत की कार्रवाई के बाद से पाकिस्तान ने एलओसी पर हमला तेज कर दिया है।

सीमावर्ती इलाकों में दहशत का माहौल

बढ़ते तनाव को देखते हुए स्थानियों को बंकरों में शरण लेना पड़ा। गोलीबारी की वजह से सीमावर्ती निवासियों में दहशत का माहौल है। अधिकारियों ने आदेश दिया है कि जम्मू क्षेत्र के पांच सीमावर्ती जिलों में सभी शैक्षणिक संस्थान गुरुवार को दूसरे दिन भी बंद रहेंगे।

ऑपरेशन सिंदूर, एक नजर

गौरतलब है कि 6 से 7 मई की दरमियानी रात को 1:05 बजे से लेकर 1:30 बजे तक सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। 25 मिनट के इस ऑपरेशन में 24 मिसाइलों के जरिए नौ आतंकी शिविरों को ध्वस्त कर दिया गया। इन नौ ठिकानों में से पांच पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में थे, वहीं चार पाकिस्तान में थे। इन ठिकानों में आतंकियों को भर्ती किया जाता था। उन्हें प्रशिक्षित किया जाता था। इतना ही नहीं भारतीय सेना के इस कार्रवाई में आतंकी मसूद अजहर के परिवार के दस लोगों की मौत हो गई।

पड़ोसी ने बनाए संबंध, पांच साल तक करता रहा ब्लैकमेल

उज्जैन, 8 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के उज्जैन में एक शख्स ने डरा-धमकाकर अपनी पड़ोसन से संबंध बनाए. उसके अश्लील फोटो खींच पांच साल तक लाखों रुपये ऐंठ लिए. जब हद पार हो गई तो महिला ने पड़ोसी के खिलाफ केस दर्ज करवाया. महिला का आरोप है कि जब भी वो पड़ोसी को पैसा देने से इनकार करती तो वो उसके घर के बाहर अश्लील फोटो फेंक जाता. मामला नागदा थानाक्षेत्र का है. पुलिस ने बताया- नागदा थाना क्षेत्र में रहने वाली एक महिला को घर के पास रहने वाला जितेंद्र बैरागी नामक व्यक्ति कई वर्षों से परेशान कर रहा था. जितेंद्र ने पांच साल पहले खाचरोद रोड पर महिला को बहला-फुसलाकर नशे की हालत में अनैतिक कार्य किया था और उसके कुछ फोटो और वीडियो बनाए थे. बस इसके बाद से ही जितेंद्र महिला को लगातार ब्लैकमेल कर पैसे वसूलता था.

ऑपरेशन सिंदूर के बाद अब बाढ़ में डूबेगा पाक! चिनाब नदी पर बगलिहार डैम के गेट खोले गए

जम्मू, 8 मई (एजेंसियां)। एलओसी पर नागरिक ठिकानों को निशाना बना रहे पाकिस्तान को बिना गोले दागे सबक सिखाने के लिए भारत ने एक बार फिर चिनाब का सहारा लिया है। बगलियार और सलाल बांध के जलप्रवाह द्वारा गुरूवार को खोल दिएगए, जिससे पाकिस्तान के विभिन्न क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई। उसके सीमावर्ती इलाकों में उसकी सैन्यगतिविधियां भी इससे प्रभावित हुई हैं । बीते पांच दिनों में यह दूसरा अवसर है,जब भारत ने उस पर वाटर स्ट्राइक की है। इससे पूर्व रविवार को भारत सरकार ने चिनाब का जल प्रवाह रोक दिया था , जिससे पाकिस्तान में सूखे की स्थिति पैदा होने के साथ ही उसकी विभिन्न जल विद्युत परियोजनाएं बंद हो गई थी। अलबत्ता, अगले दिन सोमवार को भारत ने पानी छोड़ दिया था। उल्लेखनीय है कि आप्रेशन सिंदूर से हताश हुए पाकिस्तान ने मंगलवार की रात से भारत के सीमांत इलाकों में गोलाबारी शुरू कर रखी है। इसमें एक सैन्यकर्मी के वीरगति को प्राप्त होने के अलावा 14 नागरिक की जान चली गई है। लगभग 100 के करीब नागरिक जख्मी हुए हैं। संबधित सूत्रों ने बताया कि बीती रात डोडा-किश्तवाड़, रियासी में खूब बारिश हुई है। इसे देखते हुए बगलियार और सलाल बांध में जलप्रवाह को रोकने और उसे बहाल रखने के लिए बनाए गए दो अतिरिक्त गेट खोल दिए गए हैं।इससे रियासी के नीचे अखनूर में जलस्तर बढ़ते हुए 20 फुट से ऊपर चला गया है। इससे अखनूर के नीचे पाकिस्तान के इलाकों में भी बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई है। हालांकि पुष्टि नहीं हुई है,लेकिन संबधित सूत्रों ने बताया कि गढ़खाल और परगवाल सेक्टर के पार कुछ पाकिस्तानी मोर्चे जोकि चिनाब के जल बिखराव क्षेत्र में हैं, पानी भर गया है। सूत्रों की मानें तो सिंधु जल समझौते के तहत चिनाब का जलप्रवाह रोकने या चिनाब पर बने बांधों से अचानक पानी छोड़ने से पहले पाकिस्तान को सूचित किया जाता था। अब यह संधि स्थगित कर दी गई है ,इसलिए अब उसे सूचित नहीं किया जा रहा है और भारत जब चाहे पाकिस्तान में सूखे और बाढ़ की स्थिति पैदा कर सकता है।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 9 मई - 2025

नापाक आतंकी कैंप तबाह

पाकिस्तान ने भारत के धैर्य का शायद कमजोरी समझ रखा था। इसलिए बार- बार चेतावनी के बाद भी उसके नापाक हरकतें बढ़ती ही जा रही थी। हद तो तब हो गई जब उसने अपने गुर्गों के जरिए कश्मीर के पहलगाम में 26 पर्यटकों को मौत के घाट उतार दिया। पाक के इस कृत्य से सिर्फ प्रभावित परिवार ही नहीं बल्कि पूरा देश उबल पडा। सबने एक स्वर से मांग की कि अब बहुत हो चुका, पाकिस्तान को तो सबक सिखाना ही होगा। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिये पाकिस्तान में फल-फूल रहे आतंकवाद को सधा और करारा जवाब देकर उसकी कमर तोड दी है। भारतीय कार्रवाई को बेहद सटीक, संतुलित और गैर-उकसावे वाली मानी जा रही है। इसमें भारतीय फौज ने सिर्फ आतंकी ठिकानों को टारगेट किया। इस ऑपरेशन के जरिये भारत ने फिर यह संदेश दिया है कि यह बुद्ध का देश है जो युद्ध नहीं चाहता, लेकिन अगर कोई उसकी तरफ आंख उठाकर देखेगा तो उसे रौंदने से भी भारत हिचकेगा नहीं। भारतीय सेना ने पाक अधिकृत कश्मीर और पाकिस्तान में कुल नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। इन जगहों का इस्तेमाल लश्कर-ए-तैयबा और दूसरे आतंकी संगठन प्रशिक्षण के लिए प्रयोग कर रहे थे। जितने भी आतंकियों ने भारत के खिलाफ कायराना वारदातों को अंजाम दिया है उन सबकी ट्रेनिंग यहीं पर दी गई थी। हालांकि पाकिस्तान को बार-बार इनके बारे में जानकारी दी जाती रही है, लेकिन वह कोई कदम उठाने के बजाय इनकी मौजूदगी को ही नकारता रहा। उसने अंतरराष्ट्रीय समुदाय की अपीलों पर भी ध्यान नहीं दिया बल्कि अब तो यह भी साफ है कि भारत पर और हमले करने की साजिश रची जा रही थी। 2016 और 2019 में भी भारतीय फौज ने आतंकवादी हमलों के जवाब में क्रमशः सर्जिकल स्ट्राइक और टेरर लॉन्च पैड को निशाना बनाया था। ऑपरेशन सिंदूर 2019 की कार्रवाई से कहीं बड़ी मानी जा रही है। इसमें बड़े इलाके में फैले आतंकी इन्फ्रा को टारगेट किया गया, जो अंतरराष्ट्रीय सीमा से करीब 100 किलोमीटर अंदर थे। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के आरोपियों का मकसद भारत में सांप्रदायिक तनाव फैलाना था। इसे लेकर कश्मीर सहित देश भर में आक्रोश फैल गया था और भारत की तरफ से जवाब भी लाजिमी था। दरअसल, पड़ोसी देश की दिलचस्पी इन आतंकवादियों को सजा दिलाने में भारत की मदद करने की कर्त नहीं थी। हकीकत में बरसों से वह आतंक को प्रश्रय देता आया है और उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई की शह पर भारत में कई आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दिया गया। ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारतीय सेना ने हर लक्ष्य का चयन विश्वसनीय इंटेलिजेंस सूचनाओं के आधार पर किया। पहलगाम घटना के 15 दिनों बाद जवाब दिया गया यानी पाकिस्तान को अपनी गलती सुधारने और अपनी जमीन पर पल रहे आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई का पूरा मौका दिया गया। पाकिस्तान ने भारतीय कार्रवाई को एक्ट ऑफ वॉर बताया है और कहा है कि उसे जवाब देने का अधिकार है। उसकी तरफ से झूठे प्रचार का युद्ध शुरू हो चुका है। उसकी मंशा संघर्ष बढ़ाने वाली लगती है। लेकिन पाकिस्तान का हित इसी में है कि वह भारत के साथ पंगा न ले। अततः भारत ने भी यही संकेत दिया है कि यदि पाकिस्तान आगे पंगा नहीं लेना चाहता है तो भारत को भी कोई एतराज नहीं है।

'ऑपरेशन सिंदूर' के प्रतिरक्षात्मक मायने समझ पाएंगे 'आतंकी '

कमलेश पांडेय

पहलगाम 'सांप्रदायिक' आतंकी हमले के बाद भारत ने अपने पड़ोसी शत्रु देश पाकिस्तान के ऊपर आरोप लगाते हुए वहां स्थित 9 आतंकी ठिकानों पर अपने इंडियन आर्मी के तीनों धड़ों के एक संयुक्त अभियान के मार्फ़त जो ताबड़तोड़ एयर स्ट्राइक किए हैं, वह भारतीय स्वाभिमान की रक्षा की दिशा में उठाया हुआ एक उचित कदम है। उम्मीद है कि मोदी सरकार अब इस सिलसिले को थमने नहीं देगी, खासकर तब तक जब तक कि आतंकियों का समूल रूप से नाश नहीं हो जाए। यह ठीक है कि इस हमले में भी दर्जनों आतंकी मारे गए हैं और आतंकी सरगना हाफिज सईद के परिजन भी थोक भाव में मारे गए हैं। यह सुकून की बात इसलिए है कि इस आतताई को जैसी करनी वैसा फल मिल गया है। जो कोर कसर बच गई है, वो भी जल्दी पूरी हो जाएगी। वहीं, एक भरोसेमंद अधिकारी ने बताया है कि पीएम आवास से पीएम मोदी पूरा ऑपरेशन देख रहे थे। ऑपरेशन सिंदूर पर पीएम मोदी की नजर थी जबकि, एहतियाती तौर पर भारत सरकार अपने देश को इंडियन एयरफोर्स के सहारे हाई अलर्ट मोड पर रखे हुए है ताकि पाकिस्तान के किसी भी दुस्साहस का जवाब दिया जा सके। हमारा स्पष्ट मानना है कि भारत के इस पलटवार के प्रतिरक्षात्मक मायने को न केवल पाकिस्तान, पूर्वी पाकिस्तान यानी बंगलादेश और चीन को समझना चाहिए बल्कि वर्ल्ड इस्लामिक काउंसिल (ओआईसी) और उनके आका पश्चिमी देशों को भी यह समझना चाहिए कि भारतीय जनभावनाओं की शांति के लिए ऐसा निर्णायक कदम उठाना भारत सरकार के लिए कितना जरूरी था। ......और हां, इंडियन आर्मी या एयरफोर्स या नेवी ने या फिर उनकी संयुक्त कमान ने पाकिस्तान की सरजमीं पर घुसकर ऐसा निर्णायक प्रहार कोई पहली बार नहीं किया है, बल्कि उरी आतंकी हमले और पुलवामा आतंकी हमले के बाद भी भारतीय सेनाएं ऐसा कर चुकी हैं। इससे उम्मीद बंधती है कि भारतीय सेना उचित समय पर पाकिस्तान का सही इलाज करना जानती है और उसकी राह में कोई भी अंतरराष्ट्रीय दबाव काम नहीं आता है। इस बार भी लगभग यही नजर आया। ताजा सैन्य कार्रवाई की खास बात यह है कि भारतीय सेना ने सिर्फ पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाया है और वहां के किसी भी सरकारी बिल्डिंग या फिर पाकिस्तान के किसी नागरिक को निशाना नहीं बनाया गया है, जो भारत की शांतिप्रियता और आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहिष्णुता की नीति को दर्शाता है। चूंकि भारत ने एक बार फिर से पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों पर जोरदार एयर और मिलिट्री स्ट्राइक की है जिसे 'ऑपरेशन सिंदूर' का नाम दिया गया है। लिहाजा इसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक मायने भी स्पष्ट हैं। बता दें कि भारतीय संस्कृति में सिंदूर का विशेष महत्व है और इसकी लाज रखने के लिए भारतीय शूरवीरों और उनकी पटरानियों ने या फिर आम आदमी ने भी एक बार नहीं बल्कि बार-बार निर्णायक कदम उठाए हैं जिनका पूरा वृत्तांत हमारी लोकगाथाओं में दर्ज है। समझा जाता है कि भारत सरकार ने उनसे प्रेरणा ली और करारा कार्रवाई करने से भी नहीं हिचकिचाई। वैसे तो आजाद भारत में 1947 से शुरू हुए सांप्रदायिक दंगों और आतंकी या फियादीन हमलों में अपनी सुहाग यानी सिंदूर गंवाने वाली महिलाओं की संख्या अब लाखों में पहुंच चुकी है। इस लिहाज से बदला लेने की जो निर्णायक कार्रवाई अब शुरू की गई है, वह थमनी नहीं चाहिए। यही देशवासियों की अपेक्षा है।बताया जाता है कि इस ताजातरीन 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों पर जो स्ट्राइक की गई है, उसकी सबसे पहले जानकारी रक्षा मंत्रालय ने ही दी है, जिसमें बताया गया है कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाया है। इस क्रम में वहां के किसी भी सरकारी बिल्डिंग या फिर पाकिस्तान के किसी नागरिक को निशाना नहीं बनाया गया है। बल्कि भारतीय सेना ने स्पष्ट कहा है कि हमने पहले भी ऐलान किया था कि पहलगाम आतंकी हमले के जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा और अब हम इस प्रतिबद्धता पर खरे उतर रहे हैं। इससे हम समझ सकते हैं कि यहां देर आयद, दुरुस्त आयद की कहावत एक बार फिर से चरितार्थ की गई है।बकौल रक्षा मंत्रालय, "कुल मिलाकर, 9 स्थलों को निशाना बनाया गया है। हमारी कार्रवाई केंद्रित, मापी गई और प्रकृति में गैर-उग्र रही है। किसी भी पाकिस्तानी सैन्य सुविधा को निशाना नहीं बनाया गया है। भारत ने लक्ष्यों के चयन और निष्पादन के तरीके में काफी संयम दिखाया है। ये कदम पहलगाम में हुए बर्बर आतंकवादी हमले के मद्देनजर उठाए गए हैं जिसमें 25 भारतीयों और एक नेपाली नागरिक की हत्या कर दी गई थी। हम इस प्रतिबद्धता पर खरे उतर रहे हैं कि इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाएगा।" विश्वस्त अधिकारियों के अनुसार, भारतीय सेना द्वारा सफलतापूर्वक निशाना बनाए गए 9 ठिकानों में से चार पाकिस्तान में और पांच पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में हैं। पाकिस्तान में स्थित ठिकानों में बहावलपुर, मुरीदके और सियालकोट शामिल हैं। जहां पर मौजूद आतंकी शिविरों को निशाना बनाने के लिए विशेष सटीक हथियारों का इस्तेमाल किया गया। तीनों सेनाओं ने संयुक्त रूप से इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। वहीं, रक्षा विशेषज्ञ प्रफुल बख्शी ने कहा है कि, "भारत ने ऐसा किया है। नौ जगहों को निशाना बनाया गया है। यह हवाई और तोपखाने से किया गया मिलाजुला हमला है। पाकिस्तान जवाबी कार्रवाई करेगा और वे भी कहानियां बनाना शुरू कर देंगे। हमें एक बात याद रखनी चाहिए- पीओके पर कब्जा करने के लिए हमला ही एकमात्र उपाय नहीं है, हमें धीरे-धीरे इस पर कब्जा करना शुरू करना होगा। पीओके हमारा है और हम इसे लेंगे।" उधर, पाकिस्तान की सेना ने भी भारत की एयर स्ट्राइक को स्वीकार कर लिया है। उसने कहा है कि इस एयर स्ट्राइक में आठ लोगों की मौत हुई जबकि 33 लोग घायल हैं। पाकिस्तान के 6 ठिकानों पर 24 मिसाइल अटैक हुए हैं। हालांकि आपको स्पष्ट कर दें कि भारतीय सेना ने कहा है कि यह सभी ठिकाने आतंकियों के थे और उनको ही नुकसान पहुंचाया गया है। जहां बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद के ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की गई है। यहां पर जैश ए मोहम्मद का मुख्यालय है। वहीं मुरीदके में लश्कर के ठिकानों को निशाना बनाया गया है। वहीं, श्रीनगर एयरपोर्ट के डायरेक्टर ने बताया है कि आज एयरफील्ड को बंद कर दिया गया है। वहीं कोई भी सिविल फ्लाइट श्रीनगर एयरपोर्ट से ऑपरेट नहीं होगी। वहीं, भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने के बाद बुधवार सुबह 11 बजे सीसीएस की बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हुए और पूरे ऑपरेशन की विस्तृत जानकारी ली। इससे पहले भारतीय सेना की एयर स्ट्राइक के बाद सेना अब सुबह 10 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई। जिसमें बताया गया है कि भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू कर दिया है। उधर, पाकिस्तान में 48 घंटे के लिए लाहौर और सियालकोट एयरपोर्ट को बंद कर दिया गया है। पाक ने माना है कि पांच ठिकानों पर हमले किए गए हैं। सूत्रों के अनुसार भारतीय सेना ने रात करीब 1:30 बजे एयर स्ट्राइक की है और 1:44 पर इसकी जानकारी देशवासियों को दी गई है। उधर, पाकिस्तान में मस्जिदों से नागरिकों को घरों के अंदर रहने की चेतावनी दी गई है। ऑपरेशन के बाद पाकिस्तान डरा हुआ है। भारत की ओर से 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाक अधिकृत जम्मू कश्मीर में आतंकी शिविरों पर हमला करने के कुछ घंटों बाद पाकिस्तान ने संघर्ष विराम का उल्लंघन किया गया, जिसका सेना ने उचित जवाब दिया है। भारतीय सेना ने ट्वीट करते हुए लिखा, "पाकिस्तान ने पुंछ-राजौरी क्षेत्र के भीमबेर गली में तोपखाने से गोलीबारी करके एक बार फिर संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन किया है। भारतीय सेना उचित तरीके से जवाब दे रही है।" वहीं, रक्षा अधिकारी का बयान आया है कि "किसी भी स्थिति से निपटने के लिए भारत-पाकिस्तान सीमा पर सभी वायु रक्षा इकाइयों को सक्रिय कर दिया गया है।" जो सही और सटीक रणनीति का तकाजा है। अब भारत ने भी अपने आक्रामक इरादे से दुनिया को बता दिया है कि वह किसी परमाणु बम से डरने वाला नहीं है और किसी भी भारतीय पर हमला करने और करवाने का अंजाम और भी ज्यादा बुरा हो सकता है।

आतंक के गढ़ में भारत का निर्णायक प्रहार

योगेश कुमार गोयल

भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जवाब 15 दिन बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से देकर एक बार फिर यह जता दिया है कि अब वह न तो चुप रहेगा और न ही आतंकी हमलों को बर्दाश्त करेगा। इस हमले में भारत के 26 निर्दोष लोगों की जान गई थी और यह हमला स्पष्ट रूप से पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों से ही संचालित किया गया था। इसके सटीक जवाब में भारत ने 7 मई सुबह डेढ़ बजे पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकियों के 9 ठिकानों को ध्वस्त करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया। भारत की यह एक सुनियोजित, सीमित और सटीक सैन्य कार्रवाई थी, जिसका उद्देश्य स्पष्ट था, आतंकवाद को उसी की जमीन पर कुचलना। इस ऑपरेशन को 'सिंदूर' नाम देना भारत की सांस्कृतिक और भावनात्मक सोच को दर्शाता है। 'सिंदूर' एक ओर जहां भारतीय संस्कृति में शक्ति, सौभाग्य और सम्मान का प्रतीक है, वहीं इस संदर्भ में यह उन शहीदों के बलिदान की लालिमा भी है, जिनकी शहादत का बदला लेने के लिए यह कार्रवाई की गई। ऑपरेशन सिंदूर के जरिये भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि यह ऑपरेशन केवल उन आतंकी ढ़ांचों के विरुद्ध था, जो लगातार भारत में घुसपैठ, आत्मघाती हमले और हथियारों की तस्करी को बढ़ावा दे रहे थे। बहावलपुर जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ है, वहीं मुजफ्फराबाद और कोटली लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे संगठनों के लिए लांच पैड के रूप में काम आते हैं। इन स्थानों पर हुए हमलों के माध्यम से भारत ने उन आतंकी गुटों की कमर तोड़ने की कोशिश की है, जो वर्षों से भारत को अस्थिर करने की कोशिश में लगे हुए थे। इस ऑपरेशनके जरिये भारत ने अपने नागरिकों को यह भरोसा भी दिलाया है कि देश की सुरक्षा महज कागजों तक सीमित नहीं है बल्कि उसे धरातल पर भी लागू किया जा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर यह विश्वास पैदा करता है कि अब भारत किसी भी आतंकी हरकत का जवाब उसी भाषा में देगा और अपने सैनिकों और नागरिकों की शहादत व्यर्थ नहीं जाने देगा। यह संदेश केवल पाकिस्तान के लिए ही नहीं बल्कि उन ताकतों के लिए भी है, जो सीमा पार से भारत के खिलाफ जंग छेड़े हुए हैं। भारतीय वायुसेना ने इस ऑपरेशन के तहत अत्याधुनिक मिसाइलों का इस्तेमाल करते हुए बहावलपुर, मुजफ्फराबाद, कोटली, मुरीदके, बाघ और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की कुछ आतंक-प्रवण लोकेशनों पर हमलाकर पूरी दुनिया को यह दिखा दिया है कि आतंकवाद से निपटने के लिए उसे अब किसी की अनुमति की आवश्यकता नहीं है और वह अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव कदम उठाने को तैयार है। इस ऑपरेशन की योजना और क्रियान्वयन अत्यंत गोपनीय और तकनीकी रूप से उन्नत स्तर पर हुई। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने 22 अप्रैल के हमले के बाद जिस तेजी से पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों की पहचान की और सेना के साथ समन्वय किया, वह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति की परिपक्वता का प्रमाण है। रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी बयान में स्पष्ट किया गया है कि इस कार्रवाई का उद्देश्य केवल आतंकवाद के अड्डों को निशाना बनाना था, न कि पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों या नागरिक आबादी को। इस ऑपरेशन के दौरान भारत ने कुल 24 मिसाइलें दागी, जिनमें से अधिकांश लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों के ठिकानों पर सटीकता से गिरी। बताया जा रहा है कि इन हमलों में कई आतंकियों के मारे जाने की खबर है, जिनमें लश्कर और जैश के कई शीर्ष कमांडर भी शामिल हैं, जो भारत में आतंकी हमलों की योजना बनाते रहे हैं। पाकिस्तान का स्थानीय मीडिया और प्रशासन पहले इस हमले को नकारते रहे, फिर अलग-अलग बयान देकर भ्रम फैलाने की कोशिश की। पाकिस्तानी सेना के आईएसपीआर प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने दावा किया कि भारत ने 6 अलग-अलग स्थानों पर मिसाइलें दागी, जिनमें 8 नागरिकों की मौत हुई। वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने जियो टीवी पर दावा किया कि भारत ने अपने ही हवाई क्षेत्र से हमला किया और मिसाइलें रिहायशी इलाकों पर गिरी। पाकिस्तान के दावे आपस में ही विरोधाभासी हैं, जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वे न तो इस हमले के लिए तैयार थे और न ही उनके पास इसकी ठोस जानकारी है। वहीं, भारत ने इस ऑपरेशन के तुरंत बाद अमेरिका को इस कार्रवाई की जानकारी दी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने अमेरिकी एनएसए और विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बात कर उन्हें स्पष्ट रूप से बताया कि यह कार्रवाई पूरी तरह आतंकवाद के खिलाफ थी, न कि पाकिस्तान की संप्रभुता के विरुद्ध। भारतीय दूतावास ने अमेरिका में बयान जारी कर बताया कि भारत ने किसी भी पाकिस्तानी नागरिक, सैन्य या आर्थिक ठिकानों को निशाना नहीं बनाया, केवल उन्हीं आतंकी शिविरों पर हमला किया गया, जो भारत के खिलाफ साजिश रच रहे थे। इस ऑपरेशन के पूरे समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसकी निगरानी कर रहे थे। उन्होंने सेना को पूर्ण स्वतंत्रता दी थी और इस ऑपरेशन की बारीकियों पर लगातार नजर बनाए रखी। ऑपरेशन पूरा होने के बाद भारतीय सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर 'जस्टिस इज सर्व्ड' यानी 'न्याय हो गया' लिखा जबकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'भारत माता की जय' के नारे के साथ इस कार्रवाई को राष्ट्र के प्रति समर्पित किया। इस ऑपरेशन के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव और बढ़ना स्वाभाविक था। पाकिस्तान की ओर से फायरिंग और जवाबी बयानबाजी जारी रही। पाकिस्तान के मीडिया ने प्रोपेगेंडा फैलाने के लिए यह दावा किया कि पाकिस्तान ने भारत के 6 फाइटर जेट मार गिराए हैं, जिसमें 3 राफेल, 2 मिग-29 और 1 सुखोई शामिल हैं, साथ ही भारतीय सेना की 12वीं इन्फैंट्री ब्रिगेड के मुख्यालय को नष्ट करने का झूठा दावा भी किया गया। हालांकि भारत द्वारा इन बेबुनियाद झूठे दावों को सिरे से खारिज कर दिया गया है। भारत का अगला कदम अब इस कार्रवाई को कूटनीतिक और रणनीतिक स्तर पर वैश्विक समर्थन में बदलना होगा। ऑपरेशन सिंदूर के बाद अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत आतंकवाद के खिलाफ अपने दृष्टिकोण को और मजबूत तरीके से प्रस्तुत करेगा। अमेरिका, फ्रांस, रूस और इजरायल जैसे देश पहले ही भारत के साथ खड़े नजर आ रहे हैं परंतु संयुक्त राष्ट्र और इस्लामी देशों के संगठन (आईओसी) में पाकिस्तान अपने झूठे प्रचार को हवा देने की कोशिश अवश्य करेगा, इसलिए भारत को अब इस कूटनीतिक लड़ाई में भी स्पष्टता और तथ्यों के साथ आगे बढ़ना होगा। बहरहाल, ऑपरेशन सिंदूर भारत की सैन्य और कूटनीतिक परिपक्वता का प्रतीक है। इसने साबित कर दिखाया है कि भारत अब संयम और जवाबदेही के साथ अपनी रक्षा नीति पर अमल कर रहा है। 'सिंदूर' का रंग भले ही सांस्कृतिक दृष्टि से सौभाग्य और शक्ति का प्रतीक हो परंतु इस सैन्य कार्रवाई में यह रंग आतंकवाद के विरुद्ध प्रतिशोध और शौर्य का प्रतीक बन गया है। भारत ने दुनिया को यह बता दिया है कि वह न तो युद्ध चाहता है, न टकराव लेकिन यदि उसकी सीमाओं, नागरिकों और संप्रभुता को कोई चुनौती देगा तो उसका जवाब भी उतना ही सटीक, तीव्र और निर्णायक होगा। भारत का यह बदलता हुआ रवैया उसकी सुरक्षा नीति को नई दिशा दे रहा है और यह संकेत है कि आने वाले समय में कोई भी आतंकी घटना भारत को मूकदर्शक नहीं बनाएगी बल्कि तत्काल और निर्णायक प्रतिघात से दुश्मन की कमर तोड़ी जाएगी।

माइनिंग सेक्टर में आगे बढ़ता राजस्थान

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

माइनिंग सेक्टर में राजस्थान देष दुनिया का प्रमुख केन्द्र बन कर उभर रहा है। वैसे तो राजस्थान में 82 प्रकार के मिनरल के संकेत मिलते हैं वहीं 57 मिनरलों को राजस्थान में प्रमुखता से खोज और खनन का कार्य चल रहा है। अब राजस्थान में रेयर अर्थ एलिमेंट आरईई के संकेत मिलने के साथ राजस्थान तेजी से दुनिया के नक्शे पर उभरा है। राज्य सरकार ने भी माइनिंग सेक्टर को अपनी प्राथमिकता में रखा है। यही कारण है कि पिछले सवा साल में राजस्थान माइनिंग सेक्टर में नित नए आयाम स्थापित करते हुएं आगे बढ़ रहा है। माइनिंग सेक्टर की महती भूमिका को देखते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने खान मंत्रालय की जिम्मेदारी अपने पास रखी और कुषल नेतृत्व और मार्गदर्शन में पिछले सवा साल में माइनिंग सेक्टर ने खनिज खोज से लेकर माइनर एवं मेजर मिनरल ब्लॉकों के ऑक्शन, एमनेस्टी योजना, ड्रोन सर्वे, एकबारीय समाधान योजना, नई और प्रगतिशील खनिज नीति, एम-सेण्ड नीति, माइनिंग सेक्टर में औद्योगिक निवेश और रोजगार के विपुल अवसर सृजित करने के अवसर विकसित कर दिए हैं। इसके साथ ही पारदर्शी व्यवस्था और प्रक्रिया के सरलीकरण की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाये जा रहे है। समय की मांग को देखते हुए ही आरईई और सेरेमिक आधारित एक्सीलेंस सेंटर स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहे है तो खनिज एक्सप्लोरेशन को गति देने के लिए राजस्थान मिनरल एक्सप्लोरेशन कारपोरेशन के गठन की बजटीय घोषणा की गई है।

राजस्थान माइनिंग के प्रमुख सचिव टी. रविकान्त अथक प्रयासों से धरातल पर ठोस परिणाम प्राप्त करने में जुटे हैं। यही कारण है कि राजस्थान आज देष का माइनिंग सेक्टर में प्रमुख प्रदेश बन गया है। मिनरल एक्सप्लोरेशन से लेकर माइन्स ऑक्शन के क्षेत्र में नित नए आयाम बन रहे हैं तो निवेश, रोजगार और राजस्व की दृष्टि से राजस्थान तेजी से आगे बढ़ रहा है। हाल ही समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में रेकार्ड राजस्व अर्जन के साथ ही राजस्व अर्जन की विकास दर में भी नया कीर्तिमान बनाया गया है। 2017 में केन्द्र सरकार ने तय किया कि देश में सभी जगह माइनिंग मिनरल्स की खुले ऑक्शन के माध्यम से ही दिए जाएंगे। इससे बहुत हद तक माइनिंग मिनरल्स की बंदर बांट पर रोक लग सकी। केन्द्र सरकार ने मेजर मिनरल्स के ऑक्शन की स्वयं के स्तर पर भी मोनेटरिंग आरंभ कर व्यवस्था को पारदर्शी और खनिज प्रधान प्रमुख राज्यों के बीच स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा की राह प्रशस्त की है। इसे देष के खनिज क्षेत्र का अग्रणी कदम माना जा सकता है। मेजर मिनरल के ऑक्शन में पिछले एक साल में राजस्थान ने तेजी से काम किया है और राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट उपलब्धि हासिल की है। आज दुनिया के देशों की माइनिग सेक्टर पर अधिक नजर है। खासतौर से अमेरिका तो खनिज बहुल क्षेत्रों में आंखें गड़ाये ही बैठा है वह चाहे यूक्रेन हो, कनाड़ा हो या ग्रीन लैण्ड। तस्वीर का दूसरा पहलू यह भी है कि रुस यह चाहता है कि अमेरिका और यूक्रेन के बीच खनिज को लेकर कोई समझौता ना हो और इसके लिए वह अपने खनिज क्षेत्रों को लेकर अमेरिका या यों कहें कि ट्रम्प से समझौता तक करने का तैयार है। दूसरी और चीन आज खनिज संपदा के चलते ही समूचे विश्व बाजार पर लगभग एकाधिकार की स्थिति में हैं। दरअसल जिस तरह से दुनिया में नए नए गजेट्स आने लगे हैं, इलेक्ट्रिक वाहन, कार्बन उत्सर्जन के स्तर को कम करने और पर्यावरण को प्रभावित करने वाले उत्पादों के कम उपयोग पर जोर दिया जाने लगा है, उसके कारण खनिज संपदा संपन्न देशों का महत्व और अधिक बढता जा रहा है। चीन के लगभग एकाधिकार के कारण दुनिया के देश त्रस्त भी है। हमारे देश और राजस्थान में भी प्रचुर मात्रा में खनिज संपदा है। माइनिंग सेक्टर आज उभरता हुआ सेक्टर है। निवेश, रोजगार और राजस्व की दृष्टि से खनिज संपदा का महत्व बढ़ता जा रहा है।

यही कारण है कि भारत सरकार ने क्रिटिकल मिनरल ब्लाकों की नीलामी अपने हाथ में ली है तो मिनरल एक्सप्लोरेशन कार्य में निजी प्लेयर्स की भी भागीदारी तय की जा रही है। समूचे देष में पिछले एक दशक में मिनरल एक्सप्लोरेशन के कार्य में तेजी आई है। हमारे देष में सतत खनन विकास पर जोर दिया जाने लगा है और 2016-17 से मेजर हो या माइनर मिनरल सभी माइंस नीलाम करना अनिवार्य कर दिया गया है। बदली परिस्थितियों में यह भी साफ हो जाना चाहिए कि सरकारों की ईच्छा शक्ति पर बहुत कुछ निर्भर करता है। इसका ताजातरीन उदाहरण राजस्थान सरकार और राजस्थान का खान एवं भूविज्ञान मंत्रालय है। देश-दुनिया में माइनिंग सेक्टर को नई पहचान देने के कारगर प्रयास राजस्थान में भजन लाल शर्मा सरकार ने कर के दिखाया है।

सेना और सरकार ही नहीं, नागरिक सहयोग से भी संभव है आतंक का मुकाबला

विवेक रंजन श्रीवास्तव

भारत ने हाल ही में पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर के तहत सटीक मिसाइल हमलों से पकिस्तान के कश्मीर में किए आतंक का सटीक बदला लिया। यह कार्रवाई न केवल भारतीय सेना की सैन्य कुशलता का प्रतीक है, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ देश की स्पष्ट नीति को भी दर्शाती है। प्रगट रूप से यह ऑपरेशन एक सैन्य कार्यवाही है। किंतु आतंक के विरुद्ध इस तरह के आपरेशन सफल तभी होते हैं जब सेना, सरकार और नागरिकों के बीच समन्वय का एक सशक्त ढाँचा मौजूद हो। आतंकवाद से लड़ाई केवल बंदूकों और मिसाइलों से नहीं, बल्कि जनता की सजगता, सहयोग और राष्ट्रभक्ति से भी जीती जाती है। सीमाओं का कवच भारतीय सेना है। जिसने ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों के माध्यम से यह साबित किया है कि वह भारत पर किसी आक्रमण या आतंकी घटनाओं का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है।

सेना की यह ताकत केवल हथियारों की ताकत नहीं, बल्कि उच्चस्तरीय रणनीति, खुफिया जानकारी और साहस का परिणाम है। सेना के जवान सीमाओं पर दिन-रात तैनात रहकर देश की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। 2016 के सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 के बालाकोट एयरस्ट्राइक जैसे ऑपरेशन इसके उदाहरण हैं, जिन्होंने आतंकवाद के प्रति भारत की 'जीरो टॉलरेंस' नीति को रेखांकित किया। ऑपरेशन सिंदूर देश की उसी नीति का हिस्सा है। नीति निर्माण से लेकर वैश्विक कूटनीति और सेना को छूट देना सरकार का दायित्व है । सेना को राजनीतिक और तकनीकी समर्थन जनता की ताकत और एकजुटता ही प्रदान करती है। ऑपरेशन सिंदूर जैसे मिशन के पीछे सरकार की मंशा, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान को अलग-थलग करने की कोशिशें और आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक गठजोड़ बनाने की रणनीति महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। नागरिक सहयोग सुरक्षा का तीसरा स्तंभ है। यदि सेना और सरकार देश की रीढ़ हैं, तो नागरिक उसकी आत्मा। आतंकवाद से लड़ाई में नागरिकों की भूमिका कई स्तरों पर महत्वपूर्ण है । सूचना और खुफिया सहयोग स्थानीय निवासी ही दे सकते हैं। सूक्ष्म निरीक्षण तथा सतर्क रहने से आतंकियों की गतिविधियों के बारे में नागरिकों को जमीनी जानकारी हो सकती है। उदाहरण के लिए, जम्मू-कश्मीर में कई बार ग्रामीणों ने सुरक्षा बलों को आतंकवादियों के ठिकानों की जानकारी देकर बड़ी घटनाओं को रोका है। 'आवाम की आवाज' जैसे अभियान इसी सहयोग को बढ़ावा देते हैं। सामाजिक जागरूकता और एकता आतंकवाद की सबसे बड़ी हार है। 2008 के मुंबई हमले के बाद देशभर में एकजुटता का जो स्वर उभरा, उसने आतंकवादियों के मनोबल को तोडा। नागरिकों का यही साहस आतंकवाद को विफल बनाता है। बदलते परिवेश में तकनीकी और डिजिटल सतर्कता ,सोशल मीडिया पर सतर्कता बरतने की जरूरत है। आतंकी समूहों का प्रचार-प्रसार रोकने में नागरिकों की भूमिका अहम है। झूठी खबरों को रिपोर्ट करना, युवाओं को कट्टरपंथी विचारों से बचाने के लिए जागरूकता फैलाना, और साइबर स्पेस में सक्रिय रहना—ये सभी आधुनिक समय की आवश्यकताएँ हैं। केरल जैसे राज्यों में मुस्लिम समुदाय के नेताओं ने आतंकवाद के खिलाफ फतवा जारी किया।

गौरव की जड़ें

अंशवी चौरसिया

गौरव केवल किसी व्यक्ति या समुदाय की बाहरी सफलता का प्रतीक नहीं होता, बल्कि यह उनके इतिहास, परंपराओं और संस्कारों से जुड़ी होती है। जब हम अपने गौरव की बातें करते हैं, तो यह हमसे जुड़ी हुई उन जड़ों को मान्यता देने जैसा है, जिन्होंने हमें उस स्थिति में पहुंचाया है, जहाँ हम आज खड़े हैं।

गौरव की जड़ें हमारे पूर्वजों के संघर्षों, उनकी मेहनत और बलिदान में छिपी होती हैं। यह हमारी संस्कृति, हमारे आदर्शों और हमारे देश की महानता में निहित होती है।

जब हम भारतीय संस्कृति की गौरवमयी परंपराओं को याद करते हैं, तो हमें यह समझ में आता है कि हमें अपने इतिहास से सीखने की आवश्यकता है। हमारे महापुरुषों ने जिन सिद्धांतों और आदर्शों को अपनाया, वे हमें आज भी मार्गदर्शन देते हैं। हर राष्ट्र की पहचान उसकी जड़ों से जुड़ी होती है। वही जड़ें हमें अपनी पहचान, अपने मूल्यों और अपने उद्देश्य को समझने में मदद करती हैं।

जब हम अपने गौरव की जड़ों से जुड़े रहते हैं, तो हम न केवल अपने इतिहास का सम्मान करते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक मजबूत नींव तैयार करते हैं। गौरव की जड़ें हमेशा हमें प्रेरित करती हैं कि हम अपने कर्तव्यों को सही तरीके से निभाएं और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझें। यह हमें अपने भविष्य को संवारने की दिशा में एक मजबूत आधार प्रदान करती हैं। इसलिए, गौरव की जड़ें केवल बाहरी आभूषण नहीं, बल्कि एक ठोस नींव होती हैं, जो हमें आत्मविश्वास और दिशा देती हैं।और इनके अलावा हमारे जीवन के दो और महत्वपूर्ण जड़ है वह हैं - हमारे माता और पिता। हमारे माता-पिता ने हमारे जीवन को अच्छा बनाने के लिए क्या कुछ नहीं किया है और अब हमारी बारी है उनके जीवन को और अच्छा बनाने की।

और हमारी मां, वह तो जब तक हम जग रहे हैं तब तक जगी रहती है, जब तक हम सोए ना उसे भी नींद नहीं आती है। जब तक हम खाना ना खाएं तब तक हमारी मां भी भूखी रहती है। हर पल उसकी निगाहें हमारी खुशिया तलाशती रहती है।

भगवान शिव-पार्वती को समर्पित है प्रदोष व्रत

शास्त्रों में में प्रदोष व्रत का विशेष महत्व है। प्रदोष व्रत भगवान शिव और मां पार्वती को समर्पित होता है और इस दिन प्रदोष काल में पूजा-अर्चना की जाती है। प्रदोष व्रत हर मास के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को प्रदोष व्रत रखा जाता है। इस व्रत के प्रभाव से जीवन के सभी दोष समाप्त होते हैं और शिव जी की कृपा से इच्छाएं पूर्ण होती हैं। यहां हम बात करने जा रहे हैं मई प्रदोष व्रत की, जो कि शुक्र प्रदोष व्रत है। यह व्रत 09 मई को रखा जाएगा। शुक्रवार के दिन जब भी प्रदोष व्रत पड़ता है तो इसे शुक्र प्रदोष व्रत कहते हैं। आइए जानते हैं तिथि और पूजा का शुभ मुहूर्त...

प्रदोष पूजा का शुभ मुहूर्त

पंचांग के मुताबिक इस बार शुक्र प्रदोष व्रत पर वज्र योग और हस्त नक्षत्र का संयोग बन रहा है। वहीं आपको बता दें कि इस दिन प्रदोष समय शाम 07:01 बजे से रात 09:08 बजे तक रहेगा, जिसकी अवधि 02 घण्टे 06 मिनट के लिए रहने वाली है। प्रदोष पूजा के लिए शुभ मुहूर्त इसे ही माना जाता है।

12 साल बाद बनेगा बुध और गुरु बृहस्पति का दुर्लभ संयोग, इन राशियों के शुरू होंगे अच्छे दिन, नई नौकरी के साथ अपार धनलाभ के योग

शुक्र प्रदोष व्रत का महत्व

ग्रंथों के अनुसार क्षय रोग होने पर चंद्रदेव ने भगवान शिव की पूजा की थी और भगवान जी की कृपा से उनके सभी दोष मिट गए थे। इसी तरह जो लोग प्रदोष व्रत रखते हैं, भगवान उनके सभी दुखों को दूर करते हैं।

वहीं शुक्र प्रदोष व्रत रखने से धन-समृद्धि की प्राप्ति होती है। साथ ही जो शादीशुदा लोग शुक्र प्रदोष व्रत रखते हैं, उनका दांपत्य जीवन खुशहाल रहता है। साथ ही पति-पत्नी में प्यार बना रहता है। साथ ही शुक्र प्रदोष व्रत रखने से आर्थिक स्थिति में सुधार होता है। यह व्रत संतान प्राप्ति के लिए बहुत ही असरदार माना जाता है। सच्चे मन से इस दिन शिव परिवार की पूजा करने से व्रती को संतान सुख की प्राप्ति होती है।

नौतपा में करें ये अचूक उपाय तो बदल जाएगा भाग्य

वैशाख महीने में गर्मी अपने तीखे तेवर दिखाना शुरू कर देती है, लेकिन ज्येष्ठ के महीने में यह और बढ़ जाती है। हर साल की तरह इस साल भी नौतपा आएगा। इस दौरान सूर्य देव रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं, जिससे धरती पर जीवों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ता है। सनातन धर्म में नौतपे का धार्मिक महत्व भी बताया गया है। नौतपा के नौ दिनों में सूर्य देव को पांच चीजें अर्पित की जाएं, तो आपका भाग्य चमक सकता है और जीवन में आ रहे दुख दरिद्रता दूर हो सकती है। साथ ही कुंडली मे सूर्य के अशुभ परिणाम मे भी शुभ दिशा मे चले जाते हैं।

कब से शुरू हो रहा है नौतपा

वैदिक पंचांग के अनुसार, 25 मई को सूर्यदेव रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे, जिसका समय सुबह 03:27 बजे रहेगा। सूर्यदेव रोहिणी नक्षत्र में 8 जून तक रहेंगे। ऐसे में नौतपा 25 मई से 8 जून तक रहेगा। नौतपा की मान्यता नौ दिनों की है, लेकिन भीषण ताप की ये अवधि 15 दिन की मानी गई है। इस दौरान भीषण गर्मी पड़ेगी।

नौतपा में जरूर करें यह उपाय

– अगर नौतपा में सूर्य देव को नारियल का पानी चढ़ाया जाए, तो कुंडली में मौजूद ग्रह दोष का प्रभाव कम होने लगता है। साथ ही व्यापार में तरक्की के योग्य बनते है। जातक को मान सम्मान की प्राप्ति होती है इसके अलावा उसके जीवन में धन-धान्य की कभी कमी नहीं आती है।

– ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, नौतपे में सूर्य देव को काले तिल अर्पित करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है और अकाल मृत्यु का योग टल सकता है।

– शास्त्रों के अनुसार जो व्यक्ति रोग दोष से पीड़ित है और जो चाहते हैं कि उन्हें दुख दरिद्रता से मुक्ति मिले। उन्हें नौतपा के दौरान उन्हें सूर्य देव को गुड़ अर्पित करना चाहिए।

– नौतपा के दौरान जो व्यक्ति सूर्य देव को केसर और दूध अर्पित करता है उसका मान सम्मान बढ़ता है और उसे शुभ फलों की प्राप्ति होती है।

दो मूलांक की लड़कियों पर होती है भगवान की विशेष कृपा

अगर किसी महिला का जन्म किसी भी महीने की 2, 11, 20 या 29 तारीख को हुआ है, तो उनका मूलांक 2 होता है। इस अंक का स्वामी होता है चंद्रमा। ऐसे महिलाओं की जीवनशैली, सोच और व्यवहार पर चंद्रमा का गहरा प्रभाव होता है। मूलांक 2 की महिलाएं को जीवन में सुख-दुख लगातार आते-जाते रहते हैं

कई बार मिलता है धोखा

ये महिलाएं बेहद भावुक, दयालु और विश्वास करने वाली होती हैं। एक बार किसी को मित्र मान लिया, तो दिल खोलकर अपनी हर बात शेयर करती हैं। लेकिन इसी सरलता और जल्दी विश्वास करने की प्रवृत्ति के कारण, ये कई बार धोखा भी खा जाती हैं। ये किसी को आर्थिक सहायता भी ऐसे कर देती हैं, जैसे वह उनकी जिम्मेदारी हो- फिर चाहे घर का जरूरी पैसा ही क्यों न देना पड़े।

पति और पारिवारिक जीवन

इनका विवाह अच्छे परिवार में होता है। अगर शादी साधारण परिवार में भी हो, तो धीरे-धीरे इनका जीवन समृद्ध होता है। पति थोड़ा कठोर हो सकता है, पर समय के साथ वह भी इनकी भावनाओं को समझने लगता है। ससुराल पक्ष में भी जब लोग इन्हें समझ जाते हैं, तो संबंध मधुर हो जाते हैं।

लेन-देन में नुकसान

चाहे व्यापार हो, नौकरी या पारिवारिक सहायता- इन महिलाओं को पैसों का हिसाब किताब रखना नहीं आता। किसे कितना दिया, कौन कितना लौटाएगा। ये सब बातें ये भूल जाती हैं। यही कारण है कि इनके मित्र ही कई बार इनके शत्रु बन जाते हैं। ये सब इन्हें दुखी कर देता है, फिर भी ये महिलाएं इतनी करुणामयी होती हैं कि वही व्यक्ति अगर फिर रोकर मदद मांगे, तो दोबारा सहायता कर देती हैं।

किस मूलांक के साथ संबंध कैसे?

मूलांक 1, 2, 6 और 9 के लोगों से इनके अच्छे संबंध बनते हैं।

मूलांक 4 और 5 वालों से लेनदेन में विशेष सावधानी रखें।

मूलांक 7 और 8 से औसत व्यवहार होता है, लेकिन साझेदारी में नुकसान की संभावना रहती है।

ईश्वर की विशेष कृपा

चंद्रमा की कृपा से मूलांक दो की महिलाएं भावनात्मक रूप से भले ही बहुत कुछ झेलें, लेकिन भगवान उन्हें कभी भी पूरी तरह टूटने नहीं देते। जो इन्हें धोखा देता है, वह स्वयं परेशानियों से घिर जाता है। ये महिलाएं चाहे जितना संघर्ष करें, अंत में जीत इन्हीं की होती है।

बिंदी के साथ भूलकर भी न करें यह गलती

हिंदू धर्म में श्रृंगार का बहुत महत्व होता है। महिलाएं शादी के बाद कई तरह के आभूषण पहनती हैं, जो उनके सौभाग्य के लिए शुभ माने जाते हैं। इनमें से एक बिंदी भी है। बिंदी को सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है और शादीशुदा महिलाएं इसे पति की लंबी उम्र के लिए मस्तक पर लगाती हैं। लेकिन कभी-कभी महिलाएं बिंदी को लेकर कुछ गलतियां कर बैठती हैं, जिसका नकारात्मक प्रभाव उनके वैवाहिक जीवन और पति पर पड़ सकता है

अक्सर महिलाएं रात को सोते वक्त या नहाते वक्त माथे से बिंदी हटाकर बाथरूम की दीवार या घर के शीशे पर चिपका देती हैं, जो बिल्कुल गलत है। बिंदी श्रृंगार की वस्तु होने के साथ-साथ महिलाओं के लिए अखंड सौभाग्यवती का प्रतीक भी होती है। सुहाग के प्रतीक को बाथरूम की दीवार या शीशे पर चिपकाना सही नहीं है, क्योंकि बाथरूम को अपवित्र और अशुद्ध जगह माना जाता है। इसलिए किसी अशुद्ध और अपवित्र जगह पर सौभाग्य की निशानी लगाना गलत होता है।

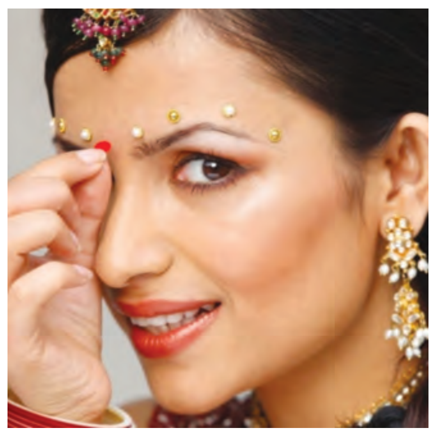

जीवन पर पड़ सकता है नकारात्मक प्रभाव

ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि जो महिलाएं बिंदी बाथरूम की दीवार या शीशे पर चिपकाती हैं, उनके जीवन में परेशानियों का दौर शुरू हो जाता है। उनके पति पर भी इसका दुष्प्रभाव पड़ता है।

इसका असर पति के कर्मों पर भी पड़ता है और वैवाहिक जीवन में खटपट शुरू हो जाती है। पति-पत्नी के बीच वाद-विवाद बढ़ जाता है।

इसलिए महिलाएं बिंदी को बाथरूम की दीवार या शीशे पर बिल्कुल न चिपकाएं। यह सौभाग्य का अनादर होगा।

इंडियन टॉयलेट से बढ़ सकती है परेशानियां! इन 3 बातों का रखें खास ध्यान

अगर आपके घर में इंडियन टॉयलेट है, तो कुछ बातें ध्यान में रखना बहुत जरूरी है। वास्तु और ज्योतिष से जुड़े जानकारों के अनुसार, टॉयलेट घर की नेगेटिव एनर्जी का बड़ा कारण बन सकता है अगर वो सही दिशा में न हो या उससे जुड़ी कुछ गलतियां हो रही हों।

दरवाजा हमेशा बंद रखें और मिरर लगाएं

अगर आपके घर में इंडियन टॉयलेट है, तो सबसे पहली बात ये है कि उसका दरवाजा हमेशा बंद रखें। टॉयलेट से निकलने वाली नेगेटिव एनर्जी पूरे घर में फैल सकती है, जिससे तनाव, लड़ाई और थकावट जैसी बातें होती हैं। इसके अलावा, अगर टॉयलेट के ठीक सामने किसी कमरे का दरवाजा हो, तो वहां एक छोटा शीशा लगा दें। इससे नेगेटिव एनर्जी वापिस लौट जाती है और घर में उसका असर कम हो जाता है।

फ्लश टैंक पर रखें काला पत्थर या तिल की पोटली

टॉयलेट में मौजूद फ्लश टैंक वास्तु के हिसाब से बहुत मायने रखता है। जानकारों के मुताबिक, फ्लश टैंक पर एक छोटा सा काला पत्थर रखना चाहिए। अगर पत्थर न मिले तो एक काले कपड़े में थोड़े से काले तिल बांधकर पोटली बना लें और उसे टैंक पर रखें। ऐसा करने से टॉयलेट से निकलने वाली गलत ऊर्जा बाहर चली जाती है और घर पर असर नहीं डालती।

प्लास्टिक की जगह स्टील का मग रखें

टॉयलेट में प्लास्टिक का मग इस्तेमाल करना अशुभ माना गया है। माना जाता है कि इससे राहु का प्रभाव बढ़ता है और घर में समस्याएं आने लगती हैं। इसलिए बेहतर होगा कि आप टॉयलेट में स्टील का मग रखें। पुराने समय में भी लोग प्लास्टिक की बजाय स्टील की बाल्टी और मग इस्तेमाल करते थे, जिससे वास्तु का संतुलन बना रहता था।

अगर आप ये 3 आसान उपाय अपनाते हैं, तो घर में नेगेटिव एनर्जी कम हो सकती है, झगड़े और बीमारियां कम होंगी और काम में भी अच्छे नतीजे मिलने लगेंगे। इंडियन टॉयलेट होने पर अगर सही तरीके से वास्तु के नियमों का पालन किया जाए, तो इसका बुरा असर टाला जा सकता है और घर में सुख शांति बनी रह सकती है।

अच्छे घर के लोगों का हर प्रदर्शन संस्कार में हो

अब सरेआम अमर्यादित आचरण करना एक फैशन जैसा हो गया है। कुछ युवक और युवतियां अनेक शहरों में सरेआम, सड़कों पर, बगीचों में, सार्वजनिक स्थलों पर अमर्यादित हुड़दंग करते पाए जा रहे हैं। इनमें से कुछ प्रतिष्ठित परिवारों के हैं, कुछ राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता हैं, कुछ सूचीबद्ध अपराधी हैं, जो बाद में अपने-अपने ढंग से इस अपराध से मुक्त भी हो रहे हैं।

कीमत समाज चुका रहा है। ये लोग स्वभाव से, परवरिश से ही आवारा होते जा रहे हैं। आजकल तो भिखारी भी भूखे नहीं मरता, लेकिन इसको समृद्धि नहीं कह सकते। यह भीख और भूख का नया रूप है। मानसिक गरीबी का नाम ही आवारागर्दी है।

फिल्मों में एक शब्द चलता है- स्टंट। यानी नाटकीय, शारीरिक करतब। इसको आपराधिक कौशल भी कह सकते हैं। यह मार्शल आर्ट का विकृत रूप है। और हमारे पढ़े-लिखे युवक-युवतियां आजकल सरेआम स्टंट दिखा रहे हैं। कुछ लोग कार में स्टंट दिखा रहे हैं, कुछ बेकार में स्टंट दिखा रहे हैं, कुछ सरकार में स्टंट दिखा रहे हैं। जबकि पढ़े-लिखे अच्छे घर के लोगों का हर प्रदर्शन संस्कार में होना चाहिए।

हनुमान जी की लंका यात्रा की सीख

सफल होना चाहते हैं तो कठिन समय में धैर्य न छोड़ें, योजना बनाएं और भगवान का ध्यान करके काम शुरू करें

जीवन में जब भी हम कठिनाइयों से घिर जाते हैं तो अक्सर डर और असमंजस में फंस जाते हैं।

हनुमान जी सीता माता की खोज में लंका पहुंचे। जब वे एक ऊंचे पर्वत पर खड़े होकर लंका को देखते हैं तो उनकी आंखों के सामने एक अत्यंत भव्य और भयानक चित्र उभरता है। लंका सोने के परकोटे से घिरी हुई थी, उसके भीतर भव्य महल, चौक, बाजार, हाथी, घोड़े और रथों की भरमार थी। चारों ओर भयंकर राक्षस पहरा दे रहे थे जो अपनी भयावहता से किसी को भी भयभीत कर सकते थे।

ऐसी मुश्किल स्थिति में सामान्य व्यक्ति भयभीत हो सकता था, लेकिन हनुमान जी ने डरने के बजाय बुद्धिमानी से काम लिया। उन्होंने सोचा कि यदि वे अपने वास्तविक रूप में लंका में प्रवेश करेंगे तो राक्षसों की नजर उन पर पड़ जाएगी और अनावश्यक युद्ध हो जाएगा। हनुमान जी का लक्ष्य था सीता माता को ढूंढना, न कि युद्ध करना। इसलिए हनुमान जी ने तत्काल योजना बनाई और अपने आकार को इतना छोटा कर लिया कि वे मच्छर जैसे दिखाई देने लगे।

छोटा आकार धारण करके वे लंका में प्रवेश कर गए। लंका में प्रवेश करते समय हनुमान जी ने भगवान श्रीराम का स्मरण किया, जिससे उनकी मानसिक स्थिरता और शक्ति बनी रही। इस पूरे प्रसंग से हमें दो महत्वपूर्ण जीवन प्रबंधन की शिक्षा मिलती है।

पहला सबक

कठिन परिस्थितियों में धैर्य और रणनीति का सहारा लें

जब भी जीवन में परिस्थितियां भयावह बन जाएं, तब घबराने की बजाय परिस्थिति का शांत होकर विश्लेषण करना चाहिए। समस्या कितनी भी बड़ी क्यों न हो, एक ठोस रणनीति और धैर्य से उसका समाधान निकाला जा सकता है। हनुमान जी ने ये बताया है कि परिस्थिति से लड़ने या टकराने के बजाय, यदि हम उसमें ढलने की कला सीख लें तो हम अपने लक्ष्य तक बिना शोर किए पहुंच सकते हैं।

जीवन में भी कई बार ऐसा होता है जब सामने बड़ी-बड़ी बाधाएं आती हैं। उस समय हमें यह समझना चाहिए कि हर समस्या के समाधान के लिए ताकत से ज्यादा जरूरी है सही सोच और लचीला व्यवहार। कभी-कभी सफलता पाने के लिए अपने 'आकार' या 'प्रभाव' को घटाना भी एक बुद्धिमानी है, ताकि हम बिना बाधा के अपना लक्ष्य हासिल कर सकें।

दूसरा सबक

किसी भी काम की शुरुआत में भगवान का स्मरण करना न भूलें

हनुमान जी अपनी अतुलनीय शक्ति के बावजूद हर कार्य की शुरुआत में श्रीराम का स्मरण करते हैं। यह हमें सिखाता है कि चाहे हम कितने भी समर्थ, बुद्धिमान या सफल क्यों न बन जाएं, हमें हमेशा अपने भीतर विनम्रता और आस्था बनाए रखनी चाहिए।

जब हम अपने बल, बुद्धि या योग्यता पर अत्यधिक गर्व करने लगते हैं तो विनम्रता खो बैठते हैं और यही अहंकार हमारे पतन का कारण बनता है। ईश्वर का स्मरण हमें अपनी सीमाओं का एहसास कराता है और सच्ची शक्ति का स्रोत भी वही बनता है। यह स्मरण हमें आंतरिक शांति देता है और कठिन समय में मानसिक स्थिरता प्रदान करता है।

हनुमान जी की यह घटना सिर्फ धार्मिक प्रसंग नहीं है, बल्कि एक गहरा जीवन प्रबंधन का पाठ भी है। संकट चाहे कितना भी बड़ा हो, डरने की बजाय धैर्य, योजना और लचीलापन अपनाकर हम उसे पार कर सकते हैं। साथ ही, अपने लक्ष्य की ओ र बढ़ते समय ईश्वर का ध्यान हमें मार्गदर्शन और आंतरिक बल प्रदान करता है।

वैशाख महीने के आखिरी तीन दिन होंगे महा पुण्यदायी

10, 11 और 12 मई को स्नान-दान से मिलेगा अक्षय पुण्य, इन तिथियों में हर दिन हुए भगवान के अवतार

वैशाख के आखिरी तीन दिनों को बहुत ही पवित्र और शुभ माना गया हैं। जो कि इस बार 10, 11 और 12 मई है। इन दिनों में स्नान-दान, व्रत और पूजा करने से पूरे वैशाख मास में किए गए शुभ कामों का पुण्य मिलता है।

स्कन्द पुराण के वैष्णव खण्ड के अनुसार वैशाख मास की आखिरी तीन तिथियां अक्षय पुण्य देने और हर तरह के पाप खत्म करने वाली होती हैं। इसलिए इन्हें पुष्करिणी कहा गया है। इनमें शनिवार को त्रयोदशी, रविवार को चतुर्दशी और सोमवार को पूर्णिमा रहेगी।

भगवान के तीन अवतार हुए इसलिए खास हैं ये दिन

ग्रंथो के अनुसार इन तीन दिनों में भगवान विष्णु के तीन अवतार अवतरित हुए हैं। त्रयोदशी को नृसिंह जयंती, चतुर्दशी को कूर्म जयंती तथा पूर्णिमा को बुद्ध जयंती (बुद्ध पूर्णिमा)। इसलिए वैशाख के अंतिम दिनों में स्नान, दान, पूजन जरूर करना चाहिए।

देवताओं ने कहा कि वैशाख की ये तीन शुभ तिथियां इंसानों के पाप का नाश करने वाली रहेंगी। इनके शुभ प्रभाव से ही उन्हें पुत्र-पौत्र और परिवार का सुख मिलेगा। इन्हीं के प्रभाव से समृद्धि बढ़ेगी। स्कंद पुराण में कहा गया है कि जो पूरे वैशाख में सुबह जल्दी तीर्थ स्नान न कर सका हो, वो सिर्फ इन तिथियों में सूर्योदय से पहले उठकर पवित्र नदियों के जल से नहा ले तो उसे पूरे महीने का पुण्य फल मिल जाता है।

क्या करें इन दिनों में...

वैशाख मास की आखिरी तीन तिथियों में गीता पाठ करने से अश्वमेध यज्ञ का फल मिलता है। इन तीनों दिनों में श्रीविष्णु सहस्रनाम का पाठ करने से कभी न खत्म होने वाला अनंत गुना पुण्य फल मिलता है। वैशाख पूर्णिमा को हजार नामों से भगवान विष्णु का दूध और जल से अभिषेक करता है उसे बैकुण्ठ धाम मिलता है। वैशाख के आखिरी तीन दिनों में श्रीमद् भागवत सुनने से जाने-अनजाने में हुए हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं।

शुभ कर्म ही सच्ची पूंजी, सेवा और सकारात्मक चिंतन से मिलता है जीवन का लक्ष्य

शुभ कर्म ही हमारी मूल पूंजी है। अच्छे काम सुख-समद्धि के बीज भी हैं। इसलिए सदैव शुभ कर्म करते रहें। शुभ कर्मों का अर्थ है दूसरों की सेवा करना, दूसरों के दुर्गुण और दोष न देखना। लोगों में जो सद्गुण हैं, शुभता है, उन्हीं का ध्यान करते रहें। अपनी भाषा में एक ऐसा भाव लाएं कि हम अच्छे शब्द बोल रहे हैं, हमारा चिंतन सकारात्मक है।

'कुली' में 280 करोड रुपये लेकर एशिया के महंगे एक्टर बने रजनीकांत!

आमिर खान और नागार्जुन को मिली 25-30 करोड

'थलाइवा' रजनीकांत पिछले काफी समय से लोकेश कनगराज की फिल्म 'कुली' को लेकर चर्चा में हैं। इसे तमिल सिनेमा की

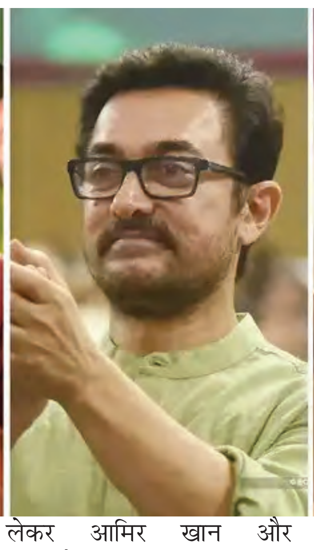
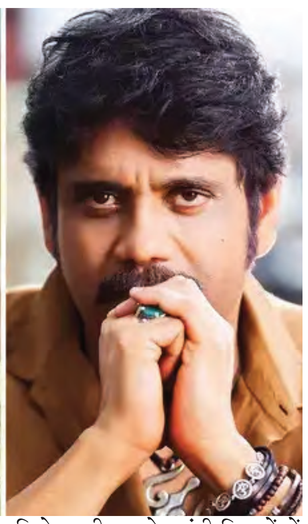

2025 की सबसे बड़ी फिल्म माना जा रहा है। हाल ही मेकर्स ने इसका एक प्रोमो भी रिलीज किया, जिसे जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। एक तरफ जहां यह प्रोमो चर्चा में है, वहीं दूसरी ओर, फिल्म के लिए रजनीकांत से लेकर आमिर खान और अक्किनेनी नागार्जुन की फीस की चर्चा हो रही है। रजनीकांत को तो इतनी फीस मिल रही है कि वह एशिया के हाइएस्ट पेड और सबसे महंगे एक्टर बन गए हैं।

फिल्म 'कुली' का बजट 400 करोड़ रुपये है और इसे भारतीय सिनेमा की सबसे महंगी फिल्मों में से एक बताया जा रहा है। फिल्म में आमिर खान का कैमियो है तो अक्किनेनी नागार्जुन जैसे स्टार भी हैं। तीनों इसमें एक अलग ही अवतार में नजर आएंगे। पर इससे ज्यादा चर्चा रजनीकांत की मोटी फीस की हो रही है।

रजनीकांत की 'कुली' के लिए फीस, एशिया के महंगे एक्टर

एक रिपोर्ट के मुताबिक, 70 वर्षीय रजनीकांत को 'कुली' के लिए 260-280 करोड़ रुपये फीस मिली है। यह आंकड़ा चौंकाने वाला है। क्योंकि इतनी फीस लेकर रजनीकांत ने जैकी चैन से लेकर अमिताभ बच्चन और शाहरुख-सलमान जैसे स्टार्स को भी पछाड़ दिया है।

अक्किनेनी नागार्जुन और आमिर खान की 'कुली' के लिए फीस

वहीं, 'कुली' के लिए अक्कीनेनी नागार्जुन ने भी अपनी फीस बढ़ा दी है। उन्हें इसके लिए 24 करोड़ रुपये मिल रहे हैं। जबकि आमिर खान ने 25-30 करोड़ रुपये चार्ज किए हैं। फिल्म में रजनीकांत, नागार्जुन और आमिर खान के अलावा श्रुति हासन, सत्यराज और उपेंद्र राव भी हैं। पर उनकी फीस की डिटेल सामने नहीं आई है। 'कुली' में पूजा हेगड़े भी हैं। वह एक स्पेशल सॉन्ग में नजर आएंगी और इसके लिए उन्होंने 2 करोड़ रुपये चार्ज किए हैं।

अल्लू अर्जुन पहुंचे आमिर खान के घर क्या होने वाला है कोई नया धमाल?

'पुष्पा 2' स्टार अल्लू अर्जुन को हाल ही मुंबई में आमिर खान के घर पर देखा गया, जिसके बाद से फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं है। अल्लू अर्जुन की जैसे ही आमिर के साथ तस्वीरें सामने आईं, फैंस एक्साइटेड हो गए। कयास लगाए जाने लगे हैं कि कुछ नया धमाल हो सकता है। हो सकता है कि दोनों स्टार्स किसी सीक्रेट फिल्म पर साथ काम कर रहे हों।

हालांकि, अल्लू अर्जुन और आमिर की इस मीटिंग की कोई डिटेल सामने नहीं आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, ऐसी चर्चा है कि अल्लू अर्जुन जल्द ही आमिर खान के बैनर की फिल्म से बॉलीवुड डेब्यू कर सकते हैं। इससे पहले अल्लू अर्जुन और आमिर साल 2023 में साथ नजर आए थे। तब दोनों एक वेडिंग रिसेप्शन में आपस में बात कर रहे थे, और चर्चा होने लगी थी कि वो कोई फिल्म साथ करने वाले हैं। अब दोनों की हाल ही हुई मुलाकात ने इन अफवाहों को और जोर दे दिया है।

क्या आमिर और अल्लू अर्जुन फिल्म में आएंगे साथ?

इंडस्ट्री के लोग भी कथित तौर पर अल्लू अर्जुन और आमिर खान पर नजरें रखे हुए हैं। हालांकि, दोनों एक्टर्स की तरफ से अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। वैसे, जब अल्लू की 'पुष्पा 2' रिलीज हुई थी, तो आमिर ने फिल्म की ब्लॉकबस्टर सफलता पर पूरी टीम को बधाई दी थी। तब अल्लू अर्जुन ने आमिर का आभार जताया था।

एटली की इस फिल्म में नजर आएंगे अल्लू अर्जुन

वहीं, अल्लू अर्जुन अभी एटली की नई फिल्म में बिजी हैं, जिसका नाम फिलहाल AA22 रखा गया है। यह एक एक्शन-पैक्ड साई-फाई फिल्म है। वहीं, वह 'पुष्पा 3' में भी नजर आएंगे, जिसका ऐलान काफी पहले ही कर दिया गया था।

'सिंगल मदर' के टैग में यकीन नहीं रखतीं एशा देओल तलाक के बाद इस तरह कर रहीं बेटियों की परवरिश

धर्मेंद्र और हेमा मालिनी की बेटी और चर्चित अभिनेत्री एशा देओल ने कई फिल्मों में काम किया है। फिल्म 'तुमको मेरी कसम' के जरिए उन्होंने इस साल लंबे अरसे बाद फिर परदे पर वापसी की। निजी जिंदगी की बात करें तो एशा की शादी भरत तख्तानी से हुई। हालांकि अब दोनों का तलाक हो चुका है। एशा और भरत की दो बेटियां हैं। एशा का कहना है कि वे 'सिंगल मदर' के टैग में यकीन नहीं रखतीं।

भरत और एशा मिलकर कर रहे बेटियों की परवरिश

शादीशुदा जिंदगी में उतार-चढ़ाव आने के बाद एशा और भरत ने शादी के करीब 12 साल बाद तलाक ले लिया। यह खबर सभी के लिए चौंकाने वाली थी। अब, एशा ने 'सिंगल मदर' लेबल पर खुलकर बात की और बताया कि वह इसमें यकीन नहीं करती हैं। उन्होंने आगे बताया कि वे अपने एक्स हसबैंड भरत के साथ मिलकर अपनी दोनों बेटियों की परवरिश कर रही हैं।

'सिंगल मॉम जैसा नहीं करती व्यवहार'

एशा देओल ने एक इंटरव्यू में अपनी दो बेटियों राध्या और मिराया की परवरिश को लेकर बात की। उनसे पूछा गया कि क्या सिंगल मॉम बनना मुश्किल रहा या यह रिवॉर्डिंग है? इस पर एशा ने कहा कि वह खुद को सिंगल मॉम के तौर पर नहीं देखती हैं। आगे कहा, 'मैं खुद को सिंगल मॉम के तौर पर नहीं देखना चाहती, क्योंकि मैं खुद सिंगल मॉम की तरह व्यवहार नहीं करती और न ही मैं दूसरे लोगों को मेरे साथ ऐसा व्यवहार करने देती हूं'।

कैसे मैनेज करती हैं?

एशा ने कहा कि उन्होंने और भरत तख्तानी ने अपनी बेटियों की खातिर एकजुट परिवार बनाए रखने के लिए अपनी भूमिकाएं बदल ली हैं। उन्होंने बताया कि अलग होने के बाद भी वे दोनों अपने बच्चों की मिलकर परवरिश करते हैं। एशा ने यह भी बताया कि वह अपने काम और मातृत्व को कैसे मैनेज करती हैं। उन्होंने कहा कि टाइम मैनेजमेंट के जरिए दोनों चीजों में बैलेंस बनाना होगा। एशा ने बताया कि बेटियों के साथ पर्याप्त समय बिताने के लिए वे पहले से ही शेड्यूल तय कर लेती हैं।

मणिरत्नम सर के लिए तमिल में गाना ईश्वर का आशीर्वाद : वैशाली सामंत

ए आर रहमान का नाम हिंदी सिनेमा के शौकीनों ने पहले पहल निर्देशक मणिरत्नम की फिल्म 'रोजा' के गानों के साथ सुना। ये बात है साल 1992 की। इस फिल्म के तमिल गानों को हिंदी में अनुकूलित किया गीतकार महबूब ने। तब वह बांद्रा में सजावटी मछलियों की छोटी सी दुकान चलाते थे। मणि, महबूब और रहमान की ये तिकड़ी फिर लौट रही कमल हासन की नई फिल्म 'ठग लाइफ' में और इसी फिल्म से एक और तिकड़ी के 25 साल पूरे हो रहे हैं। ये तीसरी कलाकार हैं वैशाली सामंत जिन्होंने 25 साल पहले साल 2000 में मणि रत्नम की फिल्म 'अलय पयुदे' से इस संगत की शुरुआत की थी।

गायक वैशाली सामंत के लिए यह पल किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है! 'आईका दाजीबा', 'कोंबड़ी पलाली' (जात्रा), 'अय सखी' (रांझणा), 'छलका छलका रे' (साथिया), 'आया रे तूफान' (छावा), 'रंगा रंगा' (मैदान) और 'यारो यारोड़ी' (अलय पयुदे) जैसे विविध और दमदार गानों के लिए मशहूर वैशाली ने एक बार फिर ऊर्जा से भरपूर नया तमिल गाना 'जिंगुचा' का गाया है। यह गाना मणि रत्नम निर्देशित आगामी फिल्म 'ठग लाइफ' में है, जिसमें दिग्गज अभिनेता कमल हासन मुख्य भूमिका में हैं और इसके संगीतकार हैं ए. आर. रहमान। कमल हासन, सिलंबरसन टीआर और सान्या मल्होत्रा पर फिल्माया गया यह गाना कुछ दिन पहले ही रिलीज़ हुआ है और अपनी धुन और ऊर्जा से फैन्स का दिल जीत रहा है।

'जिंगुचा' वैशाली सामंत की 25 साल पुरानी यात्रा को एक खूबसूरत मोड़ देता है। वही मणि रत्नम, वही रहमान, बस इस बार एक खास ट्विस्ट के साथ इस गाने के बोल खुद कमल हासन ने लिखे हैं। वैशाली कहती हैं, "मुझे बिल्कुल भी पता नहीं था कि मैं मणि रत्नम सर की फिल्म के लिए गा रही हूं। मैं आमतौर पर डिटेल्स नहीं पूछती, मेरा प्रयास बस यही रहता है कि जो भी गाना मिले, उसमें अपनी पूरी जान डाल दूं। बाद में पता चला कि यह 'ठग लाइफ' के लिए है और मेरे लिए यह किसी आशीर्वाद से कम नहीं था!"

हाल ही में वैशाली ने विकी कौशल अभिनीत फिल्म 'छावा' के लिए एक दमदार गाना 'आया रे तूफान' गाया था, और उसे भी रहमान ने ही संगीतबद्ध किया था। इस गाने ने यूट्यूब पर 58 मिलियन से ज़्यादा व्यूज बटोरे हैं। इस गाने की रिकॉर्डिंग के दौरान रहमान ने वैशाली से कहा था, "तुम्हें तमिल में भी गाना चाहिए।" अब 'जिंगुचा' के साथ उनका तमिल म्यूज़िक इंडस्ट्री में एक नया सफर शुरू हुआ है। वैशाली कहती हैं, "रहमान सर ने जो मेरे लिए किया है, उसके लिए कितनी भी बार धन्यवाद कहूं, कम है। 'आया रे तूफान' और अब 'जिंगुचा', मैं खुद को बेहद सौभाग्यशाली मानती हूं कि इतने खास गानों और फिल्मों में मुझे जगह मिली।"

वैशाली के लिए रहमान के साथ काम करना किसी यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेने जैसा है। वह कहती हैं, हर भाषा का अपना एक सांस्कृतिक आकर्षण होता है। 'जिंगुचा' के लिए तमिल उच्चारण में सही लहजा लाना एक प्यारी सी चुनौती थी। गाने में 'जिंगुचा' शब्द कई बार आता है और रहमान सर ने इसे कई अलग-अलग तरीकों से रचने की एक शानदार प्रक्रिया अपनाई। मैं इस ऊर्जा से भरपूर गाने का हिस्सा बनकर बेहद रोमांचित हूं! वह यह भी बताती हैं कि जब गाना फाइनल रूप में रिलीज होता है, तब समझ आता है कि रहमान सर ने किसी लाइन को उस खास तरीके से क्यों गवाया था।

'मासूमों को निशाना बनाने वाले कायर हैं', पुंछ में पाकिस्तान की गोलीबारी पर भड़कीं फातिमा

जम्मू-कश्मीर के पुंछ और आसपास के इलाकों में पाकिस्तान की ओर से की हाल ही में भारी गोलीबारी की गई। इस हमले में 12 मासूम लोगों की जान चली गई। इस हमले में घर, स्कूल और एक गुरुद्वारा भी निशाना बने, जिससे स्थानीय लोग सुरक्षित ठिकानों पर जाना पड़ा। इस घटना पर बॉलीवुड अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने गहरा दुख जताते हुए सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

फातिमा सना शेख ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, नियंत्रण रेखा के पास रहने वाले लोगों के बारे में सोच रही हूं। पुंछ और आसपास के इलाकों में पाकिस्तान की गोलीबारी में 12 मासूमों की जान चली गई, जिनमें चार बच्चे भी शामिल हैं। घर और एक गुरुद्वारा निशाना बने, परिवार अपनी जान बचाने के लिए भाग रहे हैं। मासूमों को निशाना बनाना सबसे कायराना हरकत है। मेरी प्रार्थनाएं उन सभी के लिए है, जिन्हें हमने खो दिया, उन नागरिकों के लिए, जो इस भयावह स्थिति का सामना कर रहे हैं और उन सैनिकों की सुरक्षा के लिए जो सीमा पर डटकर मुकाबला कर रहे हैं।

57 लोग गोलीबारी में घायल

7 मई 2025 की रात को पाकिस्तानी सेना ने पुंछ, राजौरी, कुपवाड़ा और बारामूला जैसे सीमावर्ती इलाकों में भारी गोलीबारी शुरू की। यह हमला भारतीय सेना के 'ऑपरेशन सिंदूर' के जवाब में था, जिसमें भारत ने पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था। पुंछ में इस गोलीबारी ने सबसे ज्यादा तबाही मचाई, जहां 12 नागरिकों की मौत हुई और 57 लोग घायल हो गए। स्थानीय निवासियों के अनुसार 1971 के भारत-पाक युद्ध के बाद यह पहली बार है जब पुंछ शहर के भीतरी इलाकों में इतनी तीव्र गोलीबारी हुई।

इन फिल्मों में दिखेंगी फातिमा सना शेख

वर्क फ्रंट की बात करें तो फातिमा को आखिरी बार पर्दे पर 2023 की फिल्म 'सैम बहादुर' में देखा गया था। इस फिल्म में वह इंदिरा गांधी के किरदार में दिखी थीं। वहीं, उनकी आगामी फिल्मों में 'मेट्रो इन दिनों', 'उल जुलूल इश्क' और 'आप जैसा कोई' जैसी फिल्में शामिल हैं।

वामिका बोलीं, 'बेबी जॉन' में मैंने अपना बेस्ट दिया

पिछले साल वरुण धवन की एक फिल्म 'बेबी जॉन' रिलीज हुई, इस फिल्म में वामिका गब्बी भी बतौर हीरोइन नजर आईं। फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर सफलता नहीं मिली। हाल ही में इस फिल्म के फ्लॉप होने के बारे में वामिका ने बात की।

फिल्म की असफलता का कारण बताया

हाल ही में वामिका कहती हैं, 'मैंने अपना बेस्ट परफॉर्मेंस फिल्म 'बेबी जॉन' में दिया था और मुझे लगता है कि सभी ने अपना बेस्ट दिया था। कई लोगों को यह फिल्म पसंद आई और बहुत से लोगों को यह पसंद नहीं आई। कई लोगों का मनाना था कि यह साउथ फिल्म 'थेरी' की फ्रेम-टू-फ्रेम रीमेक थी, जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है।' बताते चलें कि फिल्म 'बेबी जॉन' साउथ फिल्म 'थेरी' की रीमेक थी। साउथ वाली फिल्म को एटली ने निर्देशित किया था, वहीं हिंदी फिल्म को एटली ने प्रोड्यूस किया। दोनों फिल्मों का खूब कंपैरिजन हुआ, जिसमें 'थेरी' लोगों को ज्यादा अच्छी लगी।

'भूल चूक माफ' में क्या है वामिका का किरदार

फिल्म 'भूल चूक माफ' में वामिका ने एक छोटे शहर की लड़की का रोल किया है। हाल में इस फिल्म के प्रमोशन के दौरान एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में वामिका अपने किरदार के बारे में बताती हैं। वह कहती हैं, 'मैं बहुत खुश हूं कि फिल्म 'भूल चूक माफ' का ऑफर मुझे मिला।

इसमें मैंने तितली का किरदार निभाया है, इसे निभाने में मजा आया। मुझे लगता है कि कई लड़कियां इस किरदार से कनेक्ट करेंगी।'

इस फिल्म की कहानी को भी वामिका अलग बताती हैं। इस फिल्म की कहानी टाइम लूप पर है, फिल्म में हीरो की शादी का दिन आता ही नहीं है, हल्दी वाला दिन ही बार-बार लूप में चलता रहता है।

ऋषभ शेट्टी की 'कांतारा 2' की शूटिंग के दौरान जूनियर आर्टिस्ट का निधन, नदी में डूबने से चली गई जान

साल 2022 में आई कन्नड़ फिल्म 'कांतारा' ने बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल की थी। छोटे बजट की इस फिल्म की तारीफ लोगों ने खूब की थी, जिसके बाद इसके सीक्वल का ऐलान किया गया था। ऐसे में इन दिनों फिल्म के दूसरे पार्ट की शूटिंग जोर-शोर से चल रही है। फैंस को इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म का निर्माण बड़े स्तर पर किया जा रहा है। ऐसे में अब इसी फिल्म के सेट से खबर सामने आ रही है कि इसमें काम कर रहे एक जूनियर आर्टिस्ट का निधन नदी में डूबने से मौत हो गई है। वो 'कांतारा 2' में काम कर रहा था।

'कांतारा 2' में काम कर रहे जूनियर आर्टिस्ट का नाम एमएफ कपिल बताया जा रहा है। उसकी मौत का मामला कोल्लूर पुलिस स्टेशन में दर्ज कर लिया गया है। पुलिस घटना की जांच में जुट चुकी है। इस जूनियर आर्टिस्ट की मौत की वजह से 'कांतारा 2' की शूटिंग भी नहीं की जा रही है। फिल्म की टीम के हवाले से बताया जा रहा है कि लंच ब्रेक में जूनियर आर्टिस्ट सौपर्णिका नदी में तैरने गया और इसी दौरान तेज बहाव के कारण पानी में बह गया। बाद में बचाव अभियान शुरू किया गया। स्थानीय लोगों और फायरफाइटर डिपार्टमेंट की मदद से जूनियर आर्टिस्ट की खोज की गई तो उसका शव बरामद हुआ।

गौरतलब है कि फिल्म 'कांतारा 2' के सेट पर होने वाली घटना कोई पहली नहीं है। इससे पहले भी हादसे हो चुके हैं। इसके पहले खबर सामने आई थी कि कोल्लूर में जूनियर आर्टिस्ट को ले जा रही एक बस पलट गई थी। इस घटना में किसी के घायल होने की जानकारी सामने नहीं आई थी। वहीं, पिछले दिनों बारिश की वजह फिल्म 'कांतारा 2' का महंगा सेट भी खराब हो गया था।

'कांतारा 2' की रिलीज डेट

इसके साथ ही अगर ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांतारा 2' की रिलीज डेट की बात की जाए तो इसे पैन इंडिया रिलीज किया जाएगा। मेकर्स ने फिल्म की रिलीज के लिए 2 अक्टूबर, 2025 की तारीख तय की है।

क्या एक्टर नहीं निर्देशक को डेट कर रहीं हैं सामंथा!

सामंथा रुथ प्रभु अपनी कई आगामी साउथ फिल्मों को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चित है सामंथा की लव लाइफ। उनके फैंस यह जानने के लिए उत्सुक रहते हैं कि आखिर नागा चैतन्य से तलाक के बाद सामंथा किसे डेट कर रही हैं। आखिरकार, सामंथा की लाइफ में अब एक खास शख्स की एंट्री हो गई है।

सामंथा की लाइफ में हुई खास शख्स की एंट्री

एक खबर के अनुसार, नागा चैतन्य और सामंथा के तलाक को अब पूरे 5 साल हो चुके हैं। नागा से अलग होने के बाद सामंथा का दिल निर्देशक राज निदिमोरु के लिए धड़क रहा है। हाल ही में सामंथा ने अपनी फिल्म 'शुभम' को लेकर कुछ बीटीएस तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें सामंथा और राज की कुछ कोजी तस्वीरें भी दिखाई दीं।

क्या राज को डेट कर रही हैं सामंथा

पिछले कुछ समय से सामंथा और डायरेक्टर राज निदिमोरु के अफेयर की अफवाहें उड़ रही हैं। इसी बीच सामंथा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर राज के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिसमें वह राज निदिमोरु के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करती दिखाई दे रही हैं। इन तस्वीरों को पोस्ट करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'नई शुरुआत'। सामंथा रुथ प्रभु की इस इंस्टाग्राम पोस्ट के बाद नेटिजेंस उनसे रिलेशनशिप को लेकर सवाल कर रहे हैं।

कौन हैं राज निदिमोरु

राज निदिमोरु एक साउथ निर्देशक हैं। उनकी पर्सनल लाइफ की बात करें तो वह एक बेटी के पिता हैं। अभी तक सामंथा और राज दो सीरीज में एक साथ काम कर चुके हैं। राज ने सामंथा को 'द फैमिली मैन' और 'सिटाडेलः हनी बनी' जैसी वेब सीरीज में डायरेक्ट किया है। वहीं, अब सामंथा जल्द ही राज की फिल्म 'शुभम' में नजर आएंगी। इतना ही नहीं बल्कि हाल ही में दोनों को पिकलबॉल टीम चेन्नई सुपर चैंप्स में साथ देखा गया था। इसी के बाद से दोनों के अफेयर की अफवाहें शुरू हुई थीं। सामंथा की नई फिल्म 'शुभम' 9 मई को रिलीज होगी।

नागा के साथ सामंथा का रिश्ता

सामंथा रुथ प्रभु की नागा चैतन्य से साल 2017 में शादी हुई थी, लेकिन शादी के 4 साल बाद ही दोनों का तलाक हो गया। दोनों ने साल 2021 में तलाक ले लिया था। तलाक के बाद से ही सामंथा को आगे बढ़ने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। वहीं चैतन्य ने एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला संग शादी कर ली है। अब नागा से अलग होने के बाद सामंथा का नाम निर्देशक राज निदिमोरु के साथ जोड़ा जा रहा है।

'महाभारत' में किसकी भूमिका निभाना चाहते हैं आमिर खान, बोले- 'मैं भगवान कृष्ण से प्रेरित हूं'

बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'सितारे जमीन पर' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इसी बीच एक इंटरव्यू के दौरान आमिर ने अपने ड्रीम प्रोजेक्ट 'महाभारत' के बारे में दिलचस्प खुलासा किया।

आमिर खान लंबे समय से अपने ड्रीम प्रोजेक्ट महाभारत के बारे में बात करते आ रहे हैं। हाल ही में उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट उनके दिल के बहुत करीब है। एक खबर के मुताबिक, उन्होंने बताया, महाभारत बनाना मेरा सपना है, लेकिन यह बहुत मुश्किल है। इस महीने की शुरुआत में आमिर ने पुष्टि की कि महाभारत एक बड़ी फिल्म फ्रैंचाइजी होगी, जिसमें अलग-अलग निर्देशक अलग-अलग हिस्सों पर काम करेंगे। जब उनसे पूछा गया कि वह कौन सा किरदार निभाना चाहेंगे, तो उन्होंने कहा, मुझे भगवान कृष्ण का किरदार बहुत पसंद है। मैं उनसे बहुत प्रेरित हूं।

बड़े पैमाने पर बनाई जाएगी महाभारत'

हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अभी वे इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं बोलना चाहते क्योंकि यह बहुत बड़ा प्रोजेक्ट है। कास्टिंग के बारे में आमिर ने बताया कि हर किरदार के लिए सही अभिनेताओं का चयन किया जाएगा। उन्होंने कहा, हम देखेंगे कि कौन सा किरदार किसके लिए सही है। उन्होंने यह भी साफ किया कि वह खुद इस फिल्म का निर्देशन नहीं करेंगे, क्योंकि यह इतना बड़ा प्रोजेक्ट है कि इसे एक फिल्म में नहीं बताया जा सकता।

जब अजय देवगन के कारण को-एक्टर की पत्नी ने की थी खुदकुशी की कोशिश, खुद सुनाया था किस्सा

अजय देवगन को देखकर ऐसा लगता है कि वो काफी सीरियस इंसान हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। वो बॉलीवुड के मशहूर प्रैंकस्टर हैं और करीना कपूर, परिणीति चोपड़ा उनके प्रैंक का शिकार हो चुकी हैं। उनका मजाक करने का तरीका ऐसा होता है कि कोई भी उनकी बात पर यकीन कर ले। एक बार उनके प्रैंक के चक्कर में एक महिला की जान पर बन आई थी। जी हां! ये किस्सा खुद अजय देवगन ने सुनाया था।

रिपोर्ट के मुताबिक अजय ने एक बार खुद अपने प्रैंक के बारे में बताया था, जिसके कारण उनके को-एक्टर की पत्नी ने नींद की गोलियां खा ली थी। अजय ने बताया कि उनके को-एक्टर की नई-नई शादी हुई थी और उन्होंने उसकी पत्नी के साथ प्रैंक किया था। जब वो अपने पति से मिलना चाहती थी तो अजय उसे बताते थे कि उसके पति का एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर है। हालांकि वो ये जानती थी कि अजय एक मजाकिया इंसान हैं, मगर एक बार उसे उनकी बात पर यकीन हो गया।

इसके बारे में बताते हुए अजय ने कहा था, "हम रात में शूटिंग करते थे तो जाहिर सी बात है कि वो सुबह अपने पति से मिलती होगी। हम उसकी पत्नी को ये बताते रहते थे कि उसके पति का किसी और के साथ अफेयर है और वो रात में कहीं चला जाता है। कोई रात की शूटिंग नहीं है। मैं उससे कहता था कि मैं रात 10.30 बजे अपने कमरे में लौट आता हूं। वो मुझसे कहती थी कि उसने मेरे प्रैंक के बारे में सब सुन लिया है और वो अपने पति पर भरोसा करती है। ये सिलसिला आठ दिनों तक चलता रहा। नौवें दिन जब हम जागे तो पता चला कि उसने सच में गोलियां खा ली थीं और उसे अस्पताल ले जाना पड़ा।"

अजय देवगन और रोहित शेट्टी साथ मिलकर भी प्रैंक किया करते हैं। दोनों ने 'गोलमाल 3' के वक्त करीना को भूत की कहानी सुनाकर उन्हें डराया था। इंडिया फोरम को दिए इंटरव्यू में करीना ने इसके बारे में बताया था।

करीना ने कहा था, "अजय मुझे हमारे होटल में भूत की कहानियों से डराने की कोशिश करते रहते हैं। बेशक, मैं ऐसी डरावनी कहानियों से डर जाती हूं और उन्हें ऐसा करने से रोकने के लिए चिल्लाती रहती हूं, लेकिन वो नहीं मानते! खंडहर की तरह एक होटल है, जिसके बाहर कोई दूसरी बस्ती नहीं है, यहां शायद ही कोई मेहमान आता है और कभी-कभी ये थोड़ा डरावना हो जाता है"

फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने बताया था कि अजय ने करीनी के साथ नकली बम का एक प्रैंक किया था। "वो हरे रंग के बम लाए। अजय के पास वो नकली बम हैं जो फटते नहीं हैं लेकिन असली लगते हैं। उसने एक सिगरेट से जलाया और एक करीना पर फेंका। जब उसने अजय को उसे उसकी ओर बम फेंकते देखा, बेचारी बेबो को अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हुआ। वो चिल्लाई और भाग गई। लेकिन हम लोग हंसते-हंसते लोटपोट हो गए। हालांकि, अजय के चेहरे के हावभाव नहीं बदले।" बता दें कि अजय देवगन के साथ-साथ अक्षय कुमार और आमिर खान भी सेट पर प्रैंक करने के लिए मशहूर हैं।

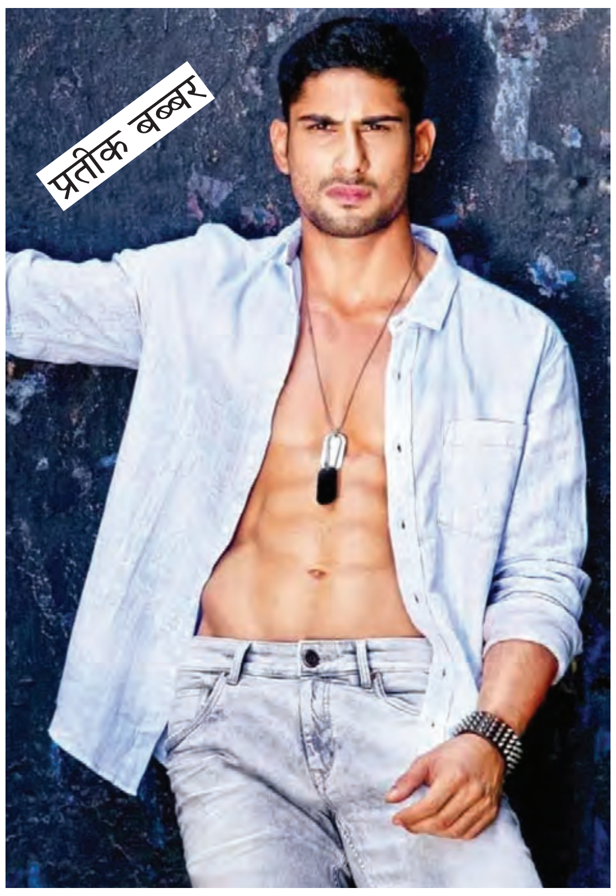

अभिनेता प्रतीक बब्बर को लग गई थी ड्रग्स की खतरनाक लत, बोले- इस कारण मुझे स्कूल-कॉलेज से निकाला

बॉलीवुड अभिनेता प्रतीक स्मिता पाटिल ने अपने जीवन के बारे में खुलासा करते हुए बताया कि उन्हें ड्रग्स लेने की आदत पड़ गई थी, जिसने उन्हें बर्बाद कर दिया था। इसके अलावा उन्होंने अपने स्कूल-कॉलेज के दिनों को भी याद किया और अपने नशे की लत के बारे में बताया।

ड्रग्स की लत में पड़ गए थे प्रतीक

राज बब्बर और स्मिता पाटिल के बेटे एक्टर प्रतीक स्मिता पाटिल हाल ही में एक इंटरव्यू में पहुंचे, जहां बॉलीवुड बबल से बात करते हुए अभिनेता ने अपने जीवन के बारे में कई अनसुने पहलुओं से पर्दा उठाया। अभिनेता ने अपने नशे की हालत के बारे में बताते हुए कहा, 'पिछले कुछ सालों में दादा-दादी ने मेरा सबसे बुरा हाल देखा। मैं उस समय बहुत नशे में रहता था। मेरी दादी का मुझे नशे में ही देखकर निधन हो गया। मुझे इस बात का अफसोस है, काश वह देख पाती कि मैं आज किस तरह का इंसान बन गया हूं।'

आगे बातचीत में अभिनेता ने कहा, 'मैंने जाने तू की शूटिंग की और फिर व्हिसलिंग वुड्स चला गया। मैं यहां वहां थोड़ी बहुत पढ़ाई कर रहा था, क्योंकि मुझे समझ नहीं आ रहा था कि मैं क्या कर रहा हूं। मैं वहां लगभग 2 साल तक रहा और फिर मुझे ड्रग्स लेने के कारण व्हिसलिंग वुड्स से निकाल दिया गया। अब जब मैं इसके बारे में सोचता हूं, तो बहुत फनी लगता है। मैं जिस भी स्कूल और कॉलेज में गया, वहां से मुझे निकाल दिया गया। मैं लोगों के लिए एक खतरा बन गया था।'

प्रतीक स्मिता पाटिल का वर्कफ्रंट

अभिनेता प्रतीक स्मिता पाटिल के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्हें हाल ही में एक्टर नानी की फिल्म 'हिट 3' में देखा गया है। इसके अलावा प्रतीक को सलमान खान अभिनीत फिल्म 'सिकंदर' में भी देखा गया था।

गाड़ी से उतरते वक्त अनुष्का ने नहीं थामा विराट कोहली का हाथ

भारतीय क्रिकेट स्टार विराट कोहली और बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा मंगलवार रात बेंगलुरु में एक साथ नजर आए। इंस्टाग्राम पर अवनीत कौर की पोस्ट लाइक करने के बाद विराट और अनुष्का पहली बार एक साथ सार्वजनिक रूप से नजर आए। एक फैन ने इस पल का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है, जो तेजी से वायरल हो रहा है।

अनुष्का ने नहीं थामा विराट का हाथ

वायरल वीडियो में विराट कोहली गाड़ी से उतरते हुए अनुष्का को सज्जनता से हाथ देते दिखे, लेकिन अनुष्का ने उनका हाथ नहीं थामा और गाड़ी का सहारा लेते हुए नीचे उतर आईं। फिर दोनों रेस्तरां की ओर बढ़े। वीडियो में दोनों कैजुअल लुक में नजर आए। विराट की टी-शर्ट और ट्राउजर में सादगी थी, जबकि अनुष्का स्टाइलिश जंपसूट में खूबसूरत लग रही थीं।

वायरल वीडियो पर फैंस की प्रतिक्रियाएं

विराट और अनुष्का का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस छोटे से क्लिप पर लोग तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, ये मैं क्या देख रही हूं, उन्होंने विराट का हाथ नहीं थामा। दूसरे यूजर ने लिखा, भाभी गुस्सा हैं। एक अन्य ने लिखा, अब एग्लोरिदम समझाएंगी भाभी चीकू भैया को। इसके अलावा और भी बहुत से यूजर्स ने इस वीडियो पर अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं।

इंस्टाग्राम विवाद ने खींचा ध्यान

विराट अपनी बल्लेबाजी के लिए हमेशा चर्चा में रहते हैं, लेकिन हाल ही में अवनीत कौर की एक पोस्ट लाइक करने की वजह से वे सुर्खियों में गए थे। अवनीत की हरे टॉप और मिनी स्कर्ट वाली तस्वीर पर विराट का लाइक फैंस के लिए हैरानी का सबब बन गया था। हालांकि, इसके बाद विराट ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर सफाई देते हुए कहा था, फीड स्क्रॉल करते समय एल्गोरिदम की गलती से पोस्ट लाइक हुई। इसके पीछे कोई इरादा नहीं था। कृपया गलत न समझें।

2017 में रचाई थी शादी

विराट और अनुष्का की जोड़ी क्रिकेट और बॉलीवुड की सबसे प्यारी जोड़ियों में शुमार है। 2017 में शादी के बाद उनकी बेटी वामिका और बेटा अकाय ने उनके रिश्ते को और खास बना दिया। अनुष्का अपनी प्रोडक्शन कंपनी के प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं, जबकि विराट आईपीएल 2025 की तैयारियों में जुटे हैं।

फ्लॉप के सिक्सर के बाद पूजा हेगड़े की गाड़ी खा रही हिचकोले

आमतौर पर हिंदी फिल्मों के निर्माता और निर्देशक ऐसी बातें खुल्लम खुल्ला करते हैं और किसी एक सितारे की फिल्में कतार से फ्लॉप होनी शुरू हो जाएं तो उसे 'पनौती' का नाम तक दे डालते हैं, लेकिन एक तमिल और दो तेलुगु फिल्में करने के बाद हिंदी सिनेमा के सुपरस्टार ऋतिक रोशन के साथ साल 2016 में फिल्म 'मोहजोदाड़ो' में लॉन्च हुई अभिनेत्री पूजा हेगड़े के साथ ऐसा कुछ अभी तक तो नहीं हुआ है। हां, उनकी वरुण धवन के साथ बन रही फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' के ताजिये अभी से ठंडे पड़ते दिख रहे हैं।

अकेले इस साल में हिंदी और अब तमिल में दो बैक टू बैक फ्लॉप फिल्में दे चुकीं अभिनेत्री पूजा हेगड़े की नई हिंदी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। इसी साल के शुरू में रिलीज हुई फिल्म 'देवा' पूजा की हिंदी में लगातार छठी फ्लॉप फिल्म है। निर्देशक आशुतोष गोवारिकर उन्हें साउथ सिनेमा से अपनी फिल्म 'मोहनजोदाड़ो' के लिए खोजकर लाए थे, और अब साउथ सिनेमा से ही पूजा का बोरिया बिस्तर सिमटता नजर आ रहा है। फिल्म 'रेट्रो' के बाद उनके पास तमिल में उनके अभिनेता विजय की आखिरी फिल्म बताई जा रही 'जन नायकन' और 'कंचना 4' ही हैं।

पूजा हेगड़े के नाम के साथ हिंदी की कुछ मेगा बजट फिल्में हैं, जिनमें से एक भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट का तमगा निर्विवादित ढंग से नहीं पा सकती है। साल 2016 में 'मोहनजोदाड़ो' में ऋतिक रोशन का करियर दांव पर लग गया था और अभी पिछले साल 'किसी का भाई किसी की जान'का जो हश्र हुआ, उसने सलमान खान जैसे बीते दिनों के सुपरस्टार के तोते उड़ा दिए हैं। प्रभास की फिल्म 'राधेश्याम' और रणवीर सिंह की सुपरफ्लॉप फिल्म 'सर्कस' में भी पूजा हेगड़े के होने की लोग इन दिनों फिर से गिनती कर रहे हैं।

पूजा हेगड़े का ताजा मामला उनके फिल्म 'देवा' के को-स्टार वरुण धवन का है। वरुण धवन हिंदी फिल्म जगत में करीब-करीब हाशिये पर आ चुके हैं। उनकी वेब सीरीज 'सिटाडेट हनी बनी' का दूसरा सीजन कैंसिल हो चुका है। 'देवा' का बॉक्स ऑफिस पर जो हाल हुआ, वह अब किसी से छुपा नहीं है।

निर्देशक डेविड धवन ने अपने बेटे वरुण धवन की मदद के लिए फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' शुरू की है। इस फिल्म में उन्होंने फिल्म 'देवा' की ही जोड़ी को रिपीट किया है लेकिन फिल्म के पहले शेड्यूल की शूटिंग शुरू हो जाने के बावजूद इस फिल्म में अब न तो किसी कॉरपोरेट घराने ने दिलचस्पी दिखाई है और न ही किसी सैटेलाइट चैनल या ओटीटी की इस फिल्म में रुचि बनती दिख रही है।

अंबानी-अडानी को पाकिस्तान से खतरा?

हाई अलर्ट पर भारत, बड़े हमले की आशंका!

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। एशिया के 2 दिग्गज कारोबारी और सबसे अमीर शख्स मुकेश अंबानी और गौतम अडानी पर पाकिस्तान-भारत टेंशन के बीच बड़ा खतरा मंडरा रहा है. दरअसल, भारत के पाकिस्तान पर ऑपरेशन सिंदूर के बाद से भारत के बॉर्डर्स पर हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है. जिसके चलते भारत सरकार ने पाकिस्तान सीमा के पास स्थित एनर्जी प्रोजेक्ट्स की सुरक्षा कड़ी कर दी है. इनमें गुजरात के जामनगर में स्थित दुनिया की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी और कच्छ जिले में खावड़ा रिन्यूएबल एनर्जी पार्क शामिल हैं. इनकी सुरक्षा को लेकर पहले से हाई अलर्ट था, लेकिन अब सुरक्षा उपायों को और मजबूत कर दिया गया है. ये दोनों बड़े प्रोजेक्ट्स देश और एशिया के दिग्गज कारोबारी मुकेश अंबानी और गौतम अडानी के हैं. ऐसे में भारत-पाक टेंशन के बीच दोनों पर बड़ा खतरा मंडरा रहा है.

अंबानी को कैसे खतरा?

जामनगर में रिलायंस इंडस्ट्रीज की तेल रिफाइनरी दुनिया की सबसे बड़ी रिफाइनरी है, जो हर दिन 14 लाख बैरल तेल प्रोसेस करने की क्षमता रखती है. यह इलाका एक नो-फ्लाई जोन में आता है और पास ही में वायुसेना का एयरबेस भी स्थित है. यही कारण है कि यहां की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरती जाती है.

अडानी पर क्या है खतरा?

खावड़ा रिन्यूएबल एनर्जी पार्क दुनिया का सबसे बड़ा सौर ऊर्जा पार्क है, जिसकी कुल क्षमता 45 गीगावाट है. इसमें अडानी ग्रीन का सबसे बड़ा हिस्सा है, जो 30 गीगावाट का प्लांट विकसित कर रहा है. इसके अलावा एनटीपीसी और गुजरात इंडस्ट्रीज पावर कंपनी भी इस प्रोजेक्ट में शामिल हैं. यह पार्क भारत-पाक सीमा से केवल 1 किलोमीटर की दूरी पर है और बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) इसकी निगरानी करती है.

हाई अलर्ट पर भारत

हाई अलर्ट की वजह यह है कि ये इलाके भारतीय वायुसेना के तीन प्रमुख बेस जामनगर, नलिया और भुज के 50 किलोमीटर के दायरे में आते हैं. सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इन स्थानों पर फिजिकल सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और स्टाफ की ट्रेनिंग जैसे उपाय बेहद जरूरी हैं. हर्टेक ग्रुप के सीईओ सिमरप्रीत सिंह ने कहा कि इन एनर्जी प्रोजेक्ट्स की सुरक्षा के लिए मल्टी-लेयर स्ट्रैटेजी होनी चाहिए. इसमें फिजिकल सुरक्षा, निगरानी, नियमित सेफ्टी ड्रिल्स और साइबर सुरक्षा का खास ध्यान रखना चाहिए. जामनगर एयरपोर्ट समेत देश के 24 अन्य एयरपोर्ट्स को भी 9 मई तक बंद कर दिया गया है, जो सुरक्षा चिंताओं को और बढ़ा देता है. सरकार ने किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की है और निगरानी तंत्र को मजबूत किया गया है.

29 मई से किसान जागरुकता अभियान शुरु करेगी सरकार

शिवराज सिंह चौहान ने बताया क्या इसका फायदा

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को कहा कि सरकार आगामी खरीफ बुआई सीजन के मद्देनजर 29 मई से शुरू होने वाले 15 दिवसीय अखिल भारतीय अभियान की घोषणा की। इसका मकसद 1-1. 5 करोड़ किसानों को आधुनिक तकनीक और नई बीज किस्मों के बारे में जागरूक करना है। पीटीआई की खबर के मुताबिक, 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' नामक अभियान 29 मई से 12 जून की अवधि के दौरान निर्धारित है और इसका लक्ष्य देश के 700 जिलों के 1-1. 5 करोड़ किसानों तक पहुंचना है।

केंद्र 2,000 टीमें बनाएगा

खबर के मुताबिक, राज्यों के सहयोग से केंद्र कृषि वैज्ञानिकों, अधिकारियों और प्रगतिशील किसानों सहित अन्य की 2,000 टीमें बनाएगा। हर टीम की जिला स्तर पर हर दिन तीन बैठकें होंगी। इसका मकसद हर दिन 10-12 लाख किसानों तक पहुंचना है। चौहान ने सभी प्रमुख फसलों की उत्पादकता और उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कृषि विस्तार सेवाओं में सुधार पर जोर दिया। उन्होंने नई तकनीक और

प्रयोगशालाओं में किए गए शोध कार्यों को किसानों के खेतों तक निश्चित समय सीमा के भीतर पहुंचाने पर जोर दिया। चौहान ने कहा कि 29 मई से 12 जून के बीच कृषि वैज्ञानिक और अधिकारी किसानों के बीच रहेंगे। चौहान ने कहा कि टीमें जलवायु-अनुकूल बीज किस्मों, उर्वरकों की उपलब्धता, मानसून पूर्वानुमान और मौजूदा सरकारी कार्यक्रमों के लाभों के बारे में जागरूकता पैदा करेंगी। उन्होंने राज्य के कृषि मंत्रियों से अपने-अपने राज्यों में इस अभियान का नेतृत्व करने का आग्रह किया। चौहान ने कहा कि वे इस अभियान को सफल बनाने के लिए राज्य के मुख्यमंत्रियों को भी पत्र लिखेंगे।मंत्री ने कहा कि कृषि क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं हैं, जिन्हें केंद्र और राज्यों के संयुक्त प्रयासों से साकार करने की जरूरत है।

एस-400 सुदर्शन ने हवा में मार गिराई पाकिस्तान की मिसाइल, रूस से इतने रुपए में हुई थी डील

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद बौखलाए पाकिस्तान ने भारत के कई शहरों को निशाना बनाने की कोशिश की, लेकिन भारत के अत्याधुनिक एस-400 सुदर्शन एयर डिफेंस सिस्टम ने इन प्रयासों को नाकाम कर दिया. यह पहली बार है जब भारत ने इस शक्तिशाली प्रणाली का सक्रिय रूप से उपयोग किया है. भारत ने यह सिस्टम रूस से वर्ष 2018 में 5.43 अरब डॉलर (लगभग 4.65 लाख करोड़) में खरीदा था. समझौते के तहत भारत को कुल पांच यूनिट्स मिलने थे, जिनमें से अब तक तीन यूनिट्स ही प्राप्त हुए हैं. बाकी दो यूनिट्स की डिलीवरी में देरी हो रही है और अब इसके 2026 की शुरुआत तक भारत पहुंचने की उम्मीद है.पहला एस-400 यूनिट दिसंबर 2021 में भारत आया था और इसे पश्चिमी सीमा पर तैनात किया गया था. इसके बाद अगले दो वर्षों में दूसरा और तीसरा यूनिट पश्चिमी और पूर्वी सीमाओं पर तैनात किए गए. एस-400 एक लंबी दूरी की वायु रक्षा प्रणाली है जो हवाई जहाज, ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइल जैसे खतरों को 400 किलोमीटर दूर से ही पहचान कर उन्हें नष्ट करने में सक्षम है.

सोना 1,402 घटकर 96,024 पर आया

एक किलो चांदी 1,174 सस्ती हुई; इस साल सोने का दाम 26% बढ़ा, चांदी 10% महंगी हुई

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। सोने के दाम में आज यानी गुरुवार, 8 मई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,402 घटकर 96,024 रुपए पर आ गया है। कल सोने की कीमत 97,426 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत आज 1,174 रुपए गिरकर 94,600 रुपए प्रति किलो पर आ गई है। बुधवार को चांदी का भाव 95,774 प्रति किलो था। इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 91,450 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 99,750 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 91,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 99,600 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 91,300 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 99,600 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 91,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 99,600 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 99,600 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 91,300 रुपये है।

साल के आखिर तक 1.10 लाख तक जा सकता है सोना

अमेरिकी-चीन के बीच बढ़ते ट्रेड वॉर और मंदी की आशंकाओं के कारण इस साल सोना 3,700 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है। इंटरनेशनल रेट के हिसाब से कैलकुलेट करें तो भारत में 10 ग्राम सोने के दाम 1.10 लाख रुपए तक जा सकते हैं। विदेशी इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैक्स ने ये अनुमान जारी किया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे, ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-50
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त - 18-35
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि प्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मेष में	मेष-	04-26 बजे
चंद्र-	कन्या में	वृष-	06-11 बजे
मंगल	कर्क में	मिथुन-	08-11 बजे
बुध-	मेष में	कर्क-	10-24 बजे
गुरु-	वृष में	सिंह-	12-38 बजे
शुक्र-	मीन में	कन्या-	14-42 बजे
शनि-	मीन में	तुला-	16-48 बजे
राहु-	मीन में	वृश्चिक-	18-57 बजे
केतु-	कन्या में	धनु-	21-11 बजे
		मकर-	23-16 बजे
		कुंभ-	01-08 बजे
		मीन-	02-46 बजे

दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी 12-29 तक उपरान्त त्रयोदशी
मास- वैशाख शुक्ल, शुक्रवार 09 May
नक्षत्र- हस्त 00-08 तक उपरान्त चित्रा
योग- वज्र 02-57 तक उप सिद्धि
करण- बालव 14-56 तक कौलव
विशेष-
व्रत-त्योहार- प्रदोष व्रत

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:36 से 12:13 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	05:50 - 07:24	शुभ	रोग.	18:35 - 20:01	अशुभ
लाभ	07:24 - 09:00	शुभ	काल	20:01 - 21:25	अशुभ
अमृत	09:00 - 10:36	शुभ	लाभ.	21:25 - 22:49	शुभ
काल	10:36 - 12:13	अशुभ	उद्वेग	22:49 - 00:12	अशुभ
शुभ।	12:13 - 13:49	शुभ	शुभ	00:12 - 01:36	शुभ
रोग.	13:49 - 15:25	अशुभ	अमृत	01:36 - 02:59	शुभ
उत्पात	15:25 - 17:01	अशुभ	चंचल	02:59 - 04:24	शुभ
चंचल	17:01 - 18:35	शुभ	रोग	04:24 - 05:50	अशुभ

सब्जियों के भाव घटने से घर में पकाई जाने वाली शाकाहारी थाली 4% सस्ती, मांसाहारी थाली भी सस्ती

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। सब्जियों की कीमतों में भारी गिरावट से घर में पकाई जाने वाली शाकाहारी थाली सालाना आधार पर अप्रैल में चार फीसदी सस्ती होकर 26.3 रुपये पर आ गई है। मासिक आधार पर इसमें एक फीसदी की कमी आई है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की बुधवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, एक साल में टमाटर की कीमतें 34 फीसदी घट गई हैं। आलू के भाव 11 फीसदी और प्याज के भाव 6 फीसदी घटे हैं। हालांकि, खाद्य तेलों के दाम में 19 फीसदी और एलपीजी सिलेंडर की कीमत में छह फीसदी की तेजी ने थाली की कीमतों में और गिरावट को रोक दिया।

मांसाहारी थाली का भाव 53.9 रुपये

रिपोर्ट के अनुसार, मांसाहारी थाली सालाना आधार पर चार फीसदी और मासिक आधार पर दो फीसदी सस्ती होकर 53.9 रुपये पर आ गई है। चिकन और सब्जियों की कीमतों में गिरावट का असर मांसाहारी थाली पर दिखा है। मांसाहारी थाली में 50 फीसदी लागत अकेले चिकन की होती है। जबकि प्याज भी लागत में बहुत योगदान करती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि खाद्य तेलों की कीमतें अगले दो से तीन महीने में कम होने लगेंगी।

तीन फीसदी से नीचे आ सकती है खुदरा महंगाई

इससे पहले बैंक ऑफ बड़ौदा ने एक रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल के आंकड़ों में खुदरा महंगाई की दर तीन फीसदी से नीचे जा सकती है। इसके आंकड़े अगले हफ्ते जारी होंगे। पिछले कुछ समय से खाद्य वस्तुओं खासकर दालों और सब्जियों के भाव में भारी गिरावट आई है जिसका असर खुदरा महंगाई पर दिखेगा। रिपोर्ट के अनुसार, खुदरा महंगाई में कमी से आरबीआई को दरों में कटौती का और अवसर मिलेगा। जून में होने वाली बैठक में रेपो दर में

ज्यादा कटौती हो सकती है। टमाटर, प्याज और आलू उत्पादक राज्यों में गर्मी में कमी आई है। टमाटर की खुदरा कीमत अगस्त, 2024 के बाद से सबसे कम हो गई है। यह अप्रैल, 2025 में सालाना आधार पर 34.4% कम हो गई है। आलू और प्याज की कीमतें अप्रैल, 2025 में सालाना आधार पर क्रमशः 11% और 5.7% घटी हैं।

चावल की खुदरा कीमत 4.1% घटी

चावल की खुदरा कीमत मार्च की तुलना में अप्रैल में 4.1% की घटी है। हालांकि, खाद्य तेलों की कीमतों में तेजी आई हैं, पर यह खुदरा महंगाई को प्रभावित करने की स्थिति में नहीं हैं। टमाटर, प्याज और आलू की आवक में जबरदस्त से कीमतों में गिरावट है।

खाद्य कीमतों में गिरावट बेहतर प्रबंधन का नतीजा

उपभोक्ता मामलों के विभाग की सचिव निधि खरे ने कहा कि खाद्य कीमतों में जो गिरावट आ रही है वह सरकार के बेहतर प्रबंधन का नतीजा है। पिछले साल अलनीनो और भारी गर्मी की वजह से फसलों के उत्पादन और आवक पर असर पड़ा था। इससे महंगाई बढ़ी थी। हालांकि, पीली मटर और चना का आयात करना पड़ा जिससे उपलब्धता बढ़ गई। प्याज और दाल की कीमतों को कम करने के लिए सरकार ने सस्ते भाव पर ग्राहकों को बेचा। अब गर्मी सही है, बारिश का अनुमान अच्छा है तो दालों की पैदावार के साथ सब्जियों की भी कीमतें नियंत्रण में रहने की उम्मीद है।

400 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल, 27 एयरपोर्ट बंद रहे

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद तीनों भारतीय सेनाओं ने कंबाइंड ऑपरेशन सिंदूर चलाते हुए पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक कर उन्हें मिट्टी में मिला दिया। सीमा पर तनाव बढ़ने के बाद भारत की ओर से कई कदम उठाए गए हैं। इनमें देश के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों में करीब 25 एयरपोर्ट्स को अस्थायी रूप से बंद करना भी शामिल है। हालांकि इसके चलते सैकड़ों उड़ानें कैंसिल भी की गई हैं।जानकारी के मुताबिक, सुरक्षा कारणों के चलते कई रूट्स की 400 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल कर दी गई हैं। वहीं, देशभर के 25 छोटे-बड़े एयरपोर्ट्स भी बंद कर दिए गए हैं। आइए जानते हैं क्या है आपके

शहर का हाल?

कितनी उड़ानें रद्द की गई?

इस सुरक्षा अभियान के कारण देशभर में 400 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। यह निर्णय यात्रियों की सुरक्षा और हवाईअड्डों की सुचारू सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए लिया गया है। इससे यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा है, लेकिन सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है। ये सभी फ्लाइट्स 10 मई तक कैंसिल कर दी गई हैं। इसके अलावा देश के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों में ये क्लोजिंग की गई है। इनमें श्रीनगर के अलावा लेह, जम्मू, अमृतसर, पठानकोट, चंडीगढ़, जोधपुर, जैसलमेर, शिमला, धर्मशाला और जामनगर शामिल हैं।

यात्रियों के लिए सलाह

जिन यात्रियों की उड़ानें रद्द हो गई हैं या रिशेड्यूल की गई हैं, उन्हें सलाह दी जाती है कि वे अपनी एयरलाइन से संपर्क करें और ताजा जानकारी प्राप्त करें। इसके अलावा, हवाईअड्डे पर जाने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति अवश्य जांच लें।अब ऐसे में सवाल उठता है कि क्या फ्लाइट कैंसिलेशन पर क्या लोगों को रिफंड मिलेगा? एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने टिकट कैंसिलेशन पर जवानों और सशस्त्र बलों से जुड़े लोगों को पूरा रिफंड और रीशेड्यूलेशन पर छूट देने की घोषणा की है।

क्रिप्टोकरेंसी से करते हैं कमाई तो हो जाएं सावधान, वरना भरना होगा 60% का टैक्स

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। अगर आप भी क्रिप्टोकरेंसी से कमाई करते हैं तो यह खबर आपके काम की साबित हो सकती है। दरअसल क्रिप्टो ट्रेडिंग में हुई कमाई पर अमूमन 30% का टैक्स देना होता है। लेकिन अगर आपने क्रिप्टो से हुई कमाई की जानकारी छुपाई है और यह पकड़ी जाती है, तो उस पर 60% टैक्स और उस टैक्स पर 50% जुर्माना लगाया जा सकता है।दरअसल पिछले कई वर्षों से विदेशी क्रिप्टो एक्सचेंज भारत में टैक्स नियमों की अनदेखी करते हुए सक्रिय रहे हैं। इनका लाभ उठाते हुए कई भारतीय ट्रेडर्स 1% टीडीएस और अन्य टैक्स देनदारियों से बचते रहे हैं। इन प्लेटफॉर्म्स ने नो टैक्स ट्रेडिंग का झांसा देकर यूज़र्स को यह यकीन दिलाया कि वे टैक्स की ज़िम्मेदारी से बच सकते हैं।अगर आप भी अब तक यही सोचकर विदेशी एक्सचेंजों पर ट्रेड कर रहे थे कि टैक्स नहीं देना पड़ेगा, तो अब सच्चाई का सामना करने का समय आ गया है। भारत सरकार ऐसे सभी रास्तों को बंद कर रही है, जिससे टैक्स बचाना अब मुमकिन नहीं रहेगा — और ऐसा करने वालों को अब कानूनी और आर्थिक दोनों तरह की भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है।भारत सरकार जल्द ही क्रिप्टो एसेट रिपोर्टिंग फ्रेमवर्क (कारफ) को लागू करने जा रही है, जिसके ज़रिए विदेशी एक्सचेंजों पर किए गए सभी क्रिप्टो लेन-देन टैक्स अधिकारियों की नज़र में आ जाएंगे। यानी अब यदि आपने टैक्स की जानकारी नहीं दी है, तो सिर्फ बकाया टैक्स ही नहीं, बल्कि भारी जुर्माना भी भरना पड़ेगा।कारफ एक वैश्विक रिपोर्टिंग सिस्टम है, जो सामान्य रिपोर्टिंग मानक (सीआरएस) की तर्ज पर काम करता है। इसके तहत, सदस्य देश क्रिप्टो लेन-देन से जुड़ा डेटा एक-दूसरे से साझा करेंगे ताकि टैक्स चोरी रोकी जा सके।

विदेशी निवेशकों ने जमकर लुटाया इस सेक्टर पर प्यार, खरीदे 38000 करोड़ के शेयर

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। शेयर मार्केट में जिस हिसाब से उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है, इन सबके बीच भी विदेशी निवेशकों ने भरोसा दिखाया है। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआईएस) ने अप्रैल के महीने में भारतीय शेयर बाजार में काफी दिलचस्पी दिखाई है और 38,000 करोड़ रुपए का निवेश किया है।

लेकिन क्या आप जानते हैं विदेशी निवेशकों ने एक सेक्टर पर जमकर प्यार लुटाया है। अकेले फाइनेंशियल सेक्टर में कुल 60 फीसदी तक का निवेश किया है। जिसमें 22,910 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड खरीदारी की है।दूसरे नंबर पर कैपिटल गुड्स सेक्टर रहा इसमें विदेशी निवेशकों ने 2,944 करोड़ रुपए की खरीदारी की है। इससे पहले उन्होंने इस सेक्टर में 3,019 करोड़ रुपए की खरीदारी की थी। तीसरे स्थान पर टेलीकॉम सेक्टर रहा जिसमें निवेशकों ने 2,500 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया है। इसके साथ निवेश तेल और गैस की क्षेत्र में भी निवेश अच्छा रहा इसमें निवेशकों ने 2,401 करोड़ रुपए का निवेश किया है। एफएमसीजी कंपनियों ने भी विदेशी निवेशकों का ध्यान खींचा है। उन्होंने इस क्षेत्र में कुल 2,330 करोड़ रुपए का निवेश किया है।ऑयल एंड गैस कंपनियों के शेयर में भी विदेशी निवेशकों ने 2,401 करोड़ रुपए का निवेश किया है। इसके अलावा, कंज्यूमर, केमिकल, सर्विसेज और ड्यूरेबल्स जैसे सेक्टर्स में भी निवेशकों ने जमकर प्यार लुटाया है और अपनी हिस्सेदारी भी बढ़ाई है।

5.69 लाख करोड़ रुपये का नुकसान, पाकिस्तान के साथ टेंशन से सहमा शेयर बाजार, सेंसेक्स 400 अंक से ज्यादा गिरा

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान और भारत के बीच टेंशन से गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार भी सहम गया। सुबह जहां यह हरे निशान पर खुला था, वहीं शाम को यह लाल निशान पर बंद हुआ। सेंसेक्स 411.97 अंकों की गिरावट के साथ 80,334.81 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 50 में भी गिरावट आई। यह 140.61 अंक लुढ़कर 24,273.80 पर बंद हुआ। इससे पहले सेंसेक्स गुरुवार सुबह 165.56 अंकों की तेजी के साथ 80,912.34 अंक पर खुला था। दिन के कारोबार के दौरान यह 80,927.99 अंक पर पहुंच गया था। लेकिन बाद में बिकवाली के कारण इसमें गिरावट आ गई। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 5.69 लाख करोड़ रुपये घटकर 418.50 लाख करोड़ रुपये हो गया। फाइनेंशियल सेक्टर में सबसे ज्यादा गिरावट आई। यह सेक्टर 1% से ज्यादा गिर गया। एचडीएफसी बैंक के शेयर में भी गिरावट आई। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान में एयर डिफेंस रडार और सिस्टम को निशाना बनाया। इससे बाजार में और गिरावट आई। छोटे और मझोले आकार की कंपनियों के शेयरों में भी गिरावट आई। निफ्टी मिडकैप 100 में 2.5% और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 1.9% की गिरावट आई।टाटा मोटर्स के शेयरों में लगातार दूसरे दिन तेजी आई। यह 3.5% तक बढ़ गया। भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापार समझौते की उम्मीद और कंपनी की डीमर्जर योजना के कारण ऐसा हुआ। शेयर में दो सत्रों में 9% की वृद्धि हुई है और यह अप्रैल के निचले स्तर 542.55 रुपये से लगभग 30% बढ़ गया है। टाटा मोटर्स की मजबूती ने ऑटो सेक्टर में कुछ नुकसान को कम किया। भारत ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों पर मंगलवार रात हमला किया था। इसके बाद भी बुधवार को शेयर मार्केट हरे निशान पर बंद हुई थी। बुधवार को कारोबार के अंत में सेंसेक्स 105.71 अंक की बढ़त के साथ 80,746.78 और निफ्टी 34.80 की मजबूती के साथ 24,414.40 पर बंद हुआ था। बाजार की तेजी का नेतृत्व ऑटो और रियल्टी शेयरों ने किया। निफ्टी ऑटो और रियल्टी इंडेक्स एक प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ बंद हुए। पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, मेटल, एनर्जी और प्राइवेट बैंक इंडेक्स भी हरे निशान में थे। केवल फार्मा और एफएमसीजी इंडेक्स ही लाल निशान में बंद हुए हैं।भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने से रुपये में भारी गिरावट आई है। रुपये की कीमत में लगभग एक महीने में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई। एलएसईजी के आंकड़ों के अनुसार, रुपया 84.82 प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

आपका राशिफल

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
आप पिछले कुछ समय से उपेक्षित महसूस कर रहे हैं लेकिन आज आप पर सबका ध्यान आएगा । लाइमलाइट आप पर रहेगी और आप आसानी से इस अवसर का लाभ उठाकर खुद को साबित कर पायेंगे । यह किसी नए दोस्त के मिलने,पुराने के सामने आने या कार्यस्थल की किसी स्थिति से सम्बंधित भी हो सकता है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आपको थोडा सा अधिक लचीला रुख अपनाना चाहिए ,लेकिन आज आप ना तो कोई अच्छी सलाह और ना ही अपने मन की आवाज सुनना चाहते हैं । आपका यह अड़ियल रवैया आपके लिये घर और कार्यस्थल दोनों ही जगह पर आपके लिए नुक्सान का कारण बनेगा । इसका एक ही समाधान है कि आप अपना दिमाग खुला रखें और दूसरों की भी बातें सुनें ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज का दिन सभी भावनात्मक और वास्तविक मुद्दों के मामले उतार चढाव भरा रहेगा । गृहों की चाल यह बता रही है कि आप सुबह भावनात्मक बने रह सकते हैं और सब चीजों के बारे में अपनी भावनात्मक प्रतिक्रिया के नजरिये से ही सोचेंगे । इससे कुछ गलत फैसलों की भी सम्भावना है लेकिन शाम तक सब ठीक हो जाएगा और आप और स्पष्ट तरीके से सोच और देख पायेंगे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
संचार कुशलता आपकी विशेषता है,आप किसी दोस्त या करीबी से आज कोई ऐसी बात बांटना चाहेंगे जो आप काफी लम्बे समय से सोच रहे हैं । आज अपने गुस्से और निराशा को बाहर निकलने दें । बात करते हुए कोई समाधान भी मिल सकता है ,लेकिन बातें दिल खोलकर करें । दिन के अंत में कोई चोंकाने वाली खबर मिल सकती है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
लम्बे समय के बाद आज आपको रहत महसूस होगी । किसी महत्वपूर्ण खबर से ख़ुशी मिलेगी । यदि माता-पिता हैं तो बेटे/बेटी के लिए सुयोग्य वर मिल सकता है । किसी लंबित अदालती मामले का फैसला आपके पक्ष में हो सकता है । करियर के मामले में छोटे से प्रयास से बड़ी सफलता मिलनी तय है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
अपने जैसी रुचियों और सत्तासीन व्यक्तियों से साझेदारी बनाने की कोशिश करें । कुछ आदमी आपको झूठी आशाएं देने की कोशिशें कर रहे हैं लेकिन आपको उनकी बातों पर ध्यान नही देना है । अपने आप से फैसले लें और उनपर जमे रहें | आप काफी समय से घर खरीदने की सोच रहें हैं,अब आप ऐसा कर सकते हैं ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज का दिन आपके लिए बहुत व्यस्त रहेगा ,या तो आपके पास मेहमान आयेंगे या आप किसी यात्रा पर जा सकते हैं । इसी समय आप अपने घर का नवीकरण ,नया घर खरीदने या दूसरी जगह शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं । हालाँकि आप पूरा दिन बहुत व्यस्त रहेंगे,फिर भी आप दिन का हरेक पल आनंद लेंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज का दिन बदलाव के नाम रहेगा । आपकी मुलाकात ऐसी किसी आदमी से हो सकती है जो आपके जीवन में महत्वपूर्ण बदलावों का या तो खुद कारण बनेगा या बदलाव लाने वाले लोगों से मुलाकात का माध्यम बनेगा । हालाँकि,सभी बदलाव आपके लिए अच्छे नही रहेंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
इस बात के लिए अधिक सोच विचार ना करें कि अप्रत्याशित घटनाएँ क्यों हो रही हैं या बहुत देर क्यों हो रही है ? ये आपके भले के लिए भी हो सकता है जिसके फायदे अभी आपको दिखाई नही दे रहे हैं । अपनी बेहतरीन परफॉरमेंस देने के लिए कुछ नया प्रयोग करें । इससे आपको भी अपने रोजमर्रा के नियमित कार्यक्रम से थोड़ी राहत मिलेगी ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा और बहुत से लोग आपको आपकी दयनीय स्थिति से निकालने के लिए हाथ बढ़ाएंगे । लेकिन आप इस स्थिति में किसी और की गलती की वजह से फंसें हैं,अबकी बार ऐसे लोगों से सावधान रहें । आज आपको अपनी जीत का जश्न मनाना चाहिए ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज का दिन अलग अलग तरह के विचारों और दुनियाभर के नए पैदा हो रहे अवसरों के चलते थोडा सा उलझाने वाला रहेगा । विभिन्न शक्तियां आपको अपनी तरफ खीचेंगी । अधिक सोचने और हर किसी को खुश करने की कोशिश न करें । इसके स्थान पर,अपने मन की ही सुनें.आपके लिए सर्वोत्तम होगा । भले ही आपको इस समय यह सही ना लग रहा हो ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज का दिन नई शुरुआत के लिए बिलकुल सही है । आप अपने आपको पीछे धकेलने वाली चीजों से आज मुक्त महसूस करेंगे । किसी नए अवसर में जिंदगी बदलने की क्षमता है लेकिन आपको उसे समय रहते पकड़ना होगा । समय रहते लिया गया निर्णयात्मक फैसला आपके लिए काफी महत्वपूरण एवं लाभकारी बदलाव ला सकता है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

ताजा घाव से पाकिस्तान के करीबी देश भी घबराए हैं

दुश्मन के लिए तो हमला, हमला ही होता है

नई दिल्ली, 8 मई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। यह हमला होना तय था। इसमें कोई शक नहीं था। जनता का दबाव बहुत ज्यादा था। मीडिया और सोशल मीडिया ने इसे और बढ़ा दिया था। इसलिए, कोई और रास्ता नहीं था। पुलवामा में भले ही ज़्यादा लोग मारे गए थे, लेकिन इस घटना से लोगों में बहुत गुस्सा था। इसलिए जवाब देना ज़रूरी था और भारत ने जवाब दिया। सही तरीके से, जितना ज़रूरी था उतना ही, और सोच-समझकर। पाकिस्तान में हमने एक मीटर अंदर हमला किया या सौ किलोमीटर, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। दुश्मन के लिए तो हमला, हमला ही होता है। लेकिन हमने इतनी दूर तक हमला किया, यह दिखाता है कि हम कितने मज़बूत हैं। हम आतंकवाद को खत्म करने के लिए कहीं भी जा सकते हैं।

इस हमले में बहुत कुछ छिपा हुआ था। सिंदूर" नाम, उसके बाद आए वीडियो, और दो महिला अफसरों का ऐलान करना, ये सब बातें बहुत मायने रखती थीं। इससे पता चलता है कि हमने कितनी अच्छी तरह से तैयारी की थी। हमने दो हफ्ते पहले से ही तैयारी शुरू कर दी थी। हर चीज़ पर ध्यान दिया गया था। सेना के हिसाब से भी और प्रतीकात्मक रूप से भी। इस ऑपरेशन से हमारी ताकत ही नहीं, बल्कि इरादे भी साफ़ नज़र आते हैं।

न्यू इंडियन एक्सप्रेस से कमांडर जी प्रकाश (रिटायर्ड) ने बताया कि भारत ने सिर्फ गुस्से में आकर जवाब नहीं दिया है। हमने इस हमले को दुनिया के सामने सही तरीके से पेश करने की कोशिश की है। हम यह दिखाना चाहते थे कि पाकिस्तान और आतंकवाद का बहुत पुराना नाता है। यह बात सब जानते हैं। हां, एकदम से सबूत देना मुश्किल है, लेकिन हमारे पास बहुत सारे ऐसे सबूत हैं जो इस बात को सच साबित करते हैं। दुनिया को भी यह बात पता है। कुछ दिन पहले, पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने भी माना था कि उनके देश ने आतंकवाद का समर्थन किया है। हालांकि, उन्होंने इसका इल्ज़ाम पश्चिमी देशों पर डालने की कोशिश की थी।

हमने एक ऐसा हमला किया जिसे मैं क्लासिक पनिशमेंट स्ट्राइक कहूंगा। हमने किसी आम नागरिक या सेना के ठिकाने को नहीं छुआ। हमने उनकी हवाई सीमा, ज़मीनी सीमा या समुद्री सीमा का उल्लंघन नहीं किया। हमने सिर्फ उन जगहों पर हमला किया जहां से आतंकवाद फैलता है। हमने यह साफ़ कर दिया कि हम चाहते हैं कि पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज़ आए। यह

हमला लड़ाई को बढ़ाने के लिए नहीं था, बल्कि उन्हें डराने के लिए था। हमने उन्हें चेतावनी दी है कि अगर उन्होंने अपनी हरकतें नहीं बदलीं, तो हम फिर से हमला करेंगे, और भी ज़ोरदार तरीके से।

अब पाकिस्तान पर बहुत दबाव है कि वह जवाबी हमला करे। उनकी सेना का दावा है कि वह भारत से देश की रक्षा करती है। अगर वे जवाब नहीं देते हैं, तो देश में उनकी इज्जत कम हो जाएगी। और वे इसे बहुत गंभीरता से ले रहे हैं। मुझे लगता है कि वे ज़रूर जवाब देंगे, जब तक कि दुनिया के देश उन पर दबाव डालकर उन्हें ऐसा करने से न रोकें। लेकिन उनके सामने मुश्किल यह है कि वे हमला कहं करें? हमने गैर-सैन्य और गैर-नागरिक ठिकानों पर हमला किया। हमने आतंकवाद से जुड़े ठिकानों को निशाना बनाया। भारत में उनके पास ऐसा कुछ भी नहीं है। वे यह नहीं कह सकते कि भारत में "आतंकवादी कैंप" हैं, क्योंकि यहां कोई कैंप नहीं है। इसलिए उन्हें कुछ ऐसा बनाना होगा जो हमारे हमले के बराबर हो। शायद वे किसी सैन्य ठिकाने पर हमला करें और फिर कहें कि हमने भी ऐसा ही किया था। ऐसा पहले भी हो चुका है। बालाकोट के बाद, उन्होंने एक ब्रिगेड मुख्यालय के पास बम गिराए थे। उन्होंने बिना लड़ाई को बढ़ाए अपनी बात कह दी थी।

अगर वे फिर से ऐसा करते हैं और हम शांत रहते हैं, तो हालात सुधर सकते हैं। लेकिन अगर हमने फिर से जवाब दिया, तो कुछ भी हो सकता है। यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि वे आगे क्या करते हैं और हम उस पर कैसे जवाब देते हैं। एक बार जब पहला हमला हो जाता है, तो सब कुछ तेज़ी से बदलने लगता है। फिर आपकी योजनाएं काम आती हैं। आप योजना नहीं बनाते, बल्कि काम करते हैं। किसी को भी यह गलतफहमी नहीं होनी चाहिए कि इस हमले से आतंकवाद खत्म हो जाएगा। ज़्यादा से ज़्यादा, यह कुछ समय के लिए आतंकवाद को रोक सकता है। हमने पहले भी ऐसे हमले किए हैं। लेकिन सच यह है कि हमारे पास लंबे समय तक दबाव बनाए रखने के लिए ज़रूरी योजनाएं नहीं हैं। पानी जैसी बुनियादी चीज़ को ही ले लीजिए। हमने पानी को दबाव बनाने के लिए इस्तेमाल करने की बात की है, लेकिन हमने कभी ऐसे बांध नहीं बनाए जिनसे हम सच में दबाव बना सकें। यह कहना आसान है कि "मैं तुम्हें मारूंगा", लेकिन मारने के लिए हाथ भी तो होने चाहिए।

सही रणनीति यह है कि पाकिस्तानी सेना को देश में कमज़ोर किया जाए। सेना उनके देश की 60% से ज़्यादा अर्थव्यवस्था को कंट्रोल करती है। वे किसी को जवाबदेह नहीं हैं। वे बाहरी दुश्मनों की कहानियां बनाकर खुद को बचाते हैं। अगर उनकी पकड़ कमज़ोर हो जाती है, तो सुधार हो सकता है। लेकिन हमारे जैसे लोकतंत्रों में लंबे समय तक एक ही रणनीति पर टिके रहना मुश्किल होता है। चुनाव होते रहते हैं, जिससे लगातार दबाव बनाए रखना मुश्किल हो जाता है। पाकिस्तान में अंदरूनी लड़ाई चल रही है। अलग-अलग जातियों के लोग आपस में लड़ रहे हैं। लोग अलग देश बनाने की बात कर रहे हैं। बिजली और खाने जैसी ज़रूरी चीज़ों की कमी है। लोग गुस्से में हैं। सेना के पास सिर्फ एक ही चीज़ है जो उन्हें एकजुट रख सकती है, और वह है बाहरी दुश्मन। इसलिए वे जवाब ज़रूर देंगे। वे जीतने के लिए नहीं, बल्कि खुद को बचाने के लिए जवाब देंगे।

बाहरी ताकतें भी मौके का फायदा उठाने की कोशिश कर सकती हैं। चीन, उदाहरण के लिए, पाकिस्तान को निगरानी, साइबर सपोर्ट या समुद्री जानकारी दे सकता है। लेकिन वे ऐसा कुछ भी नहीं करेंगे जिससे पीओके में उनके निवेश को खतरा हो। बांग्लादेश के हालिया कदमों को बदलाव के तौर पर देखा जाना चाहिए।

भूगोल की वजह से वे भारत से जुड़े रहेंगे। रूस, चीन को शांत करने की कोशिश कर सकता है। अमेरिका, जो अभी थोड़ा परेशान है और सावधानी बरत रहा है, वह इस मामले में तटस्थ बना हुआ है। तुर्की का युद्धपोत सिर्फ दिखावा है। ये सब प्रतीकात्मक कदम हैं।

एसएनएमएमसीएच की बाउंड्रीवॉल निर्माण पर बवाल

कोचाकुली के ग्रामीणों ने किया विरोध, पुलिस से हुई नोकझोंक

धनबाद, 8 मई (एजेंसियां)। निर्मल महतो मेमोरियल मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एसएनएमएमसीएच) की सुरक्षा व्यवस्था के लिए किए जा रहे बाउंड्रीवॉल का गुरुवार को कोचाकुली के ग्रामीणों ने जमकर विरोध किया। खूब हंगामा भी हुआ।

इस बीच मौजूद पुलिस कर्मियों के साथ ग्रामीणों की नोकझोंक भी हुई। बात धक्का मुक्की तक जा पहुंची। सूचना पाकर एडीएम पीयूष सिन्हा और डीएसपी विधि व्यवस्था नौशाद आलम स्थिति को नियंत्रण करने पहुंचे।

ग्रामीणों ने बताया कि कोचाकुली के ग्रामीणों की जमीन पर एसएनएमएमसीएच बना है और विस्थापितों को जमीन के बदले न तो मुआवजा मिला और न नौकरी। आज जब ग्रामीण दुकान चलाकर अपनी जीविका चला रहे हैं तो ऐसे में एसएनएमएमसीएच की सुरक्षा का हवाला देकर बॉउंड्री कर रास्ते को बंद किया जा रहा है।

डीएसपी विधि व्यवस्था नौशाद आलम ने बताया कि एसएनएमएमसीएच की सुरक्षा के दृष्टिकोण से बॉउंड्रीवाल की जा रही है, जिसके बाद आने जाने के लिए एक गेट रहेगा। ग्रामीणों को यही समझाने का प्रयास किया जा रहा है कि उनके आने जाने के लिए रास्ता भी दिया जा रहा है। बता दें कि सीओ और प्रतिनियुक्त मजिस्ट्रेट कि निगरानी में बाउंड्रीवाल का कार्य शुरू किया गया था।

ग्रामीणों के हंगामे की आशंका पर भारी संख्या में महिला-पुरुष बल की तैनाती की गई। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है।

छत्तीसगढ़ में भिलाई को ही मॉकड्रिल के लिए क्यों चुना

1971 भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद कैसे थे हालात, रिटायर्ड बीएसपी कर्मियों ने बताया

भिलाई, 8 मई (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान से तनाव के बीच बुधवार (7 मई) की शाम देश की 244 जगहों समेत छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में भी मॉकड्रिल किया गया। इस दौरान जिले के बुजुर्गों ने 1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध के समय हुए मॉकड्रिल का समय याद किया।

भिलाई स्टील प्लांट से रिटायर हुए दो कर्मियों से बात की। छत्तीसगढ़ में 1971 युद्ध के बाद और अब भिलाई को ही मॉकड्रिल के लिए क्यों चुना गया, युद्ध के बाद यहां कैसे हालात थे इस रिपोर्ट में पढ़िए

आरएन विद्यार्थी ने बताया कि मॉकड्रिल के दौरान पूरे शहर में ब्लैकआउट हो जाता था। पुलिस की गाड़ियां सायरन बजाती हुई निकलती थीं। भिलाई स्टील प्लांट की चिमनियों से सायरन बजता था और उसके बाद सभी लोग अपने अपने घरों के अंदर घुस जाते थे।

उस दौरान अगर कोई भी लाइट जलाता और घर के बाहर निकलता तो पुलिस की गाड़ियां वहां पहुंच जाती और उन्हें ऐसा ना करने की हिदायत देती थी। उस दौरान भिलाई में हुआ मॉकड्रिल काफी लंबा चला था। ऐसा लग रहा था मानो भिलाई खत्म होने वाला है। लोग काफी डरे थे। हालात ऐसे थे कि लोग घरों से बाहर निकलने में डरने लगे थे। फिर भी उन्होंने हौसला नहीं हारा और अपना डर बाहर नहीं आने दिया।

वैशाली नगर निवासी एसएस उपाध्याय ने बताया कि उस समय भिलाई टाउनशिप में रहते थे। जब युद्ध शुरू हुआ तो भिलाई में इससे भी बुरे हालात हो गए थे। लोगों को घरों से बाहर निकलने से मना किया जाता था। लोगों ने घरों की खिड़कियों को पेपर और कार्डबोर्ड लगाकर बंद कर दिया था।

1971 के भारत-पाक युद्ध के समय शाम होते ही घरों में अंधेरा छा जाता था। आमतौर पर लोगों के घरों की लाइट नहीं जला करती थी, क्योंकि ये हिदायत थी कि शहर में अंधेरा रखा जाए, ताकि अगर दुश्मन का विमान वहां आ भी जाए तो उसको नीचे कुछ भी नजर नहीं आए।

संवेदनशील इलाकों में रहने वाले नागरिकों को एयर रेड प्रोटोकॉल समझाए गए कि हमला होने पर कहां छिपना है, कैसे बत्ती बंद करनी है।

1971 के युद्ध देखने के बाद जिन लोगों ने उस समय का डर देखा है, जब उनसे पूछा गया कि पाकिस्तान के साथ भारत का युद्ध होना चाहिए या नहीं तो सभी का कहना है कि युद्ध जरूरी हो गया। युद्ध से ही पाकिस्तान को सबक सिखाया जा सकता है।

कर्रेगुट्टा में 22 नक्सलियों के ढेर होने की खबर

गृहमंत्री शर्मा बोले- ये भ्रामक, आंकड़े गलत संकल्प नाम का भी कोई ऑपरेशन नहीं

जगदलपुर, 8 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ और तेलंगाना बॉर्डर पर स्थित कर्रेगुट्टा की पहाड़ियों पर बुधवार को 22 नक्सलियों के मारे जाने की खबर सामने आई। दोपहर को सीएम विष्णुदेव साय ने नक्सलियों के शव बरामद होने की बात कही। इसके बाद से यह मामला चर्चा में आ गया। लेकिन शाम को प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा ने इस खबर का खंडन कर दिया।

इस बीच तेलंगाना के मुलुगु जिले में ग्रेहाउंड्स और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। बताया जा रहा है कि हैवी फायरिंग और आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आने से ग्रेहाउंड्स के 5 जवान शहीद हो गए हैं। फिलहाल आधिकारिक पुष्टि नहीं है। वहीं 8 नक्सलियों के भी मारे जाने की खबर है।

इसमें सीसीएम(सेंट्रल कमेटी मेंबर) चंद्रना, बंडी प्रकाश एसजडसीएम (स्पेशल जोनल कमेटी मेंबर) भी शामिल है। बता दें कि कर्रेगुट्टा की पहाड़ियों पर 16 दिनों से नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन चल रहा है।

कर्रेगुट्टा पहाड़ करीब 5 हजार फीट ऊंचा हैं, 44 डिग्री तापमान, और लो ऑक्सीजन लेवल जैसी स्थिति है। हाथों में हथियार, मैग्जीन पाउच, 5 से 6 लीटर पानी की बोतल, राशन सामान के साथ लगभग 30 से 35 किलो का सामान लादकर जवान 15 दिनों की पैदल चढ़ाई कर ऊंचाई पर पहुंचे।

कर्रेगट्टा, कोत्तापल्ली, पुजारी कांकेर, धर्मावरम, नम्बी के ऊपरी हिस्से को नक्सलियों का अभेद किला कहा जाता है। यहां छत्तीसगढ़ और तेलंगाना स्टेट कमेटी के सैकड़ों नक्सलियों का डेरा है। यहीं से नक्सल संगठन ऑपरेट होता है। यहां तक फोर्स पहुंच गई है। लेकिन इलाका बेहद

बड़ा है। 2 दिन पहले ही कर्रेगुट्टा की पहाड़ी पर मुठभेड़ में जवानों ने एक महिला नक्सली को मार गिराया था। मौके से शव और हथियार बरामद किया गया। 22 अप्रैल से शुरू हुए नक्सल ऑपरेशन में फोर्स ने अब तक कुल 4 महिला नक्सलियों को ढेर किया है। चारों के शव बरामद कर लिए गए हैं।

एनकाउंटर के बीच सोमवार को यहां सीआरपीएफ के सहायक कमांडेंट सागर बोराडे आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आ गए। धमाका इतना जोरदार था कि उन्हें अपना पैर गंवाना पड़ा। घायल कमांडेंट को दिल्ली रेफर किया गया है। यहां एम्स में उनका इलाज जारी है।

मंत्री रामविचार नेताम ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी थी। मंगलवार को बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने बताया था कि, नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन जारी है।

अब तक अलग-अलग मुठभेड़ में कुल चार नक्सलियों की डेड बॉडी रिकवर कर ली गई है। जवानों ने घटनास्थल से 303 हथियार समेत अन्य विस्फोटक पदार्थ भी बरामद किए हैं। नक्सलियों के कई बड़े कैडर्स को भी नुकसान हुआ है। कई घायल भी हो सकते हैं।

मॉर्निंग वॉक पर निकली महिला से चेन स्नैचिंग

सीसीटीवी में कैद हुई वारदात, बाइक से आए थे दो बदमाश, 1 लाख के सोने का हार लूटा

कोडरमा, 8 मई (एजेंसियां)। कोडरमा के तिलैया थाना क्षेत्र में सोनापट्टी गली में एक महिला से चेन स्नैचिंग की घटना सामने आई है। गुरुवार सुबह करीब 7 बजे मॉर्निंग वॉक से लौट रही अनिता देवी के गले से बाइक सवार दो युवकों ने सोने का हार छीन लिया। पीड़िता अनिता देवी ने तिलैया थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि घर के नजदीक दो युवक बाइक से आए। इनमें से एक ने हेलमेट पहन रखा था। दूसरे युवक ने धारदार औजार से हार काटकर छीन लिया और बाइक से भाग निकले। अनिता ने शोर मचाया, लेकिन आसपास कोई नहीं था। उनके गले पर खरोंच के निशान भी हैं। चोरी किया गया हार करीब 12 ग्राम का था, जिसकी कीमत एक लाख रुपए से अधिक है। पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई है। तिलैया थाना प्रभारी विनय कुमार ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान की जा रही है। पुलिस जल्द ही मामले का खुलासा करने का दावा कर रही है।

छत्तीसगढ़ व्यापमं ने 2026 परीक्षा कैलेंडर जारी किया

जनवरी से मार्च तक व्यापमं की 8 बड़ी भर्तियों का शेड्यूल, फार्मासिस्ट परीक्षा अगस्त 2025 में

रायपुर, 8 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापमं) ने वर्ष 2026 की पहली तिमाही यानी जनवरी से मार्च के बीच आयोजित की जाने वाली प्रमुख परीक्षाओं का कैलेंडर जारी कर दिया है।

इस बार कुल 8 विभागों की भर्तियों की तारीखें घोषित की गई हैं। इनमें से सबसे पहले परीक्षा का आयोजन स्वास्थ्य विभाग की ओर से होगा, जो जनवरी से भी पहले अगस्त 2025 में फार्मासिस्ट ग्रेड-2 के पदों के लिए आयोजित की जाएगी।

व्यापमं की तरफ से 3 मई 2025 को यह परीक्षा कैलेंडर जारी किया गया है। इसमें स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, पीडब्ल्यूडी और जल संसाधन जैसे अहम विभागों की भर्तियां शामिल हैं। इस कैलेंडर से उम्मीदवारों को तैयारी के लिए लंबा समय मिल जाएगा। छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत फार्मासिस्ट ग्रेड-2 की परीक्षा 31 अगस्त 2025 को आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा व्यापमं की सबसे पहले आयोजित होने वाली परीक्षा है और इसमें बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के शामिल होने की उम्मीद है। खास बात यह है कि यह परीक्षा जनवरी 2026 के शेड्यूल से पहले रखी गई है, लेकिन व्यापमं ने इसे भी इसी कैलेंडर में शामिल किया है।

इस कैलेंडर से उन छात्रों को बड़ी राहत मिली है जो व्यापमं द्वारा आयोजित होने वाली परीक्षाओं की तैयारी कर रहे थे, लेकिन उन्हें परीक्षा की संभावित तारीखों की जानकारी नहीं थी।

इस साल की शुरुआत से ही व्यापमं द्वारा कई नई भर्तियों के लिए अधिसूचनाएं जारी की जा रही हैं। अब परीक्षा की संभावित तारीखें तय होने से छात्रों को अपनी रणनीति बनाने और समय प्रबंधन करने में आसानी होगी।

व्यापमं ने फिलहाल केवल परीक्षा तिथियों का कैलेंडर जारी किया है। हर भर्ती परीक्षा से जुड़ी पदों की संख्या, शैक्षणिक योग्यता, आयु सीमा, आरक्षण व्यवस्था और आवेदन प्रक्रिया की जानकारी संबंधित विभाग के द्वारा अलग से जारी की जाएगी।

अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे व्यापमं की वेबसाइट और विभागीय पोर्टल पर नियमित रूप से नजर बनाए रखें ताकि जैसे ही विस्तृत विज्ञापन जारी हो, वे समय रहते आवेदन की प्रक्रिया पूरी कर सकें। व्यापमं द्वारा जारी शासकीय आदेश में स्पष्ट किया गया है कि ये तिथियां संभावित हैं और इनमें आवश्यकता अनुसार परिवर्तन भी किया जा सकता है।

गिरिडीह रेलवे ओवरब्रिज के पास हादसा

बाइक सवार मरा, शादी से घर वापस लौटने के दौरान हादसा, अज्ञात वाहन ने मारा टक्कर

गिरिडीह, 8 मई (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले के जमुआ थाना क्षेत्र स्थित रेलवे ओवरब्रिज के समीप एक बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने बुधवार की देर रात अपनी चपेट में ले लिया। इससे बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची जमुआ थाना की पुलिस ने घायल युवक को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जमुआ पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार जमुआ थाना क्षेत्र के प्रतापपुर निवासी नकुल यादव का 32 वर्षीय बेटा अजीत कुमार यादव जमुआ चौक के समीप आयोजित एक विवाह कार्यक्रम में शामिल होकर रात लगभग दो बजे अपने घर दो पहिए वाहन से लौट रहे थे। जब वह जमुआ गिरिडीह मुख्य मार्ग स्थित रेलवे ओवरब्रिज के समीप पहुंचे तो उन्हें किसी अज्ञात वाहन ने अपने चपेट में ले लिया, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गए। सड़क पर घायल व्यक्ति को देख कर आने जाने वाले राहगीरों ने इसकी जानकारी जमुआ पुलिस को दी। जिसके बाद जमुआ थाना की पुलिस ने मौके पर पहुंच कर अजित को इलाज के लिए अस्पताल भेजवाया।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद हाई अलर्ट पर रांची एयरपोर्ट

डॉग स्क्वॉड तैनात, सख्त चेकिंग, मॉक ड्रिल के जरिए सीआरपीएफ के जवान सतर्क

रांची, 8 मई (एजेंसियां)। भारत-पाक के बीच तनाव की स्थिति के बीच देशभर में अलर्ट की स्थिति है। तमाम एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त कर दी गई है। इसी कड़ी में झारखंड की राजधानी रांची स्थिति बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। एयरपोर्ट में सीआईएसएफ के जवान लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। सुरक्षा में किसी तरह की चूक न हो इसे देखते हुए लगातार मॉक ड्रिल से खुद को अलर्ट कर रहे हैं। वहीं डॉग स्क्वाड की मदद से लगातार जांच की जा रही है।

किसी भी तरह की आकस्मिक स्थिति पैदा न हो इसे देखते हुए सीआईएसएफ के जवान लगातार गश्त भी कर रहे हैं। एयरपोर्ट के पार्किंग और एंट्री-एग्जिट एरिया में विशेष ध्यान रखा जा रहा है। हर पैसेंजर और उनके सामान की सतर्कता से जांच की जा रही है। एयरपोर्ट मैनेजमेंट की ओर से मिली जानकारी के अनुसार पूरा एयरपोर्ट हाई अलर्ट मोड में है।

एयरपोर्ट की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एयरपोर्ट के चप्पे-चप्पे पर सीआईएसएफ के जवानों की तैनाती की गई है। एयरपोर्ट पर होने वाली हर गतिविधियों पर पैनी नजर रखी जा रही है। सीआईएसएफ की टीम का कहना है कि यह कार्रवाई एहतियातन की जा रही है ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते निष्क्रिय किया जा सके। यात्रियों के बैग्स की गहन जांच के साथ-साथ हर आने-जाने वाले व्यक्ति पर नजर रखी जा रही है। फिलहाल रांची एयरपोर्ट समेत राजधानी में सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट मोड पर हैं और अगले कुछ दिनों तक इसी तरह सघन चेकिंग जारी रहने की संभावना है।

नेशनल स्तर के दिव्यांग खिलाड़ी ने मांगी इच्छा मृत्यु

कबीरधाम, 8 मई (एजेंसियां)। प्रदेश के चर्चित नेशनल स्तर के खिलाड़ी ने कबीरधाम जिला कलेक्टर के पास इच्छा मृत्यु की मांग की है। कबीरधाम जिले के ग्राम नेवरी निवासी शिवकिंकर नेताम पिता तुलसी राम नेताम दिव्यांग है। दिव्यांग श्रेणी के एथलेटिक्स खेल में कबीरधाम जिले के साथ-साथ नेशनल स्तर के प्रतियोगिता में राज्य का प्रतिनिधित्व किया है। कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचे दिव्यांग खिलाड़ी शिवकिंकर ने बताया कि उनके खेल के उत्कृष्ट प्रदर्शन व गरीबी स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन ने नगर पालिका कवर्धा में डेली वेज पर कार्य दिलाया था।

झारखंड में ईडी की छापेमारी, जीएसटी से जुड़ा है केस

रांची और बंगाल के 9 जगहों पर कार्रवाई

रांची, 8 मई (एजेंसियां)। झारखंड में प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने एक बार फिर दबिश दी है। आज सुबह से ईडी की टीम रांची के कांके रोड, बोकारो के अलावा बंगाल के कुल 9 जगहों पर जांच कर रही है। राजधानी रांची के ईशान अपार्टमेंट के दूसरे तल्ले में टीम दो गाड़ियों में पहुंची। यहां रहने वाले विवेक नारसरिया नाम के व्यक्ति के यहां टीम जांच कर रही है।

बताया जा रहा है कि विवेक कई तरह के व्यवसाय से जुड़े हुए हैं। जीएसटी घोटाले से जुड़े जिस मामले को लेकर ईडी जांच कर

रही है, उसका ईसीआर कोलकाता में दर्ज कराया गया था। जानकारी के अनुसार सुबह से चल रही जांच में करोड़ों रुपए के फर्जी दस्तावेज बरामद हुए हैं। इस जीएसटी घोटाले में शिव कुमार दिवरा, सुमित गुप्ता और अमित गुप्ता प्रमुख आरोपी हैं। इन तीनों पर 14,325 करोड़ रुपए के फर्जी जीएसटी बिल बनाकर करीब 800 करोड़ रुपए की टैक्स चोरी का आरोप है। ईडी को शक है कि इस घोटाले के तार हवाला और शेल कंपनियों के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग से भी जुड़े हुए हैं। छापेमारी के दौरान ईडी को कई कंपनियों के फर्जी रजिस्ट्रेशन, जाली बिल और जीएसटी से संबंधित बड़ी संख्या में दस्तावेज मिले हैं। सूत्रों के अनुसार, जिन फर्मों के नाम पर टैक्स रिटर्न फाइल किए गए हैं, उनमें से कई कागजों पर ही चल रही थीं और उनका कोई वास्तविक कारोबार नहीं था। ईडी अधिकारियों की टीमें अभी भी इन दस्तावेजों की जांच में जुटी हैं।

पाकिस्तानी पीएम शहबाज ने तुर्किए के राष्ट्रपति को भाई कहा

चीन-तुर्किये के अलावा कोई भी देश पाक के साथ नहीं, इजराइल भारत के साथ

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगन को 'भाई' कहा है और भारत के खिलाफ साथ देने के लिए शुक्रिया कहा है। उन्होंने कहा कि यह पाकिस्तान के लिए कठिन समय है।

पीएम शहबाज ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा, मैंने राष्ट्रपति एर्दोगन से पाक सेना के एक्शन की जानकारी दी है और कहा है कि पाकिस्तान हर कीमत पर अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा करेगा।

ऋषि सुनक बोले- आतंकियों को छूट नहीं दे सकते

पूर्व ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक ने भारत का सपोर्ट करते हुए लिखा कि किसी भी देश को दूसरे देश की जमीन से अपना यहां हो रहे हमले स्वीकार नहीं करने चाहिए। भारत का आतंकी ठिकानों पर हमला सही है। आतंकवादियों को किसी भी तरह की छूट नहीं दे सकते।

अमेरिका- हालात पर नजर बनाए हुए हैं

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने X पर पोस्ट कर बताया है कि वो भारत और पाकिस्तान के बीच स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। रुबियो ने कहा है कि शांतिपूर्ण समाधान समाधान के लिए भारत और पाकिस्तान के साथ बातचीत जारी रहेगी।

राष्ट्रपति ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में कहा- यह बहुत भयानक है। मैं दोनों के साथ मिलकर काम करता हूं, मैं दोनों को बहुत अच्छी तरह से जानता हूं, और मैं उन्हें इसे सुलझाते हुए देखना चाहता हूं। मैं उन्हें रुकते हुए देखना चाहता हूं।

उन्होंने जैसे को तैसा वाली नीति अपनाई है, इसलिए उम्मीद है कि अब वे ऐसा करना बंद कर देंगे। हम दोनों देशों के साथ बहुत अच्छे संबंध रखते हैं। अगर मैं कुछ मदद कर सकता हूं, तो मैं वहां जरूर रहूंगा।

इससे पहले ट्रम्प ने इस घटना को शर्मनाक बताया था। उन्होंने कहा- मुझे लगता है कि लोगों को पता था कि कुछ होने वाला है। वे लंबे समय से लड़ रहे हैं। अगर आप इसके बारे में सोचें तो वे कई दशकों और सदियों से लड़ रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि यह जल्द ही खत्म हो जाएगा।

हमें भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया घटनाक्रम पर गहरी चिंता है। दोनों पक्षों से संयम बरतने और डिप्लोमेसी के जरिए बातचीत जारी रखने के अपील करते हैं। मिस्र के विदेश मंत्रालय को जोर संकट को कम करने और इसे और बढ़ने से रोकने के लिए कोशिश करने पर है।

ईरान ने भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव को लेकर गहरी चिंता जताई है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाकेई ने दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील की। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची आज भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से मिल सकते हैं।

तुर्की के राजदूत ने विदेश मंत्री इशाक डार से मुलाकात कर पाकिस्तान के साथ एकजुटता दोहराई। तुर्की के राजदूत ने इसे पाकिस्तान की संप्रभुता का उल्लंघन माना और निर्दोष लोगों की मौत पर शोक जताया।

तुर्की ने कहा कि कश्मीर मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों की आकांक्षाओं के आधार पर हल किया जाना चाहिए। वहीं, तुर्किये के विदेश मंत्री हकान फिदान ने भी पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री मुहम्मद इशाक डार को फोन कर एकजुटता जाहिर की।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने 7 मई को पाकिस्तान पर भारत की एयर स्ट्राइक पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि भारत की सैन्य कार्रवाई दुर्भाग्यपूर्ण है। हम मौजूदा हालात को लेकर चिंतित हैं।

कार्डिनल्स वोटिंग के पहले दिन नया पोप नहीं चुन पाए

वेटिकन में लगी चिमनी से निकला काला धुआं, आज फिर से वोटिंग होगी

वेटिकन, 8 मई (एजेंसियां)। वेटिकन में 7 मई 2025 को शुरू हुए पैपल कॉन्क्लेव के पहले दिन किसी को भी पोप नहीं चुना गया। 133 कार्डिनल्स ने पहले दौर में वोटिंग की, लेकिन किसी भी उम्मीदवार को जरूरी दो-तिहाई बहुमत (89 वोट) नहीं मिला।

रोमन कैथोलिक चर्च के सिस्टिन चैपल पर स्थित चिमनी से काला धुंआ निकला, जो इस बात का संकेत है कि अभी तक नए पोप का चयन नहीं हुआ है।

कॉन्क्लेव अब 8 मई 2025 के लिए आगे बढ़ गया। आज चार दौर की वोटिंग होगी, जिसमें दो सुबह और दो दोपहर में। यह प्रोसेस तब तक जारी रहेगी जब तक नया पोप चुन नहीं लिया जाता।

सिस्टिन चैपल में औपचारिक जुलूस और हर कार्डिनल की तरफ से गोपनीयता की शपथ लेने के बाद, बुधवार रात करीब 9:15 बजे वोटिंग का पहला दौर शुरू हुआ। करीब 3 घंटे इंतजार के बाद गुरुवार रात 12:35 काला धुआं दिखाई दिया। इसके वहां मौजूद 45 हजार से ज्यादा लोगों ने जोरदार तालियां बजाई।

वोटिंग शुरू होने से लगभग 90 मिनट पहले सभी सिग्नल बंद कर दिए थे। लीक को रोकने के लिए कॉन्क्लेव क्षेत्र को सख्त लॉकडाउन में रखा गया। 2013 में भी यही तरीका अपनाया गया था जब पोप फ्रांसिस के चुनाव के लिए सिग्नल ब्लॉकर्स लगाए गए थे। वेटिकन में रोजाना का काम करने वाले कर्मचारियों ने भी मौन रहने की शपथ ली है। कॉन्क्लेव एक गुप्त और पवित्र प्रक्रिया है, जो 13वीं शताब्दी से चली आ रही है। वेटिकन के संविधान के मुताबिक पोप के निधन के 15 से 20 दिनों के भीतर कॉन्क्लेव की शुरुआत होनी चाहिए। कॉन्क्लेव की शुरुआत से 2 दिन पहले वेटिकन के कर्मचारियों जैसे कि पुजारी, सुरक्षा गार्ड, डॉक्टर, टेक्नीशियन आदी ने प्राइवेसी की शपथ ली है, ताकि नए पोप के चुनाव की गोपनीयता बनी रहे।

वोटिंग से पहले सिस्टीन चैपल को बाहरी दुनिया से पूरी तरह अलग कर दिया जाता है। इस पूरे इलाके की जांच की जाती है। कार्डिनल्स के पास मोबाइल फोन, इंटरनेट और न्यूजपेपर की सुविधा नहीं होती।

पोप की मौत के बाद अगले पोप के दावेदारों के बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं होती है। नए पोप के चयन की प्रक्रिया को 'पैपल कॉन्क्लेव' कहा जाता है। जब पोप की मौत हो जाती है या फिर वे इस्तीफा दे देते हैं, तब कैथोलिक चर्च के कार्डिनल्स चुनाव करते हैं।

कार्डिनल्स बड़े पादरियों का एक ग्रुप है। इनका काम पोप को सलाह देना है। हर बार इन्हीं कार्डिनल्स में से पोप चुना जाता है। हालांकि पोप बनने के लिए कार्डिनल होना जरूरी नहीं है, लेकिन अब तक हर पोप चुने जाने से पहले कार्डिनल रह चुके हैं।

जितने भी कार्डिनल्स नए पोप का चुनाव करेंगे, उसमें से ज्यादातर को पोप फ्रांसिस ने चुना था। इसलिए माना जा रहा है कि नए पोप भी फ्रांसिस की तरह उदार और बदलाव को स्वीकार करने वाले होंगे।

कॉन्क्लेव का पहला दिन विशेष प्रार्थना सभा से शुरू होता है। प्रार्थना के दौरान सभी कार्डिनल्स एक कमरे में एकजुट होते हैं। इसमें हर एक कार्डिनल गॉस्पेल यानी पवित्र किताब पर हाथ रखकर यह कसम खाता है कि वह इस चुनाव से जुड़ी किसी भी जानकारी का कभी भी किसी और के सामने खुलासा नहीं करेगा।

इसके बाद कमरे को बंद कर दिया जाता है फिर सीक्रेट तरीके से वोटिंग की प्रक्रिया शुरू होती है। वोटिंग शुरू होने के दौरान हर एक कार्डिनल को एक बैलेट दिया जाता है।

ऑपरेशन सिंदूर के समर्थन में आए अमेरिकी सांसद

बोले- न्याय की खोज में भारत के साथ

वॉशिंगटन, 8 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी सांसदों ने भी भारत के ऑपरेशन सिंदूर के प्रति अपना समर्थन जताया है। अमेरिकी सीनेट के विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष जिम रीस ने पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए चलाए ऑपरेशन सिंदूर का समर्थन किया, लेकिन साथ ही भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष बढ़ने की आशंका के प्रति चिंता भी जाहिर की।

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत मंगलवार और बुधवार की मध्य रात्रि पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकानों पर हमले किए। इन हमलों में कई आतंकियों के मारे जाने की खबर है।

साथ ही आतंकी ढांचे को भी भारी नुकसान हुआ है। भारत ने यह कार्रवाई पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में की। बीती 22 अप्रैल को आतंकियों ने पहलगाम में 26 पर्यटकों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। अमेरिकी सीनेटर जिम रीस ने सोशल मीडिया पर लिखा कि 'भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ता तनाव चिंताजनक है। मैं पहलगाम में हमलावरों के खिलाफ न्याय की भारत सरकार की कोशिशों का समर्थन करता हूं, लेकिन मैं दोनों पक्षों के नागरिकों के प्रति सावधानी और सम्मान का आग्रह करता हूं।'

भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने भी भारत की कार्रवाई का जोरदार समर्थन किया और कहा कि भारत को अपने लोगों की रक्षा करने का पूरा अधिकार है।

उन्होंने कहा कि अमेरिका को आतंकवाद के खिलाफ हमेशा अपने सहयोगियों के साथ खड़े होना चाहिए। यही वो समय है, जब भारत और अमेरिका को साथ मिलकर साझा चुनौतियों का सामना करना चाहिए और निर्दोष लोगों और लोकतांत्रिक सिद्धांतों, मानवाधिकारों और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करनी चाहिए। थानेदार ने कहा कि आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए और इसका मुंहतोड़ जवाब देना जरूरी है।

26 फ्लैट, 40 करोड़ की प्रॉपर्टी: बंटी-बबली स्टाइल में 150 करोड़ की ठगी

ऐसे हुआ अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़

जशपुर, 8 मई (एजेंसियां)। एक हाई-प्रोफाइल ठगी कांड का चौंकाने वाला खुलासा करते हुए जशपुर पुलिस ने 150 करोड़ रुपये की अंतर्राज्यीय धोखाधड़ी का पर्दाफाश किया है। बंटी-बबली स्टाइल में देशभर के व्यापारियों को करोड़ों का चूना लगाने वाले गिरोह के दो मुख्य आरोपियों को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है।

पत्थलगांव निवासी व्यापारी अमित अग्रवाल से राष्ट्रीय ग्रामीण साक्षरता मिशन के नाम पर 5.70 करोड़ रुपये की ठगी की गई थी। ठगों ने सीएसआर फंड से जुड़ा बताकर स्कूली बच्चों के लिए स्वेटर सप्लाई का लालच दिया। मामले की तह तक जाते-जाते पुलिस को पता चला कि यह एक संगठित और अत्यंत शातिर ठगी नेटवर्क है, जो देश के कई राज्यों में सक्रिय था। एसएसपी शशि मोहन सिंह के निर्देश पर एसडीओपी धुर्वेश जायसवाल की अगुवाई में टीम दिल्ली भेजी गई। जाल इतना बारीकी से बुना गया कि पुलिस ने खुद को मंत्रालय का अधिकारी बताकर 1000 करोड़ के ऑर्डर का लालच दिया और आरोपियों को दिल्ली के होटल ताज में बुलवाया। आरोपी अनिता उपाध्याय को शक न हो, इसके लिए पुलिस अफसर ने सादी वर्दी में स्थानीय मॉडल को असिस्टेंट बनाकर भेजा। होटल में मीटिंग के बहाने अनिता को फंसाया गया और फिर उसके जरिये मुख्य आरोपी रत्नाकर उपाध्याय तक पुलिस पहुंच गई। दिल्ली की सड़कों पर मोबाइल लोकेशन बदलते हुए रत्नाकर लगातार पुलिस को चकमा देता रहा। लेकिन जशपुर पुलिस ने हार नहीं मानी और सागरपुर में एक मेडिकल स्टोर के पास उसे दबोच लिया।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत को मिला ब्रिटिश सांसद का साथ

कहा- आतंक को जड़ से मिटाने का पूरा अधिकार

लंदन, 8 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव और तेज हो गया है। दुनियाभर से अलग-अलग प्रकार की प्रतिक्रियाएं भी सामने आ रही है। इसी बीच ब्रिटेन की सांसद प्रीति पटेल ने आतंकियों के खिलाफ भारत के ऑपरेशन सिंदूर का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि भारत को अपनी रक्षा करने और आतंकवादी ढांचे को खत्म करने का पूरा अधिकार है। साथ ही उन्होंने आगाह किया कि पाकिस्तान में सक्रिय आतंकी गुट न केवल भारत बल्कि पश्चिमी देशों के लिए भी खतरा हैं।

उन्होंने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने ब्रिटिश संसद में बोलते हुए कहा कि यह एक बर्बर और अमानवीय हमला था, जिसमें 26 निर्दोष पर्यटकों को बेहद क्रूरता से मार डाला गया। उन्होंने ब्रिटिश सरकार से भारत के साथ आतंकवाद के खिलाफ सहयोग को और मजबूत करने की मांग की।

ब्रिटिश सांसद प्रीति पटेल ने आगे लश्कर-ए-तैयबा और हमास के बीच संबंध की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले का जिम्मेदार द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) लश्कर-ए-तैयबा का संगठन है, जिसकी हमास के साथ जुड़े होने की खबर है। प्रीति पटेल ने इस विषय में जानकारी उपलब्ध कराने की मांग की।

प्रीति पटेल ने आगे ब्रिटिश सरकार से पूछा कि क्या ब्रिटेन ने भारत को इस आतंकी हमले के बाद कोई खुफिया या सुरक्षा मदद दी है। उन्होंने पूछा कि क्या ब्रिटेन को इस हमले से पहले भारत की ओर से की गई किसी कार्रवाई की जानकारी दी गई थी और क्या दोनों देशों के बीच प्रत्यक्ष संवाद हुआ है। साथ ही उन्होंने यह भी जानना चाहा कि क्या ब्रिटिश सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि पाकिस्तान को दी जाने वाली कोई भी मदद आतंकी संगठनों के हाथ न लगे।

इसके साथ ही अंत में सांसद प्रीति पटेल ने यह चिंता भी जताई कि भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव का असर ब्रिटेन में बसे भारतीय और पाकिस्तानी समुदायों पर न पड़े।

उन्होंने यह भी पूछा कि भारत और पाकिस्तान में रहने वाले ब्रिटिश नागरिकों को किस तरह की अतिरिक्त वाणिज्यिक और कांसुलर सहायता दी जा रही है।

सिंगापुर ने अपने नागरिकों को पाकिस्तान की यात्रा से बचने की सलाह दी

सिंगापुर, 8 मई (एजेंसियां)। सिंगापुर की सरकार ने अपने नागरिकों को पाकिस्तान और जम्मू कश्मीर की यात्रा करने से बचने की सलाह दी है। सिंगापुर ने भारत-पाकिस्तान के बीच जारी तनाव को देखते हुए यह सलाह जारी की है। सलाह में कहा गया है कि 'भारत में पाकिस्तान में मौजूद सिंगापुर के नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे सतर्क रहें और सुरक्षा के लिए सभी जरूरी एहतियाती कदम उठाएं। भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें। स्थानीय समाचारों पर नजर बनाए रखें और स्थानीय प्रशासन की सलाह का पालन करें। साथ ही विदेश मंत्रालय के साथ ई-रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित करें।'

तुर्किए सरकार की मांग पर इस्तांबुल मेयर का एक्स अकाउंट ब्लॉक

अंकारा, 8 मई (एजेंसियां)। तुर्किए की जेल में बंद इस्तांबुल के मेयर एकरेम इमामोग्लू के एक्स अकाउंट को ब्लॉक कर दिया गया है। तुर्किए की सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने का हवाला देते हुए एक्स से अकाउंट ब्लॉक करने की मांग की थी। गौरतलब है कि इमामोग्लू को राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोआन का मुख्य प्रतिद्वंदी माना जाता है। हालांकि तुर्किए के बाहर इमामोग्लू का अकाउंट सक्रिय रहेगा।

भारत के खिलाफ अब जेहाद का वक्त

पाकिस्तान में मिसाइल हमले के बाद बिलबिला उठा अलकायदा, जारी किया बयान

इस्लामाबाद, 8 मई (एजेंसियां)। भारत के पाकिस्तान के अंदर घुसकर आतंकी ठिकानों को तबाह करते ही जेहादी बिलबिला उठे हैं। पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में भारतीय बलों की सफलतापूर्वक सैन्य कार्रवाई के बाद अलकायदा ने बयान जारी किया है। अलकायदा की भारतीय उपमहाद्वीप (एक्यूआईएस) ने पाकिस्तान में भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर की निंदा की है और उपमहाद्वीप में जेहाद का आह्वान किया है। ऑपरेशन सिंदूर बुधवार भारतीय सशस्त्र बलों का योजनाबद्ध ऑपरेशन है, जिसे बुधवार सुबह तड़के शुरू किया गया था। इस ऑपरेशन में

पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकवादी अड्डों को तबाह कर दिया गया। भारत की स्ट्राइक के बाद जारी बयान में एक्यूआईएस ने कहा, 'इस्लाम के सभी मुजाहिदीनों और उपमहाद्वीप के मुसलमानों के लिए भारत के खिलाफ यह युद्ध एक जेहाद है। अल्लाह का नाम बुलंद करने, इस्लाम और मुसलमानों की रक्षा करने और उपमहाद्वीप के उत्पीड़ित लोगों का समर्थन करने के लिए इस संघर्ष में शामिल होना हमारा कर्तव्य है।' अब उपमहाद्वीप के मुसलमानों के लिए इस उद्येश्य के समर्थन में खड़े होना पहले से कहीं ज्यादा जरूरी है।

कैलिफोर्निया के स्कूल के बाहर चाकूबाजी

एक छात्र की मौत, दो घायल

वॉशिंगटन, 8 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के कैलिफोर्निया के सदर्न कैलिफोर्निया हाई स्कूल के बाहर चाकूबाजी की घटना हुई है। इस घटना में तीन छात्रों को चाकू मारा गया है। जिनमें से एक छात्र की मौत हो गई है और दो अन्य घायल हैं। पुलिस ने बताया कि चाकूबाजी की घटना बुधवार दोपहर में हुई। पुलिस ने बताया कि छात्रों के दो गुटों में झगड़े के दौरान चाकूबाजी हुई, जिसमें गैर छात्र भी शामिल थे। आरोपी फरार हैं और उनकी पहचान की कोशिश की जा रही है। पुलिस ने पीड़ितों की पहचान भी जाहिर नहीं की है।

ब्राजील के उच्च न्यायालय का ऐतिहासिक फैसला

पहली बार किसी को लैंगिक तौर पर तटस्थ घोषित किया

रियो डी जेनेरियो, 8 मई (एजेंसियां)। ब्राजील के एक उच्च न्यायालय ने एतिहासिक फैसला सुनाते हुए एक व्यक्ति को लैंगिक तौर पर तटस्थ घोषित किया है। मतलब न उसे पुरुष माना जाएगा और न ही महिला। हालांकि उच्च न्यायालय के इस फैसले की समीक्षा हो सकती है। यह फैसला ब्राजील के ब्रासीलिया के सुपीरियर कोर्ट ऑफ जस्टिस ने बुधवार को सुनाया। जिस व्यक्ति ने यह मांग की थी, वह अपने जन्म प्रमाण पत्र पर लिंग तटस्थ पदनाम चाहता था। याचिका दायर करने वाला व्यक्ति पहले महिला था, लेकिन लिंग परिवर्तन कराकर वह पुरुष बन गया। ऐसे में पहले उसने खुद को पुरुष के रूप में वर्णित करने की मांग की, लेकिन कुछ साय बाद उसे पछतावा हुआ तो उसने अदालत से अपील की कि उसे लैंगिक तौर पर तटस्थ घोषित किया जाए। पैनल में शामिल जजों ने भी इस मामले को नाटकीय बताया, लेकिन ये भी माना कि याचिकाकर्ता को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बाकी जज भी इस बात से सहमत हुए। फिलहाल ब्राजील की उच्च न्यायालय ने इस मामले को सील कर दिया है। इस मामले को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी जा सकती है।

ट्रंप ने अपने जहाजों को हूतियों के हमले से बचाने के लिए किया समझौता

इजरायल को फंसाया

वॉशिंगटन, 8 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जब मंगलवार को अचानक यमन के हूती चरमपंथियों के खिलाफ दो महीने से जारी रखने की घोषणा की, तो यह इजरायल के लिए हैरान करने वाला था। ओवल ऑफिस में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ बैठक की शुरुआत में ही ट्रंप ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हम हूती विद्रोहियों पर तुरंत प्रभाव पर हमले बंद करने जा रहे हैं। ट्रंप ने बताया कि हूतियों ने संकेत दिया है कि वे अब और लड़ना नहीं चाहते। अमेरिकी राष्ट्रपति ने बताया कि हूती विद्रोहियों ने लाल सागर से गुजरने वाले महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्ग पर हमला बंद करने का वादा किया है।

ट्रंप ने कहा कि हूती अब लड़ना नहीं चाहते और हम इसक सम्मान करते हुए हमले तुरंत रोक देंगे। ट्रंप की इस घोषणा ने इजरायल को हैरत में डाल दिया है। ट्रंप ने जिस दिन ये घोषणा की, उसी दिन इजरायल ने हूतियों के बैलिस्टिक मिसाइल हमले के जवाब में यमन के सना में बड़ा हवाई हमला बोला, जिसमें मुख्य एयरपोर्ट को पूरी तरह बर्बाद कर दिया गया। इतना ही नहीं इजरायल को फैसले की जानकारी घोषणा किए जाने के बाद हुई।

समाचार एजेंसी एपी ने एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया कि ट्रंप के सार्वजनिक रूप से इस संबंध में घोषणा किए जाने से पहले उनके प्रशासन ने हूतियों के साथ बातचीत के बारे में इजराइल को सूचित नहीं किया था। नाम न उजागर करने की शर्त पर अधिकारी ने बताया कि इजराइल इस अप्रत्याशित घोषणा से नाखुश है, खासकर इसलिए क्योंकि हूतियों ने इजराइल और इसके अन्य अड्डों पर हमले जारी रखे हैं।

इस बात से साफ संकेत मिलते हैं कि अमेरिका-हूती बातचीत से इजराइल को बाहर रखा गया है, जो अमेरिकी प्रशासन में बड़ा बदलाव है। ट्रम्प द्वारा घोषणा किए जाने के बाद, ओमान ने कहा कि उसने युद्धविराम समझौते में मध्यस्थता की है।

अमेरिका ने अपने नागरिकों को फौरन लाहौर से निकलने के लिए कहा

भारत के हमले के बीच आपातकालीन गाइडलाइन जारी

इस्लामाबाद, 8 मई (एजेंसियां)। भारत के साथ युद्ध के हालात के बीच अमेरिका ने अपने नागरिकों को तत्काल लाहौर शहर से निकल जाने का गाइडलाइन जारी किया है। लाहौर में अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास ने शहर में और उसके आसपास ड्रोन विस्फोटों, ड्रोन गिराए जाने और संभावित हवाई क्षेत्र उल्लंघन की रिपोर्ट के बाद अपने सभी कर्मचारियों को सुरक्षित स्थानों पर रहने का आदेश दिया है। पाकिस्तान में अमेरिकी दूतावास और वाणिज्य दूतावासों ने 8 मई 2025 को सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा अमेरिकी दूतावास ने पंजाब में अमेरिका के कर्मचारियों के मूवमेंट को रोकने के लिए कहा है और इसके पीछे ड्रोन हमले और ड्रोन गिराए जाने की संभावना को कारण बताया है।

शुरूआती रिपोर्टों से यह भी पता चलता है कि पाकिस्तानी अधिकारी, एहतियातन उपाय करते हुए लाहौर के मुख्य हवाई अड्डे के पास के इलाकों को खाली करा सकते हैं। इसके अलावा अमेरिकी दूतावास की सलाह में लाहौर में या उसके आसपास रहने वाले अमेरिकी नागरिकों से आग्रह किया गया है, कि यदि उनके लिए लाहौर से निकलना मुश्किल है तो वो तत्काल किसी सुरक्षित स्थान पर चले जाएं। जो लोग लाहौर खाली नहीं कर पा रहे हैं, उन्हें आगे की जानकारी दिए जाने तक सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी गई है।

अमेरिकी मिशन ने जोर देकर कहा है कि पाकिस्तान में सभी अमेरिकियों को वास्तविक समय सुरक्षा अपडेट प्राप्त करने के लिए स्मार्ट ट्रैवलर नामांकन कार्यक्रम में फौरन रजिस्ट्रेशन करवाना चाहिए।

अमेरिका ने एक और गाइडलाइन जारी करते हुए भारत-पाकिस्तान सीमा और नियंत्रण रेखा के पास के क्षेत्रों की यात्रा नहीं करने की सलाह दी है। गाइडलाइन में अमेरिकी नागरिकों से पाकिस्तान की यात्रा पर फिर से विचार करने के लिए कहा गया है।

अमेरिका का यह अलर्ट बढ़ते क्षेत्रीय तनाव को उजागर करता है और चल रहे संघर्ष के बीच विदेशी राजनयिक मिशनों के लिए संभावित जोखिमों को उजागर करता है। अमेरिकी नागरिकों को यह भी सलाह दी गई है कि वे लाहौर से निकलने के लिए तैयार रहे हैं और खुद से ऐसा करने की कोशिश करें और सरकारी मदद के लिए निर्भर ना रहें। यदि उनके आस-पास संघर्ष की स्थिति उत्पन्न होती है तो उन्हें सुरक्षित आश्रय की तलाश करनी चाहिए।

श्रीगंगानगर जिले में 200 किलोमीटर का बॉर्डर पूरी तरह सील

तारबंदी पार खेतों में जाने पर रोक

श्री गंगानगर, 8 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में आतंकियों के ठिकानों पर भारतीय सेना की सर्जिकल स्ट्राइक के बाद बॉर्डर पर जवान मुस्तैद हैं। श्रीगंगानगर जिले में रावलामंडी, सूरतगढ़ से लेकर हिंदूमलकोट तक करीब 200 किमी की बॉर्डर को बीएसएफ ने सील कर रखा है। जवान पारियों में तारबंदी की पैनी निगरानी रख रहे हैं।

सीमा पर चौकसी बढ़ाई

बीएसएफ सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पाकिस्तान ने अपने सैनिकों की तैनाती कुछ दिन पहले कर दी थी। पाकिस्तान ने जीरो लाइन से काफी पीछे मिट्टी का बंध बनाया हुआ है, जिससे उस पार चल रही गतिविधि नजर नहीं आती। ऐसे में बीएसएफ ने सीमा चौकियों पर जवानों की संख्या बढ़ा दी है। रात्रि नाकों की संख्या में भी बढ़ोतरी की गई है। सेक्टर एवं बटालियन मुख्यालयों से भी अधिकारी लगातार बॉर्डर का दौरा कर रहे हैं।

ग्रामीणों में कोई चिंता नहीं

तनाव को देखते हुए सीमा से सटे गांव के लोगों को तारबंदी से पार खेतों में जाने से रोका गया है, लेकिन ग्रामीणों में कोई चिंता नहीं है। पाक सीमा से सटे लखाहाकम, खाटां, 33 पीएस 36 पीएस 40 पीएस आदि गांवों के ग्रामीणों ने बताया कि हर हाल में सुरक्षा बलों का सहयोग किया जाएगा। ये गांव 1965 व 1971 भारत-पाक युद्ध के साक्षी रहे हैं।

वहीं जिला कलक्टर, पुलिस अधीक्षक, सीएमएचओ आदि की टीम एयर स्ट्राइक के बाद रिटर्न हमले होने की आशंका को देखते हुए अलर्ट पर है। पुलिस ने सीमावर्ती गांवों में गश्त कर रही है। वहीं शहर की जनता ने सर्जिकल स्ट्राइक पर खुशी जताई और देश के फैसले के साथ होने का दम भरा। दिन में मॉक ड्रिल को देखा और समझा। वहीं शाम को सायरन बजते ही सड़कों पर दौड़ रहे वाहनों एक साइड होकर रुक गए।

अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील

अनूपगढ़ पुलिस की टीम ने पुलिस उपाधीक्षक प्रशांत कौशिक और थानाधिकारी ईश्वर प्रसाद जांगिड़ के नेतृत्व में सीमावर्ती गांवों का दौरा किया। पुलिस ने ग्रामीणों से संवाद स्थापित करते हुए उन्हें मौजूदा हालातों की जानकारी दी और अफवाहों से बचने की सख्त हिदायत दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में सतर्क रहना आवश्यक है, लेकिन घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है।

ग्रामीणों को दिए ये निर्देश

पुलिस टीम ने ग्रामीणों से अपील की कि यदि कोई भी संदिग्ध व्यक्ति, गतिविधि या वाहन दिखाई दे तो उसकी सूचना तुरंत नजदीकी पुलिस थाने या हेल्पलाइन पर दें। सोशल मीडिया पर किसी भी असत्य जानकारी को न फैलाएं और न ही साझा करें। डीएसपी कौशिक ने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। थानाधिकारी ने बताया कि सीमावर्ती गांवों की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस गश्त को बढ़ा दिया गया है।

ग्रामीणों का मिला भरपूर सहयोग

गांवों में पुलिस अधिकारियों के पहुंचने पर ग्रामीणों ने प्रशासन का स्वागत किया और भरोसा जताया कि वह हर परिस्थिति में पुलिस का सहयोग करेंगे। कई जगहों पर ग्रामीणों ने खुद आगे आकर यह आश्वासन दिया कि वह किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखेंगे और सूचना देंगे। डीएसपी कौशिक ने कहा कि अनूपगढ़ क्षेत्र पूरी तरह शांत है और जनजीवन सामान्य है। लोगों से अपील है कि वे शांति बनाए रखें और किसी भी प्रकार की गैर-प्रामाणिक सूचना से भ्रमित न हों।

सभी विभागों को अलर्ट रहने के निर्देश

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद मंत्री बेढम ने बताए हालात

जयपुर, 8 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने गुरुवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव और बढ़ गया है। मंत्री ने कहा कि ऐसी स्थिति में राज्य के सभी विभागों को अलर्ट किया गया है। न्यूज एजेंसी से बात करते हुए बेढम ने जोर देकर कहा कि राजस्थान एक सीमावर्ती राज्य है, इसलिए सावधानी बरतने की जिम्मेदारी राज्य सरकार की है।

मंत्री जवाहर बेढम ने कहा- "मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कल एक उच्च स्तरीय बैठक की और सभी विभागों को सभी सावधानियां बरतने का निर्देश दिया। हमारा एक सीमावर्ती राज्य है और सभी प्रकार की सावधानियां बरतना हमारी जिम्मेदारी है। हमारी सरकार का काम जनता को जागरूक करना है। निश्चित रूप से, हमारी आंतरिक सुरक्षा भी मजबूत है और हम सीमा पर तैनात अपने सैनिकों के लिए कोई भी व्यवस्था करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।"

सीएम भजनलाल शर्मा ने मौजूदा स्थिति पर चर्चा करने के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की। राजस्थान सरकार ने पहले कहा था कि राज्य "अलर्ट मोड" पर है और राज्य के सीमावर्ती जिलों के प्रशासन को विशेष निर्देश दिए गए हैं। मुख्य सचिव ने आम जनता से भी सतर्क रहने, अफवाहों पर ध्यान न देने और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करने की अपील की।

बारिश से मौसम हुआ सुहाना गर्मी से मिली राहत

अजमेर, 8 मई (एजेंसियां)। अजमेर शहर में गुरुवार को अचानक बदले मौसम के चलते झमाझम बारिश शुरू हो गई, जिससे गर्मी से झुलस रहे लोगों को बड़ी राहत मिली है। पिछले कुछ दिनों से तेज धूप और उमस ने आमजन का जीना मुहाल कर रखा था, लेकिन अचानक आई बारिश ने मौसम में ठंडक घोल दी। इस बदलाव ने न केवल तापमान में गिरावट ला दी, बल्कि लोगों के चेहरों पर भी मुस्कान लौटाई। बारिश का यह सिलसिला दोपहर बाद शुरू हुआ, जब आसमान में अचानक काले बादल छा गए और कुछ ही देर में तेज बौछारें गिरने लगीं। शहर के प्रमुख इलाकों जैसे कि जयपुर रोड, बस स्टैंड, सुभाष नगर, वैशाली नगर, कचहरी रोड, और अजमेर शरीफ दरगाह के आसपास हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। कई जगहों पर जलभराव की स्थिति भी बनी, लेकिन लोगों ने गर्मी से राहत के रूप में इस बारिश का स्वागत किया। स्थानीय निवासी राजेश शर्मा ने बताया, पिछले कई दिनों से गर्मी परेशान कर रही थी। बारिश ने सुकून दे दिया है। मौसम विभाग के अनुसार, आगामी 24 घंटों में अजमेर सहित आसपास के क्षेत्रों में और बारिश होने की संभावना है।

जयकृष्ण पटेल पर मंडरा रहा बड़ा खतरा

एसीबी कोर्ट के फैसले से पहले जा सकती है विधायकी!

जयपुर, 8 मई (एजेंसियां)। बागीदौरा विधानसभा क्षेत्र से बीएपी विधायक जयकृष्ण पटेल पर बड़ा खतरा मंडरा रहा है। ऐसी संभावना जताई जा रही है एसीबी कोर्ट के फैसले से पहले ही उनकी विधायकी न चली जाए। राजनीतिक हल्कों में जोरदार चर्चा हो रही है। साथ यह भी कयास लगाए जा रहे हैं कि क्या फिर राजस्थान विधानसभा में 199 विधायक ही रहेंगे।

भाजपा विधायक कैलाश वर्मा हैं सदाचार समिति के सभापति

हुआ यह है कि बीएपी विधायक जयकृष्ण पटेल के रिश्वतकांड की जांच विधानसभा की सदाचार समिति को सौंप दी गई है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने आदेश दिए। सदाचार समिति मामले की जांच कर जयकृष्ण पटेल से भी पूछताछ करेगी। यदि समिति पटेल के जवाबों से संतुष्ट नहीं हुई तो एसीबी कोर्ट के फैसले से पहले जयकृष्ण पटेल की विधायकी पर खतरा मंडरा सकता है। 12 सदस्यीय इस समिति के सभापति भाजपा विधायक कैलाश वर्मा है।

जय कृष्ण पटेल को जेल भेजा गया

अभी तक के अपडेट में 20 लाख रुपए की रिश्वत मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के हत्थे चढ़े बागीदौरा विधानसभा क्षेत्र (बांसवाड़ा) के भारत आदिवासी पार्टी के विधायक जय कृष्ण पटेल को एसीबी की अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। वहीं विधायक का पीए रोहित मीणा से रुपए लेकर छिपाने वाला जसवंत उर्फ लक्ष्मण मीणा और जगराम को 2 दिन के रिमांड पर लिया गया है।

एसीबी को नहीं मिली विधायक की रिमांड

एसीबी के अनुसार विधायक जयकृष्ण पटेल पूछताछ में सहयोग नहीं कर रहे थे। एसीबी ने कोर्ट से आरोपियों की चार दिन के रिमांड की मांग की थी। एसीबी ने कोर्ट को बताया कि अभी उनसे पूछताछ करनी है, लेकिन विधायक की रिमांड नहीं मिल पाई।

अस्पतालों में दवा और ब्लड बैंक में सभी ग्रुपों का खून रखने के साथ एसीएस ने जारी किए निर्देश

जयपुर, 8 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिन्दूर के बाद पाकिस्तान कोई हिमाकत न करे इसके लिए हमारी सेना सीमा पर पूरी तरह तैयार है। वहीं राज्य में आपात स्थिति को लेकर भी प्रशासन आवश्यक तैयारियों में जुटा है। राज्य के गृह विभाग ने वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए सभी जिला कलेक्टर एवं मजिस्ट्रेट को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनन्द कुमार द्वारा समस्त अस्पतालों में सभी प्रकार की आवश्यक जीवन रक्षक दवाएं रखने, डॉक्टर मय स्टाफ के उपस्थित रहने और ब्लड बैंक में सभी ग्रुपों के रक्त की पर्याप्त मात्रा रखने के दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इसके साथ ही चिन्हित अस्पतालों व स्कूलों में जहां पर अस्थाई अस्पताल एवं लोगों के रहने की व्यवस्था की जा सकती है, वहां जनरेटरों की व्यवस्था भी सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस प्रशासन और साइबर सेल को सोशल मीडिया पर पूर्ण निगरानी रखने तथा देश के विरुद्ध भड़काऊ पोस्ट अथवा सामग्री पर तुरंत कानूनी कार्रवाई करने के लिए कहा गया है, जिससे प्रदेश में माहौल खराब न हो। जिला कलेक्टर को निर्देश हैं कि वे यह भी सुनिश्चित करें कि आपात स्थिति में जिले में पर्याप्त मात्रा में खाद्य सामग्री उपलब्ध रहे। लोग खाद्य सामग्री एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं का अनावश्यक भंडारण न करें, उसके लिए लोगों को भी जागरूक करें। जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग सुनिश्चित करेगा कि आपात स्थिति में पेयजल की पूर्ण व्यवस्था आमजन के लिए उपलब्ध हो।

सीमावर्ती जिलों के संभागीय आयुक्त, महानिरीक्षक पुलिस, जिला कलेक्टर एवं जिला पुलिस अधीक्षक को संबंधित सेना एवं अन्य केन्द्रीय एजेंसियों के अधिकारियों से निरंतर संपर्क रहने के लिए कहा गया है ताकि आपसी समन्वय के साथ कोई कार्रवाई की जा सके। इसके साथ ही जो गांव सीमा पर स्थित हैं, वहां आपात स्थिति में निकास की योजना भी पूर्ण रूप से तैयार रखने के लिए कहा गया है। सीमावर्ती जिलों में अति संवेदनशील स्थलों की सूची को अपडेट कर उसमें अस्पताल, पॉवर प्लान्ट, तेल एवं गैस के डिपो/ पाइप लाइन, धार्मिक स्थलों की पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था करने और पंचायत एवं ग्राम स्तर पर राज्य सरकार द्वारा की जा रही व्यवस्थाओं की पूर्ण जानकारी पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं ताकि आमजन को यह विश्वास हो कि संकट की घड़ी में राज्य सरकार उनके साथ है। मुख्य सचिव द्वारा जारी निर्देशों में यह भी कहा गया है कि जिलों में अग्निशमन सेवाओं को एक्टिव मोड पर रखा जाए, जिले में संचार सेवाओं को सुचारू रखा जाए तथा पब्लिक एड्रेस सिस्टम पर्याप्त संख्या में चालू स्थिति में उपलब्ध रहे। जिले में समय-समय पर आपदा प्रबंधन योजना की मॉक ड्रिल की जाए और आपदा की स्थिति में गैर सरकारी संगठनों, राष्ट्रीय सेवा योजना, नेशनल कैडेट कोर की भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

आईआरएस अधिकारी पर सीबीआई की रेड

पत्नी भी जांच के दायरे में; जयपुर, अहमदाबाद सहित कई ठिकाने खंगाले

जयपुर, 8 मई (एजेंसियां)। सीबीआई ने भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के एक अफसर के जयपुर स्थित ठिकानों पर बड़ी कार्रवाई की। जांच के दायरे में अफसर की पत्नी भी है। बताया जा रहा है कि दंपती ने करोड़ों रुपये की संपत्ति अर्जित कर ली है। उनके खिलाफ सीबीआई ने आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया है। भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के अफसर संतोष करनानी के जयपुर स्थित ठिकानों पर गुरुवार को सीबीआई ने रेड की। 2005 बैच के अफसर करनानी और उनकी पत्नी आरती करनानी ने भारी संपत्ति अर्जित की है। इन दोनों के खिलाफ सीबीआई ने आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज कर लिया है। दंपती के जयपुर सहित अहमदाबाद और गांधीनगर में कुल 11 ठिकानों में छापेमारी चल रही है। दोनों ने जो संपत्ति घोषित की है वह उनकी वास्तविक आय से बहुत ज्यादा है। आरोप है कि सरकारी सेवा में रहने के दौरान उन्होंने अनैतिक तरीके से यह संपत्ति अर्जित की है। सीबीआई की टीम ने आज दोहपर जयपुर, अहमदाबाद और गांधीनगर में स्थित उनके आवास, कार्यालय, निवेश और अन्य निजी ठिकानों पर दबिश दी है। छापों के दौरान संपत्ति संबंधित दस्वेज और बैंक खातों की तलाशी जारी है।

शादी की खुशियां मातम में बदलीं

ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से 5 लोगों की मौत

बूंदी, 8 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के बूंदी जिले में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसे ने शादी की खुशियों को मातम में बदल दिया। लाखेरी रोड पर एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई, जिसमें सवार लोग माटूंदा में एक सामाजिक सम्मेलन में जा रहे थे। हादसे में अब तक मां-बेटी सहित 5 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 25 से अधिक लोग घायल हो गए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सभी लोग चौतारा का खेड़ा गांव से माटूंदा सम्मेलन में शामिल होने जा रहे थे। रास्ते में अचानक एक बाइक सामने आ गई, जिसे बचाने के प्रयास में ट्रैक्टर-ट्रॉली असंतुलित होकर पलट गई। हादसा इतना भीषण था कि एक बालिका और तीन महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ा।

कोटा रेफर किए गए मरीज

घायलों को सबसे पहले खट्कड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल मरीजों को बूंदी जिला अस्पताल रेफर किया गया। इनमें से दो घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें कोटा मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया है।

घटना की सूचना मिलते ही जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा और पुलिस अधीक्षक राजेंद्र मीणा बूंदी अस्पताल पहुंचे और हालात का जायजा लिया। घायलों की हर संभव सहायता के लिए अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिए गए। थानाधिकारी राजाराम जाट भी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया।

सीएम भजनलाल ने जताई संवेदना

इस हादसे को लेकर राजस्थान के सीएम भजनलाल ने संवदेनाएं जताते हुए लिखा कि बूंदी में भीषण सड़क दुर्घटना में जनहानि एवं कई नागरिकों के घायल होने का समाचार सुनकर मन दुखी है। जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों का समुचित चिकित्सीय उपचार सुनिश्चित करने हेतु निर्देश दिए गए हैं। प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान व घायलों को अति शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। ॐ शांति!

स्थानीय लोगों ने दिखाई संवेदनशीलता

हादसे के तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीणों ने मदद का हाथ बढ़ाया और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में प्रशासन के साथ पूरा सहयोग किया। कई लोगों ने अपने निजी वाहनों से भी घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

महात्मा गाँधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया पर रोक

भीलवाड़ा, 8 मई (एजेंसियां)। महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय व राजकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में सत्र 2025-2026 के लिए होने प्रवेश कार्यक्रम पर आगामी आदेश तक रोक लगा दी है। यह आदेश माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने जारी किए हैं। आदेश में कहा गया है कि महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय व राजकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में सत्र 2025-2026 के लिए जारी प्रवेश कार्यक्रम आगामी आदेशों तक स्थगित कर दिया गया है।

विमुक्त घूमंतू व अर्द्धघूमंतू छात्रों को मिलेगी साइकिल

जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक शिक्षा ने बताया कि जिले में विमुक्त घूमंतू एवं अर्द्धघूमंतू समुदाय के राजकीय एवं निजी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को निःशुल्क साइकिल का वितरण किया जाएगा। इसके लिए सत्र 2024-25 के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं। आवेदन 6 मई से प्रारम्भ कर दिए हैं। आवेदन करने की अंतिम तारीख 16 मई है। आवेदन शाला दर्पण के बेनिफिशियरी पोर्टल पर विद्यालय लॉगिन के माध्यम से संस्था प्रधान के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करवा सकते हैं। इसके लिए राजकीय एवं निजी विद्यालयों के संस्था प्रधनों को भी निर्देश दिए गए है कि पात्र विद्यार्थियों को ऑनलाईन आवेदन करवाए ताकि उन्हें साइकिल योजना का लाभ मिल सके।

कलेक्ट्रेट के बाहर बोरे में बंद मिला महिला का शव

फॉरेंसिक टीम ने जुटाए सबूत

जोधपुर, 8 मई (एजेंसियां)। शहर के कलेक्ट्रेट कार्यालय के बाहर गुरुवार की सुबह बोरे में बंद महिला का शव मिला है। सूचना के बाद घटनास्थल पर पुलिस पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई। फिलहाल, इस शव को किसने कलेक्ट्रेल ऑफिस के बाहर फेंका है इसका पता नहीं चल पाया है। दरअसल, गुरुवार की सुबह कलेक्ट्रेट परिसर के बाहर बोरे में बंद महिला का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। संदिग्ध परिस्थियों में महिला की मौत को लेकर लोग तरह-तरह के अंदेशा जता रहे हैं। लोगों का मानना है कि किसी ने महिला के शव को यहां पर फेंका है। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने बताया कि मृत महिला की करीब 40 साल की है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि महिला की हत्या कर शव को बोरे में बंद कर फेंका गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेने के बाद फॉरेंसिक टीम को बुलाया। पुलिस महिला की शिनाख्त की कोशिश कर रही है।

पति के कहने पर हनीट्रैप में टीटीई को फंसाया , ब्लैकमेल कर ऐंठे लाखों रुपए

कोटा, 8 मई (एजेंसियां)। कोटा के रेलवे कॉलोनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हनीट्रैप के जाल में रेलवे कर्मचारी को फंसा कर लाखों रुपये की ठगी करने वाली शातिर महिला रानी सोनी को झुंझुनूं के पिलानी से गिरफ्तार किया है।

पुलिस अधीक्षक शहर डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि फरियादी हरिगोपाल मीणा पश्चिम मध्य रेलवे में टीटीई है। मीणा ने 2 मई को रिपोर्ट दी थी कि एक महिला द्वारा उन्हें झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर ब्लैकमेल किया जा रहा है। घटना 13 मार्च 2024 को शुरू हुई जब मीणा कोटा से जबलपुर जा रही ट्रेन में ड्यूटी पर थे। कोच चैकिंग के दौरान महिला रानी सोनी बिना उचित टिकट के एसी कोच में सफर कर रही थी। जब उसे स्लीपर कोच में जाने को कहा गया, तो उसने हंगामा किया और मीणा से मोबाइल नंबर लेकर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। महिला ने मीणा को छेड़छाड़ के झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर पैसों की मांग की। डर के कारण मीणा ने उसे कई बार विभिन्न मोबाइल नंबरों और पेमेंट ऐप के माध्यम से कुल मिलाकर 3 लाख से अधिक की राशि ट्रांसफर कर दी।

कभी वकील तो कभी पुलिस बताकर धमकी

एएसपी दिलीप सैनी ने बताया कि महिला ने कभी खुद को वकील बताकर, तो कभी पुलिस से एफआईआर दर्ज कराने की धमकी देकर लगातार पैसे ऐंठे। कई बार उसके पति प्रहलाद सोनी और अन्य लोगों ने भी मीणा से झूठे आरोपों के नाम पर रकम वसूलने का प्रयास किया। मीणा ने जब पैसे देने से इनकार किया तो उसे झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकियां दी गईं। इन धमकियों के ऑडियो और कॉल रिकॉर्डिंग मीणा ने अपने मोबाइल में सुरक्षित रखी।

पति के कहने पर रची साजिश

मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना रेलवे कॉलोनी के थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी और गोपनीय सूत्रों की मदद से आरोपी रानी सोनी को 6 मई को झुंझुनूं के पिलानी से डिटेन कर गिरफ्तार किया। प्रारंभिक पूछताछ में रानी सोनी ने स्वीकार किया कि उसने पति के कहने पर यह पूरी योजना बनाई थी। पुलिस अब आरोपी महिला और उसके साथियों से विस्तृत पूछताछ कर रही है।

45 वर्षीय डॉक्टर 'डिजिटल अरेस्ट' : 1.23 करोड़ रुपये की हुई ठगी

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के एक 45 वर्षीय डॉक्टर को साइबर जालसाजों ने 'डिजिटल अरेस्ट' घोटाले में 1.23 करोड़ रुपये की ठगी कर ली।

पीड़ित डॉक्टर को एक अज्ञात मोबाइल नंबर से फोन आया था, जिसमें कॉल करने वाले ने दावा किया था कि उनके लिए एक पार्सल भेजा गया है, जिसमें पुलिस की वर्दी, प्रतिबंधित इंजेक्शन और पुलिस अधिकारियों के पहचान पत्र हैं। इसके बाद उस व्यक्ति को नकली पुलिस अधिकारियों से वीडियो कॉल आए, जिन्होंने उसे गिरफ्तार करने की धमकी दी और जांच में सहयोग करने के लिए कहा। जांच के बहाने, अजनबियों ने पीड़ित को कई वीडियो कॉन्फ्रेंस कॉल किए और वित्तीय सत्यापन के बहाने उससे कई ट्रांजेक्शन में 1,23,90,510 रुपये ट्रांसफर करवा लिए। बाद में पीड़ित को अहसास हुआ कि उसके साथ धोखा हुआ है और उसने पुलिस से संपर्क किया, जिसके बाद मामला दर्ज किया गया।

डीजीपी ने सहायक एसपी के लिए जनसंपर्क के महत्व पर जोर दिया

सेवारत एएसपी के प्रदर्शन की समीक्षा की गई

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेन्द्र ने सहायक पुलिस अधीक्षकों (एएसपी) के लिए जनसंपर्क बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया है ताकि उनकी पेशेवर प्रभावशीलता में सुधार हो सके।

डीजीपी ने राज्य डीजीपी कार्यालय में आयोजित एक बैठक में राज्य भर में वर्तमान में सेवारत एएसपी के प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए ये टिप्पणियां कीं। सत्र के दौरान, डीजीपी ने अधिकारियों के साथ उनके संबंधित अधिकार क्षेत्र में मौजूदा स्थितियों के बारे में विस्तृत चर्चा की। इस बैठक में प्रशिक्षणरत एएसपी भी शामिल रहे। डीजीपी ने विभिन्न फील्ड असाइनमेंट में अपने स्वयं के अनुभवों से प्राप्त अंतर्दृष्टि को भी साझा किया, जिसमें कुशल और सम्मानित पुलिस अधिकारी के रूप में उभरने के लिए अन्य विभागों और वरिष्ठ अधिकारियों के अधिकारियों के साथ मजबूत और वैध संबंध बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. जितेन्द्र ने जोर देकर कहा कि जमीनी स्तर की वास्तविकताओं और अपराध से संबंधित सूचनाओं को समझने के लिए प्रभावी सार्वजनिक जुड़ाव महत्वपूर्ण है। डीजीपी ने अधिकारियों को स्थानीय रीति-रिवाजों और परंपराओं से परिचित होने और नई पहलों को लागू करते समय बुनियादी पुलिसिंग सिद्धांतों की अनदेखी न करने की सलाह दी।

डीजीपी ने घोषणा की कि आगे चलकर एएसपी के साथ मासिक समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएंगी। उन्होंने हत्याओं और वित्तीय अपराधों से ग्रस्त क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ाने की भी सलाह दी और आगामी मिस वर्ल्ड प्रतियोगियों के कार्यक्रमों के लिए मजबूत सुरक्षा व्यवस्था का सुझाव दिया।

उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरे लगाने से अपराध का पता लगाने और रोकथाम में काफी मदद मिलेगी। अतिरिक्त डीजीपी (कानून और व्यवस्था) महेश एम भागवत, आईजीपी श्री चंद्रशेखर रेड्डी और वी सत्यनारायण, एआईजी (कानून और व्यवस्था) रमण कुमार ने अपने क्षेत्र के अनुभव साझा किए। सहायक एसपी बी. चैतन्य, आर. राहुल रेड्डी, काजल, अविनाश कुमार, शिवम उपाध्याय, चेथम नितिन, शुभम, पी. मौनिका, शेषाद्रि रेड्डी, वसुंधरा यादव, मनम भट, ऋत्विक साई, साई किरण ने समीक्षा बैठक में भाग लिया।

तेलंगाना में सूचना के अधिकार के आवेदन लंबित

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार के पारदर्शी और जवाबदेहीपूर्ण शासन देने के दावे सवालों के घेरे में आ रहे हैं, क्योंकि विभिन्न विभागों में सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत कई आवेदन लंबित पड़े हैं। अधिकारी लंबित आवेदनों की संख्या के बारे में कुछ नहीं बता रहे हैं, लेकिन पता चला है कि काफी संख्या में आवेदन प्रसंस्करण के लिए लंबित हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार विभाग ने सभी विभागों को लंबित आवेदनों का निपटारा करने के निर्देश दिए हैं। विभागाध्यक्षों और जिला कलेक्टरों को ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से प्राप्त सभी आरटीआई आवेदनों का समय पर सत्यापन और निपटान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। आयकर विभाग ने सभी विभागों को भेजे परिपत्र में कहा कि यह देखा गया है कि कई आवेदन अभी भी लंबित हैं। नामित लोक सूचना अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारियों को नियमित रूप से आरटीआई पोर्टल पर जाने, लंबित आवेदनों की तुरंत समीक्षा करने और उन पर कार्रवाई करने का निर्देश दें।

मोबाइल स्नैचिंग की घटनाओं में शामिल दो अपराधी गिरफ्तार

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स पुलिस ने हैदराबाद शहर के जुबली हिल्स और बंजारा हिल्स पुलिस स्टेशनों की सीमा के भीतर कई मोबाइल स्नैचिंग की घटनाओं में शामिल दो आदतन और सक्रिय अपराधियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में नसीर खान उर्फ नसीर निवासी, अघापुरा, हबीब नगर, हैदराबाद, इरफान खान उर्फ अरबाज निवासी, हबीब नगर, हैदराबाद शामिल हैं। आरोपियों ने दर्जनों मोबाइल स्नैचिंग की घटनाओं को अंजाम दिया है। जांच का नेतृत्व आर. मधुसूदन, अतिरिक्त द्वारा किया जा रहा है। पुलिस निरीक्षक, पीएस जुबली हिल्स, हैदराबाद ने बताया कि आरोपी कई मोबाइल स्नैचिंग की घटनाओं में शामिल रहे हैं।

साइबर जालसाजों के साथ बैंक खाते साझा करने के आरोप में एक गिरफ्तार

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबर अपराध पुलिस ने गुरुवार को साइबर जालसाजों को बैंक खाते उपलब्ध कराने के आरोप में महाराष्ट्र से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया।

पुणे निवासी एम रामप्रसाद साहेबराव सालुंके (33) पर तेलंगाना में फेडेक्स और डिजिटल धोखाधड़ी के चार मामलों में आरोप लगाया गया था। पुलिस ने बताया कि रामप्रसाद द्वारा धोखेबाजों को दिए गए बैंक खाते के विवरण का इस्तेमाल देश में 22 मामलों में पैसे के लेन-देन के लिए किया गया।

फासीवादियों और साम्राज्यवादी प्रवृत्तियों के खिलाफ़ बैठकें और सेमिनार सफल बनाएं : जॉन वेस्ले

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीएम के राज्य सचिव जॉन वेस्ले ने आज पार्टी कार्यकर्ताओं और राज्य के लोगों से आह्वान किया कि वे फासीवाद और साम्राज्यवादी प्रवृत्तियों के खिलाफ़ आज होने वाली बैठकों और सेमिनारों को सफल बनाएं। एक बयान में उन्होंने कहा कि 9 मई, 1945 को सोवियत संघ की कम्युनिस्ट पार्टियों की लाल सेना ने हिटलर के फासीवाद को हराया था। इस अवसर पर, सीपीआई (एम) केंद्रीय समिति ने फासीवाद और साम्राज्यवादी प्रवृत्तियों के खिलाफ़ मजदूर वर्ग के संघर्षों को तेज़ करने के लिए देश भर में बैठकें और सेमिनार आयोजित करने का आह्वान किया है।

इसके तहत, राज्य पार्टी समिति 9 मई को तेलंगाना राज्य में बैठकें और सेमिनार आयोजित करने का आह्वान कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूंजीपतियों और शासक वर्गों ने हिटलर के नाज़ीवाद को बढ़ावा दिया और उसे यह कहकर रूस और सोवियत संघ पर हमला करने के लिए प्रोत्साहित किया कि वह दुनिया से साम्यवाद को खत्म कर देगा। उन्होंने याद दिलाया कि स्टालिन के नेतृत्व में लाखों लोगों और सोवियत संघ की सेना ने हिटलर के खिलाफ विद्रोह किया और अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने कहा, 30 लाख कम्युनिस्ट कार्यकर्ताओं ने अपने प्राणों की आहुति दी, फ़ासीवाद को हराया, हिटलर को जर्मनी के बर्लिन में खदेड़ दिया और वहां लाल झंडा फहराया। इसलिए आज भी साम्राज्यवाद के खिलाफ संघर्ष जारी रखने की जरूरत है। हाल ही में रूस में कम्युनिस्ट पार्टियों ने बैठक की और भविष्य में फासीवाद के खिलाफ संघर्ष को आगे बढ़ाने का फैसला किया। बढ़ते मजदूर संघर्षों के संदर्भ में फासीवादी प्रवृत्तियां उभर रही हैं। सोवियत संघ में क्रांति सफल होने के बाद, उसे हराने के लिए फासीवाद को आगे लाया गया।

मदर्स डे पर माताओं के लिए मुफ्त प्रवेश की पेशकश

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वंडरला हॉलिडेज़ लिमिटेड मदर्स डे के अवसर पर एक अनूठा कार्यक्रम आयोजित कर रहा है, जिसमें माताओं के लिए मनोरंजन पार्कों में निःशुल्क प्रवेश की व्यवस्था है। 10-11 मई को कोच्चि, बेंगलोर, हैदराबाद और भुवनेश्वर पार्कों में अपने बच्चों के साथ आने वाली माताओं को सीमित समय के लिए निःशुल्क प्रवेश मिलेगा। इस पहल के पीछे का आकर्षण परिवारों के साथ पुराने जमाने के उपहारों को खत्म करने में भागीदारी करना है, जिसके बदले में समय और यादों को साझा किया जा सके। यह प्रमोशन कम से कम तीन प्रवेश टिकटों की ऑनलाइन बुकिंग पर मान्य है, जिसमें से कम से कम एक टिकट बच्चे का हो। वे टिकट-और-भोजन कॉम्बो पर भी मान्य हैं, जिससे यह पूरे दिन की सैर के लिए एक आदर्श विकल्प बन जाता है।

शहीदों को मंत्री, डीजीपी समेत अन्य अधिकारियों ने श्रद्धांजलि दी

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुलुग जिला प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के सशस्त्र कार्यकर्ताओं ने मुलुगु जिले के वेंकटपुरम, वाजेदु और पेरूर थाना क्षेत्रों के अंतर्गत वन क्षेत्रों में आईईडी लगाए हैं। माओवादियों ने हाल ही में एक बयान दिया था कि उन्होंने क्षेत्र में बम लगाए हैं और आदिवासियों और अन्य लोगों को क्षेत्र में न जाने की चेतावनी दी है।

माओवादियों द्वारा लगाए गए आईईडी का पता लगाने के लिए, मुलुगु पुलिस और ग्रेहाउंड इकाइयों वाली एक गश्ती टीम ने 7 मई की रात को क्षेत्र की जांच करने और 8 मई की सुबह से बारूदी सुरंगों और बमों को निष्क्रिय करने के लिए क्षेत्र की तलाशी शुरू की। आज प्रातः लगभग 6 बजे, जब मुलुगु जिले के वजीदु पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पेनुगोलू गांव से लगभग 4.0 किलोमीटर उत्तर पूर्व में स्थित पेड्डा गुट्टा के पास नुगुर वन क्षेत्र की तलाशी ली जा रही थी, तब घात लगाकर बैठे 35-40 प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) उग्रवादियों के एक समूह ने, जिसमें घातक हथियारों से लैस महिलाएं भी शामिल थीं, दूर से बारूदी सुरंगें बिछा दीं, जिसके बाद गश्ती और तलाशी दल को निशाना बनाकर भारी गोलीबारी की गई। पुलिस दल को जान से मारने के इरादे से सशस्त्र माओवादियों द्वारा अंधाधुंध गोलीबारी जारी रही। जब पुलिस दल ने आत्मरक्षा में जवाबी गोलीबारी की, तो माओवादियों ने गोलीबारी बंद कर दी और भाग गए। घटना में ग्रेहाउंड के तीन कमांडो, वडला श्रीधर, एन. पवन कल्याण, टी. संदीप सीपीआई (माओवादी) की गोलीबारी में बंदूक की गोली लगने से घायल हो गए और उनकी मौत हो गई। ग्रेहाउंड के एक और एक एएसी चौधरी रणधीर (आरएसआई) भी सीपीआई (माओवादी) कार्यकर्ताओं की अंधाधुंध गोलीबारी में गोली लगने से घायल हो गए। ग्रेहाउंड के घायल कमांडो चौधरी रणधीर की हालत स्थिर है और उन्हें बेहतर इलाज के लिए हैदराबाद ले जाया जा रहा है। शहीद कमांडो के शवों को वारंगल लाया गया है और परिवारों को सौंप दिया गया है।

मंत्री सुश्री दनासारी अनसूया सीतक्का, डीजीपी डॉ.जितेंद्र, एडीजी ग्रेहाउंड्स एम.स्टीफन रवीन्द्र, विधायक वर्धनपेट नागा राजू, विधायक वारंगल पश्चिम राजेंद्र रेड्डी, विधायक पार्कल प्रकाश रेड्डी, जीडब्ल्यूएमसी मेयर, गुंडू सुधा रानी, सीपी वारंगल सनप्रीत सिंह, एसपी मुलुगु डॉ.पी.शबरीश अधिकारियों ने शहीद कमांडो को सम्मान दिया। डीजीपी टीजी ने डॉ. जितेन्द्र ने कहा कि आरोपी माओवादी कार्यकर्ताओं को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक सम्पन्न

> 42 सदस्य कार्यालयों को प्रतिष्ठित राजभाषा शील्ड से सम्मानित किया गया

विजयवाड़ा, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टीओएलआईसी), विजयवाड़ा की बैठक मंडल रेलवे सभागार, विजयवाड़ा में नरेंद्र ए. पाटिल, अध्यक्ष, टीओएलआईसी और मंडल रेल प्रबंधक, विजयवाड़ा मंडल, दक्षिण मध्य रेलवे की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक आयोजित की गई। अनिर्बान कुमार विश्वास, उप निदेशक (राजभाषा), गृह मंत्रालय (राजभाषा विभाग), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय दक्षिण, बैंगलोर वर्चुअल रूप से बैठक में शामिल हुए।

श्री श्रीनिवास राव कोंडा, अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक, परिचालन, विजयवाड़ा मंडल और अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी, और डॉ. श्याम सुंदर साहू, उप महाप्रबंधक (ओएल), दक्षिण मध्य रेलवे, मुख्य अतिथि थे। बैठक में एनटीआर जिले और उसके आसपास के विभिन्न केंद्रीय सरकारी संगठनों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रमुख अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद श्री एम.के. नागराजू, सदस्य सचिव, नगर राजभाषा अधिकारी, विजयवाड़ा डिवीजन, एससीआर ने गर्मजोशी से स्वागत भाषण दिया। सभा को संबोधित करते हुए, मंडल रेल प्रबंधक नरेंद्र ए. पाटिल ने आधिकारिक संचार में हिंदी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और विजयवाड़ा डिवीजन के राजभाषा विभाग की उसके समर्पित प्रयासों के लिए सराहना की। उन्होंने जोर देकर कहा कि हिंदी की बढ़ती पहुंच से दिन-प्रतिदिन के कार्यों में इसके कार्यान्वयन में सुविधा होती है और नगर राजभाषा समिति की बैठकों और प्रतियोगिताओं जैसे कार्यक्रम इसके उपयोग को और बढ़ावा देते हैं। उन्होंने अपने आधिकारिक कार्यों में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न केंद्र सरकार के संगठनों के योगदान की भी सराहना की। नरेन्द्र ए. पाटिल, डीआरएम ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित 'आदर्श मंडल- आचार्य रघुवीर चल वैजयंती' पुरस्कार जीतने के लिए विजयवाड़ा डिवीजन, एससीआर के राजभाषा विभाग की सराहना की।

विजयवाड़ा डिवीजन के एडीआरएम (संचालन) के. श्रीनिवास राव ने इस कार्यक्रम की मेजबानी करने पर गर्व व्यक्त किया और टीओएलआईसी सदस्यों की उत्साही भागीदारी को स्वीकार किया। उन्होंने संगठनों से आग्रह किया कि वे तकनीकी संगोष्ठियों, स्मारक कार्यक्रमों और हिंदी पखवाड़ा जैसी हिंदी से संबंधित पहलों में सक्रिय रूप से शामिल हों, गतिविधियों के निर्धारित कैलेंडर का पालन करें। एम.के. नागराजू ने समिति और सदस्य संगठनों द्वारा की गई विभिन्न गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए एक विस्तृत प्रस्तुति के माध्यम से टीओएलआईसी की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने कार्यालयों को आधिकारिक स्तर पर इसके उपयोग को बढ़ाने के लिए राजभाषा के अपने समर्पित कार्यान्वयन को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर, 2024 के दौरान हिंदी कार्यान्वयन में उनके सराहनीय प्रयासों के सम्मान में, नार्थ इंडिया पॉलिसिक, विजयवाड़ा के अंतर्गत कुल 42 सदस्य कार्यालयों को प्रतिष्ठित राजभाषा शील्ड से सम्मानित किया गया। इनमें से 20 कार्यालयों को सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार मिला, जबकि 22 कार्यालयों को उत्तम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, विजयवाड़ा ने सर्वश्रेष्ठ इन-हाउस पत्रिका के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया, जबकि प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), एपी और प्रधान महालेखाकार (लेखा परीक्षा), एपी ने संयुक्त रूप से इस श्रेणी में दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया। समारोह में हिंदी आधारित प्रतियोगिताओं में उत्कृष्टता का भी जश्न मनाया गया, जिसमें 42 केंद्रीय सरकारी संगठनों के 125 कर्मचारियों और अधिकारियों ने हिंदी समाचार वाचन, नोटिंग और प्रारूपण, निबंध लेखन, कविता पाठ, भाषण, प्रश्नोत्तरी और अंताक्षरी सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

4 से 18 फरवरी 2025 तक आयोजित प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कुल 51 विजेताओं को नरेंद्र ए. पाटिल, अध्यक्ष, टोली और डीआरएम, विजयवाड़ा डिवीजन, एससीआर द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का समापन शानदार तरीके से हुआ, जिसमें आधिकारिक संचार में हिंदी के महत्व को पुष्ट किया गया और इसके कार्यान्वयन को आगे बढ़ाने में भाग लेने वाले सभी संगठनों के सामूहिक प्रयासों की सराहना की गई। एस. श्रीनिवास, मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, गुंटुपल्ली वैगन वर्कशॉप, एम. लक्ष्मीकांत रेड्डी, निदेशक, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, डॉ.बी. वेंकटेश्वरलू, सहायक निदेशक प्रभारी, आरएआरआई, विजय कुमार यादव, जीएम, एफसीआई, शिव हर्ष, क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी और विजयवाड़ा क्षेत्राधिकार में विभिन्न केंद्रीय सरकारी संगठनों के प्रभारी, कार्यक्रम में शामिल हुए।

उप्पल के पूर्व विधायक बंडारू राजिरेड्डी का निधन

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। उप्पल के पूर्व विधायक बंडारू राजीरेड्डी का गुरुवार सुबह लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 80 वर्ष के थे। उनके परिवार के अनुसार, उनका अंतिम संस्कार शुक्रवार को होने की उम्मीद है। राजीरेड्डी ने कांग्रेस पार्टी के ज़रिए राजनीति में प्रवेश किया और विभिन्न पदों पर काम किया। वे 2009 में उप्पल से विधायक चुने गए। उन्होंने 2014 में चुनाव नहीं लड़ा, बल्कि अपने भाई बंडारू लक्ष्मा रेड्डी को मैदान में उतारा, जो उस चुनाव में हार गए। लक्ष्मा रेड्डी ने बाद में 2023 में बीआरएस के टिकट पर चुनाव लड़ा और जीत हासिल की।

राजीरेड्डी के निधन पर सभी दलों के नेताओं ने शोक जताया। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए राजीरेड्डी को एक प्रतिबद्ध नेता के रूप में याद किया, जिन्होंने उप्पल निर्वाचन क्षेत्र के लिए उल्लेखनीय सेवा की। उन्होंने कहा, वह हमेशा लोगों के दिलों में रहेंगे। पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने भी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सार्वजनिक जीवन में राजीरेड्डी के योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। कई कांग्रेस नेताओं ने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात की और राजनीति में उनके सेवाभावी दृष्टिकोण को याद किया।

प्रोफेसर सुजाता के खिलाफ कार्रवाई की मांग

ऑपरेशन सिंदूर पर की टिप्पणी

करीमनगर, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को सातवाहन विश्वविद्यालय में विरोध प्रदर्शन किया और तेलंगाना राज्य शिक्षा एवं विश्वविद्यालय की संकाय सदस्य प्रोफेसर सुरेपल्ली सुजाता के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने उन पर अपने फेसबुक अकाउंट पर ऑपरेशन सिंदूर के खिलाफ संदेश पोस्ट करने का आरोप लगाया। महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष चोपारी जयश्री के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने विश्वविद्यालय के गेट के सामने प्रदर्शन किया और प्रो. सुजाता के खिलाफ नारे लगाए। भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने प्रोफेसर का पुतला भी जलाया। महिला मोर्चा की नेता भी विश्वविद्यालय में घूम-घूम कर प्रोफेसर सुजाता से मिलने और उनकी टिप्पणियों पर सवाल उठाने की कोशिश करती रहीं, लेकिन वे नहीं मिलीं।

बाद में, उन्होंने विश्वविद्यालय प्राधिकारियों को एक ज्ञापन सौंपकर सुजाता को निलंबित करने की मांग की। दूसरी ओर, जिलाध्यक्ष गंगादी कृष्ण रेड्डी के नेतृत्व में भाजपा नेताओं ने पुलिस आयुक्त गौश आलम को एक ज्ञापन सौंपकर सुजाता के खिलाफ कार्रवाई करने का अनुरोध किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

दिल्ली-यूपी-हरियाणा ...

नोटिस में सुप्रीम कोर्ट ने उसके अगस्त 2024 के निर्देशों का पालन न करने की बात कही है। जिसमें अदालत ने इस साल 30 अप्रैल तक प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड्स में रिक्तियां भरने का निर्देश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी करते हुए पूछा है कि अधिकारियों को उसके निर्देशों का पालन न करने के लिए दंडित क्यों न किया जाए। साथ ही दिल्ली के मुख्य सचिव को 19 मई को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया गया है। वहीं अन्य राज्यों के मुख्य सचिवों को 18 जुलाई को वर्चुअली सुप्रीम कोर्ट में पेश होने का निर्देश दिया।

पाकिस्तान की जम्मू ...

जवान के पिता दयाराम ने बताया कि दिनेश 2014 में आर्मी में भर्ती हुए थे। पिछले 11 सालों में दिनेश की पोस्टिंग देश के कई राज्यों में रही। इन दिनों वह जम्मू के पुंछ में थे। हाल ही में उनकी लांस नायक के पद पर प्रमोशन हुई थी।

फायरिंग में आम लोगों के घरो को नुकसान पहुंचा :

पाकिस्तान की गोलाबारी से आम लोगों के घरो को नुकसान पहुंचा। राजौरी गांव के निवासी शैलेश कुमार ने कहा- हम डर के मारे अपने घर छोड़कर रात में ही भाग गए। दो इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। मेरे घर पर भी दो गोले गिरे। इसलिए हम यहां से भाग गए। पूरा गांव वीरान हो गया था और कुछ लोग अपने पशुओं को भी अपने साथ ले गए थे।

एलओसी से सटे बालाकोट, मेंढर, मनकोट, कृष्णा घाटी, गुलपुर, केरनी और पुंछ जिला मुख्यालय पर तोपों से गोलाबारी की। इससे दर्जनों घरों और वाहनों को नुकसान पहुंचा।

उरी में इमरजेंसी वाहन अलर्ट पर रखे गए :

जम्मू-कश्मीर के उरी में फायर एंड इमरजेंसी ऑफिसर शबीर उल हसन ने बताया, इलाके में भारी गोलाबारी के कारण पांच वाहनों को अलर्ट पर रखा है। श्रीनगर, बारामुल्ला, सोपोर और पट्टन से इमरजेंसी वाहन बुलाए गए हैं। हमारे पास एक फोम टेंडर, पांच वाटर टेंडर और पांच फायरफाइटिंग गाड़ियां हैं।

प्रदेश में सभी अस्पताल, पुलिस और प्रशासन अलर्ट मोड पर हैं। सीमावर्ती जिलों के डीसी, सभी वरिष्ठ प्रशासनिक व पुलिस और जिला अधिकारियों के साथ प्रदेश के बॉर्डर जिलों की स्थिति का जायजा लिया। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी सभी जिला उपायुक्तों से बात कर सीमावर्ती जिलों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कहा।

शीर्ष कोर्ट ने राजनीतिक ...

10 वर्षों से लंबित है मामला : एडीआर की ओर से अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि उनकी याचिका पिछले 10 वर्षों से लंबित है।

शीर्ष अदालत ने 7 जुलाई 2015 को एडीआर की याचिका पर केंद्र, चुनाव आयोग और कांग्रेस, भाजपा सहित छह राजनीतिक दलों को नोटिस जारी किया था। एडीआर ने सभी राष्ट्रीय और क्षेत्रीय राजनीतिक दलों को आरटीआई के दायरे में लाने के लिए उन्हें "सार्वजनिक प्राधिकरण" घोषित करने की मांग की थी। वकील अश्विनी उपाध्याय ने भी 2019 में राजनीतिक दलों को आरटीआई के दायरे में लाने के लिए इसी तरह की याचिका दायर की थी।

मिसरी बोले-पुंछ ...

उनकी छवि आतंक समर्थक की है। पाकिस्तान पहलगाम हमले की जांच की मांग कर रहा है, हम सभी को पाकिस्तान का इतिहास पता है। हम पहले भी आतंकी हमलों की जांच के सारे सबूत दे चुके हैं। मुंबई, पुलवामा, पठानकोट के हमलों को लेकर भी हमने सबूत दिए थे, लेकिन कुछ नहीं हुआ। पाकिस्तान ने हमेशा आतंकियों का बचाव किया है।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि सात मई को केवल आतंकी शिविरों को ही निशाना बनाया गया। हमने किसी सैन्य ठिकानों को निशाना नहीं बनाया है। पाकिस्तान ने भारत के पुंछ में सिख गुरुद्वारे पर हमला किया। सिख समुदाय को निशाना बनाया। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई। हम इसकी निंदा करते हैं। विदेश सचिव ने कहा कि वैश्विक आतंकवाद के केंद्र के रूप में पाकिस्तान की प्रतिष्ठा कई उदाहरणों में निहित है।

मुझे यह याद दिलाने की जरूरत नहीं है कि ओसामा बिन लादेन कहां पाया गया था और किसने उसे शहीद कहा था। पाकिस्तान बड़ी संख्या में संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादियों और कई देशों द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादियों का भी घर है।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि भारत ने तनाव नहीं बढ़ाया है, जवाब दिया है। हर धर्म के लोगों ने पाकिस्तान की निंदा की है। सिंधु जल संधि का भारत ने छह दशकों तक सम्मान किया है। इतने तनाव के बीच हमने धैर्य और सहनशीलता से संधि को बरकरार रखा है। जबकि पाकिस्तान हर समझौते की राह में रोड़ा बनता रहा है। सिंधु जल संधि में पाकिस्तान का कभी सहयोग नहीं रहा। हर हिमाकत का पाकिस्तान खुद जिम्मेदार होगा। पाकिस्तान प्रोपेगेंडा फैला रहा है। पाकिस्तान के जन्म लेते ही झूठ शुरू हो गया था। संयुक्त राष्ट्र से भी पाकिस्तान ने झूठ बोला। बाद में उनको मुंह की खानी पड़ी।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि यह अजीब है कि पाकिस्तान में नागरिकों के अंतिम संस्कार उनके राष्ट्रीय ध्वज में लिपटे ताबूतों के साथ किए जा रहे हैं और राजकीय सम्मान दिया जा रहा है, जबकि मारे गए लोग आतंकी थे। आतंकियों को राजकीय अंतिम संस्कार देना पाकिस्तान में एक प्रथा हो सकती है, लेकिन यह हमारे लिए बहुत मायने नहीं रखती।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

मुंबई-पंजाब मैच धर्मशाला से अहमदाबाद शिफ्ट

गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव अनिल पटेल ने दी जानकारी, 11 मई को खेला जाएगा मुकाबला

मुंबई, 8 मई (एजेंसियां)। आईपीएल में पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच 11 मई को धर्मशाला में होने वाला मैच अहमदाबाद शिफ्ट कर दिया गया है। मैच लॉजिस्टिक कारणों से अहमदाबाद शिफ्ट किया गया है।

गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव अनिल पटेल ने पीटीआई से इस बात की पुष्टि की। पटेल ने कहा, बीसीसीआई ने हमसे अनुरोध किया और हमने स्वीकार कर लिया। हालांकि इस लेकर अब तक बीसीसीआई की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। पंजाब किंग्स का मुकाबला आज धर्मशाला में दिल्ली कैपिटल्स से होगा। 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 9 ठिकानों पर मिसाइल हमले किए। इसके बाद से देश में उत्तर और पश्चिम हिस्सों के कम से कम 18 हवाई अड्डे बंद कर दिए गए, जिनमें धर्मशाला भी शामिल हैं। जिसके बाद यह निर्णय लिया गया है।

इस स्टेडियम में आईपीएल के 2 मैच खेले जाने हैं

अहमदाबाद के इस स्टेडियम में अभी आईपीएल के दो मैच शेष हैं। पहला मैच 14 मई को और दूसरा मैच 18 मई को खेला जाएगा। गुजरात पहले मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स का सामना करेगी, जबकि दूसरे मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स का मुकाबला करेगी।

दुनिया का सबसे बड़ा स्टेडियम है नरेंद्र मोदी स्टेडियम

नरेंद्र मोदी स्टेडियम दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम है। इसकी दर्शक क्षमता 1 लाख 32 हजार है। इससे पहले दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न का नाम शुमार था। एमसीजी की क्षमता एक लाख दर्शक है।

पंजाब के पास नंबर-1 पर पहुंचने का मौका

पंजाब किंग्स के 11 मैचों में 7 जीत और 1 बेनतीजा मैच से 15 पॉइंट्स हैं। टीम फिलहाल तीसरे नंबर पर है। आज का मैच जीतकर पीबीकेएस पहले नंबर पर पहुंच जाएगी और प्लेऑफ में जगह लगभग पक्की कर लेगी। हालांकि, टीम को जगह कन्फर्म करने के लिए उसके बाद भी 2 में से 1 मैच जीतने की जरूरत पड़ सकती है। अगर पीबीकेएस आज हारी तो उन्हें फिर बचे हुए दोनों मैच जीतने होंगे।

मुंबई को दोनों मैच जीतने होंगे मुंबई के 11 मैचों में 7 जीत और 4 हार से 14 पॉइंट्स हैं। टीम चौथे नंबर पर खिसक गई। यहां से एमआई को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए, बचे हुए दोनों मैच जीतने होंगे। टीम के मुकाबले पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स से बचे हैं।

'वे एजेंडा चलाते हैं', भारतीय कमेंटेटर्स पर बुरी तरह भड़के रोहित शर्मा

मुंबई, 8 मई (एजेंसियां)। रोहित शर्मा ने टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट के बाद 7 मई को टेस्ट क्रिकेट छोड़ने का फैसला किया। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। रोहित का ये फैसला अचानक आया, जिससे दुनिया भर में मौजूद उनके फैंस हैरान रह गए। संन्यास के बाद रोहित शर्मा का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें हिटमैन ने भारतीय कमेंटेटर्स पर भड़ास निकाली है । हिटमैन का मानना है कि भारतीय कमेंटेटर्स खिलाड़ियों को निशाना बनाते हैं। रोहित का बयान अब चर्चा में है।

रोहित शर्मा का बयान आया सामने

रोहित शर्मा ने विमल कुमार को दिए इंटरव्यू में भारतीय कमेंटेटर्स पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि आज, जिस तरह से कमेंटेटर्स टीवी पर बोलते हैं, वह बहुत निराशाजनक है। जब हम ऑस्ट्रेलिया जाते हैं, तो उनकी कमेंट्री बिल्कुल अलग स्तर की होती है। यह रात और दिन की तरह है। यहां भारत में, ऐसा लगता है कि कमेंटेटर्स का लक्ष्य केवल एक खिलाड़ी को चुनना और उसके बारे में नकारात्मक बातें करना है। वे एजेंडा चलाते हैं।

वो निजी जीवन पर बात करते हैं- हिटमैन

हिटमैन का मानना है कि भारत में ज्यादातर लोग क्रिकेट पर चर्चा करना चाहते हैं। वह खेल को समझना चाहते हैं। लेकिन हमारे कमेंटेटर्स खिलाड़ियों के निजी जीवन को निशाना बनाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमारे भारत में ऐसे क्रिकेट प्रेमी हैं जो वास्तव में पूरी क्रिकेट कमेंट्री सुनना चाहते हैं और खेल को समझना चाहते हैं, न कि वे जो गपशप और मसाला चीजों में रुचि रखते हैं। लेकिन यहां कमेंटेटर्स अक्सर क्रिकेटरों की निजी जिंदगी के बारे में बात करते हैं और सब कुछ कह देते हैं। पहले मैं देखता था कि रिपोर्टिंग सिर्फ क्रिकेट पर ही होती थी, खेल के बारे में चर्चा होती थी। लेकिन अब मैं देखता हूं कि सब कुछ इस बारे में होता है कि कैसे ज्यादा से ज्यादा व्यूज मिले।

धोनी बोले-मैंने अभी भविष्य पर कोई निर्णय नहीं लिया

आईपीएल से संन्यास की अटकलें लगाई जा रही थीं, जुलाई में 44 साल के हो जाएंगे

कोलकाता, 8 मई (एजेंसियां)। एमएस धोनी ने बुधवार को सीएसके और केकेआर मैच के बाद कोलकाता में साफ कर दिया कि उनका अभी आईपीएल से संन्यास लेना तय नहीं है और समय के साथ इस बारे में फैसला करेंगे। इस सीजन के खत्म होने के बाद उनकी संन्यास की अटकलें लगाई जा रही थीं।

धोनी ने मैच के बाद कहा, यही वह प्यार और स्नेह है जो मुझे हमेशा मिलता रहा है। यह मत भूलिए कि मैं 43 साल का हूं। मैं लंबे समय तक खेला हूं। उनमें से बहुतों को नहीं पता कि मेरा आखिरी मैच कब होगा (मुस्कुराते हुए) इसलिए वे आकर मुझे खेलते हुए देखना चाहते हैं।

उन्होंने आगे कहा, मैं साल में केवल दो महीने ही खेलता हूं। जब यह आईपीएल खत्म होगा, तो मुझे फिर से छह से आठ महीने में कड़ी मेहनत करनी होगी, ताकि मैं देख सकूं कि मेरा शरीर इस तरह का दबाव झेलने के लिए फिट है या नहीं। तो अभी मेरे लिए कुछ तय करने जैसा नहीं है, लेकिन जहां भी मैं गया हूं, वहां मुझे प्यार और अपनापन मिला है।

सीएसके ने केकेआर को 2 विकेट से हराया

इस मैच में सीएसके ने केकेआर को 2 विकेट से हराया। केकेआर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट के नुकसान पर 179 रन बनाए थे। चेन्नई ने 2 गेंद शेष रहते ही 8 विकेट के नुकसान पर 183 रन बना लिए। धोनी ने इस मैच में नाबाद 17 रन बनाकर चेन्नई को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

धोनी की फिटनेस को लेकर फ्लेमिंग ने दिया था बयान

चेन्नई सुपर किंग्स के हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने धोनी की फिटनेस को लेकर लगातार 2 हार के बाद अपडेट दिया था। उन्होंने बताया कि धोनी के घुटने पहले जैसे नहीं रहे और इसी वजह से वे 10 ओवर तक लगातार भाग कर बल्लेबाजी नहीं कर सकते हैं। इसी कारण मुकाबले के अनुसार उनकी बैटिंग पोजिशन का फैसला किया जाता है।

धोनी आईपीएल में 200 शिकार करने वाले पहले विकेटकीपर

चेन्नई के कप्तान एमएस धोनी ने बतौर विकेटकीपर आईपीएल में 200 शिकार पूरे कर लिए। उन्होंने कोलकाता के खिलाफ 1 कैच लिया और 1 स्टंपिंग की। धोनी आईपीएल में 200 शिकार करने वाले पहले विकेटकीपर बने। उनके नाम सबसे ज्यादा 153 कैच और 47 स्टंपिंग रही।

2026 को ध्यान में रख कर युवाओं को दे रहे हैं मौका

सीएसके प्लेऑफ से बाहर हो चुका है। धोनी ने कहा कि अभी युवाओं को परखने का अच्छा समय है। सीएसके इस सीजन के अपने आखिरी कुछ मैचों का उपयोग आईपीएल 2026 के लिए तैयारी करने के लिए कर रहा है। धोनी ने कहा कि ये वे खिलाड़ी हैं जो अभी हमारे साथ हैं। इसलिए हमारे पास उन्हें परखने का मौका है। आप उन्हें नेट्स में देख सकते हैं। आप उन्हें अभ्यास मैच में देख सकते हैं लेकिन असली मैच जैसा कुछ नहीं है। हम टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं। हमारे पास तीन गेम बचे हुए थे, ऐसे में हम उन्हें मौका देकर परखना चाहते हैं। जिससे उनकी मानसिकता और खेल के जागरूकता के बारे में पता चल सके।

मैदान पर इस हरकत के लिए वरुण चक्रवर्ती पर बीसीसीआई का बड़ा एक्शन

फीस का 25% जुर्माना लगाया

मुंबई, 8 मई (एजेंसियां)। कोलकाता नाइट राइडर्स के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने कड़ी कार्रवाई करते हुए जुर्माना लगाया है। बुधवार को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में चक्रवर्ती ने विस्फोटक बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस को आउट करने के बाद अनुचित तरीके से जश्न मनाया था।

दरअसल, ब्रेविस ने इस मैच में धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए केवल 25 गेंदों में 52 रनों की तूफानी पारी खेली। इस दौरान उन्होंने तेज़ गेंदबाज़ वैभव अरोरा के एक ओवर में तीन छक्के और तीन चौकों की मदद से 30 रन बटोर लिए। हालांकि अगले ही ओवर में वरुण चक्रवर्ती ने उन्हें रिंकू सिंह के हाथों कैच आउट करा दिया। आउट होने के बाद वरुण चक्रवर्ती जोश में आकर ब्रेविस को पवेलियन लौटने के लिए उंगली दिखाते हुए जश्न मनाने लगे।

इस हरकत को आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन मानते हुए मैच रेफरी ने उन्हें दोषी ठहराया और मैच फीस का 25% जुर्माना लगाया। इसके अलावा, उन्हें एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया है। चक्रवर्ती ने लेवल 1 के अपराध को स्वीकार कर लिया है।

आईपीएल ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि वरुण चक्रवर्ती ने अनुच्छेद 2.5 के तहत आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन को स्वीकार किया है। चूंकि यह लेवल 1 का मामला है, इसलिए मैच रेफरी का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी है, जिस पर अपील की अनुमति नहीं होती।

मैच की बात करें तो कोलकाता नाइट राइडर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 6 विकेट पर 179 रन बनाए थे। इसके जवाब में चेन्नई सुपर किंग्स ने 19.4 ओवर में 8 विकेट खोकर यह लक्ष्य हासिल कर लिया। सीएसके की ओर से नूर अहमद ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट चटकाए और उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

ताइपे ओपन में श्रीकांत-उन्नति दूसरे दौर में

कंपाउंड तीरंदाजी विश्व कप में भारतीय टीम का कमाल

खेल डेस्क, 8 मई (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष और महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीमें विश्व कप के दूसरे चरण के फाइनल्स में पहुंच गई जिससे भारत के कम से कम दो पदक पक्के हो गए। भारत के ओजस देवताले, अभिषेक वर्मा और ऋषभ यादव की नंबर एक टीम ने ब्रिटेन को क्वार्टर फाइनल में 239-232 से हराया । इसके बाद डेनमार्क को 232-231 से मात दी। वहीं, भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत ने बुधवार को ताइपे ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपना अभियान शानदार तरीके से शुरू करते हुए सीधे गेम में जीत दर्ज कर कई अन्य युवा खिलाड़ियों के साथ दूसरे दौर में जगह बनाई।

महिला कंपाउंड वर्ग में भारत की मधुरा धमनगांवकर, चिकिता तानीपर्थी और ज्योति सुरेखा वेन्नम ने कजाखस्तान की टीम को क्वार्टर फाइनल में हराया । इसके बाद ब्रिटेन को हराकर फाइनल में जगह बनाई जहां शनिवार को उसका सामना मैक्सिको से होगा। ब्रिटेन के खिलाफ पुरुष वर्ग के क्वार्टर फाइनल में भारत ने पहली सीरिज 59-60 से गंवा दी जिसके बाद 60-58 से जीता। तीसरी सीरिज में भारत 60-57 से विजयी रहा और चौथा सेट भी इसी अंतर से जीता। सेमीफाइनल में भारत ने पहली सीरिज 57-60 से गंवाई जबकि दूसरी में स्कोर 58-58 रहा। तीसरी सीरिज भारत ने 115-118 से गंवाई । इसके बाद भारत ने 57-56 से जीत दर्ज की। महिला कंपाउंड वर्ग में भारत ने कजाखस्तान को 232-229 से और ब्रिटेन को 232-230 से हराया।

ताइपे ओपन में भारतीय खिलाड़ियों का जलवा

विश्व रैंकिंग में 61वें स्थान पर काबिज श्रीकांत ने हमवतन संकर सुब्रमण्यम (2022 विश्व जूनियर चैंपियनशिप रजत पदक विजेता) को 21-16 21-15 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया और अब उनका सामना एक अन्य भारतीय आयुष शेट्टी से होगा। ओरलियंस मास्टर्स के सेमीफाइनल में पहुंच आयुष ने चीनी ताइपे के तीसरे वरीय ली चिया हाओ को 50 मिनट में 21-17 21-18 से शिकस्त दी।

वहीं 2023 राष्ट्रीय खेलों के स्वर्ण पदक विजेता थारुण मानेपल्ली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान के शोगो ओगा को 70 मिनट में 21-17 19-21 21-12 से मात दी और अब उनकी भिड़ंत इंडोनेशिया के मोहम्मद जाकी उबैदिल्लाह से होगी। मेराबा लुवांग मेसनाम को हालांकि कनाडा के ब्रायन यांग से 21-23 12-21 से हार का मुंह देखना पड़ा।

महिला एकल में उन्नति हुड्डा ने हमवतन अनुपमा उपाध्याय को 21-13 21-17 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई जिसमें उनका सामना ताइपे की लिन सिह युन से होगा। आकर्षी कश्यप को हालांकि एकतरफा मुकाबले में ताइपे की हुंग यि टिंग से 9-21 12-21 से हार मिली।

सुपरबेट शतरंज क्लासिक में गुकेश ने प्रज्ञानंद से ड्रॉ खेला

35 चाल के बाद बनी सहमति

बुकारेस्ट, 8 मई (एजेंसियां)। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने बुधवार को यहां सुपरबेट शतरंज क्लासिक्स में अपने अभियान की शुरुआत साथी भारतीय खिलाड़ी आर प्रज्ञानंद के खिलाफ ड्रॉ के साथ की। गुकेश और प्रज्ञानानंद 35 चाल के बाद ड्रॉ पर सहमत हो गए।

फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा और वेस्ली सो ने दस खिलाड़ियों के राउंड रोबिन टूर्नामेंट में शुरुआती दौर के बाद संयुक्त बढ़त बना ली है। इन दोनों ने क्रमशः फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर-लाग्रेव और रोमानिया के डेक बोगदान-डेनियल को हराया।

यह प्रतियोगिता ग्रैंड शतरंज टूर का हिस्सा है और इसकी इनामी राशि 350,000 डॉलर है। अन्य बाजियों में पोलैंड के डूडा जान क्रिस्टोफ ने अमेरिका के फबियानो करुआना के साथ ड्रॉ खेला जबकि अमेरिका के लिए लेवोन अरोनियन ने उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के साथ अंक बांटे। अलीरेजा और वेस्ले एक-एक अंक के साथ तालिका में शीर्ष पर हैं और उनके बाद गुकेश, प्रज्ञानानंदा, अरोनियन, अब्दुसत्तोरोव, करुआना और डूडा हैं जबकि डेक और मैक्सिम को अभी अपना खाता खोलना है।

53 महीने बाद भी नहीं सुलझी माराडोना के मौत की गुत्थी!

ब्यूनस आयर्स, 8 मई (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर डिएगो माराडोना के निधन को 53 महीने बीत चुके हैं, लेकिन उनके मौत की गुत्थी अब तक नहीं सुलझी है। स्थानीय पुलिस उनकी मौत में साजिश की आशंका जता रही है और इसके लिए माराडोना के स्वास्थ्य का ध्यान रख रहे सात चिकित्सा पेशेवरों पर हत्या के आरोप भी लगे हैं। इसी कड़ी में बुधवार को पुलिस ने इन सात मेडिकल प्रोफेशनल्स की क्लिनिक पर माराडोना के पूरे मेडिकल रिकॉर्ड्स को जब्त करने के लिए छापा मारा। सातों चिकित्सा पेशेवरों पर स्टार फुटबॉलर के स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही बरतने का आरोप है। अदालत ने सातों पर मुकदमा चलाने के आदेश दिए हैं। पुलिस का छापा इसी को लेकर सबूत जुटाने में था। पुलिस ने अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स के एक स्वास्थ्य क्लिनिक छापा मारा और डिएगो माराडोना के संपूर्ण मेडिकल रिकॉर्ड जब्त कर लिए।

लॉस ओलिवोस क्लिनिक के चिकित्सा निदेशक पाब्लो दिमित्रॉफ ने गवाही दी कि माराडोना ने प्री-सर्जिकल अध्ययन किया था। उसी केंद्र में एक न्यूरोसर्जन द्वारा बिना किसी परेशानी के ऑपरेशन किया गया था। हालांकि, मामला तब सवालों के घेरे में आया जब उन अध्ययनों को माराडोना के मेडिकल रिकॉर्ड्स में शामिल नहीं किया गया था। ट्रायल जज ने तीन से 11 नवंबर, 2020 के बीच की माराडोना के स्वास्थ्य से जुड़ी सभी फाइलों को जब्त करने के लिए छापेमारी का आदेश दिया था। पुलिस ने आधी रात को छापा मारा और छापेमारी बुधवार सुबह चार बजे तक चली।

पुलिस रिपोर्ट से पता चला है कि अधिकारियों ने संबंधित अभिलेखों के लगभग 275 पृष्ठ और परीक्षण पर चिकित्सा पेशेवरों के बीच आदान-प्रदान किए गए 547 ईमेल सुरक्षित किए हैं। इसकी जांच गुरुवार को भी जारी रहेगी। दरअसल, माराडोना की खोपड़ी और मस्तिष्क के बीच बने हेमटोमा की सर्जरी हुई थी यानी दिमाग में खून का थक्का जमा होने की वजह से उनकी सर्जरी हुई थी। वह चार से 11 नवंबर के बीच ओलिवोस में गहन देखभाल में रहे। इसके बाद अचानक से उन्हें अस्पताल से रिलीज किया गया और एक निजी घर में रिहैब के लिए भेज दिया गया। वहीं, 25 नवंबर 2020 को 60 वर्ष की आयु में उनकी मृत्यु हो गई।

माराडोना ने दशकों तक कोकीन और शराब की लत से लड़ाई लड़ी थी। माराडोना की मेडिकल टीम पर मुकदमा है। इस पूरे कांड को अभियोजकों ने माराडोना के जीवन के अंतिम दिनों का 'हॉरर थिएटर' बताया है। माराडोना की मौत दिल का दौरा पड़ने और एक्यूट पल्मोनरी एडिमा (ऐसी स्थिति जहां फेफड़ों में तरल पदार्थ जमा हो जाता है) की वजह से हुई। कैसिनेली ने कहा कि जिस घर में माराडोना का निधन हुआ, वह रिहैब के लिए उपयुक्त स्थान नहीं था।

पीएसएल छोड़ेंगे विदेशी खिलाड़ी !

ऑपरेशन सिंदूर से उड़ी रातों की नींद

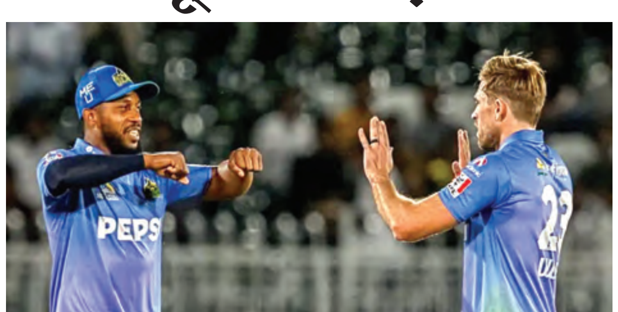

ऑपरेशन सिंदूर, 8 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में इन दिनों पीएसएल 2025 खेला जा रहा है। जिसमें कई विदेशी खिलाड़ी भी खेल रहे हैं। वहीं भारत द्वारा पाकिस्तान और पीओके में की गई एयर स्ट्राइक के बाद पीएसएल में खेल रहे विदेशी खिलाड़ी डर गए हैं। जिसके बाद रिपोर्ट सामने आ रहा है कि कुछ विदेशी खिलाड़ी अब पीएसएल को छोड़कर जाना चाहते हैं।

इंग्लैंड के खिलाड़ी छोड़ना चाहते हैं पीएसएल

भारत द्वारा की गई एयर स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पुष्टि की थी कि पीएसएल के मैच तय कार्यक्रम के मुताबिक ही खेले जाएंगे। हालांकि अब इंग्लैंड के कुछ खिलाड़ी इसको लेकर चिंतित है और पीएसएल को छोड़ना चाहते हैं। पीएसएल में इंग्लैंड के सैम बिलिंग्स, जेम्स विंस, टॉम करन, डेविड विली, क्रिस जॉर्डन, टॉम कोहलर-कैडमोर और ल्यूक वुड जैसे खिलाड़ी खेल रहे हैं। वहीं रिपोर्ट के मुताबिक डेविड विली और क्रिस जॉर्डन ने मुल्तान सुल्तान्स को कहा है कि वे पीएसएल को छोड़कर जाना चाहते हैं क्योंकि उनकी टीम भी प्लेऑफ की रेस से बाहर है और टीम का महज एक लीग मैच बचा है।

इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड और प्रोफेशनल क्रिकेटर्स एसोसिएशन कथित तौर पर खिलाड़ियों के संपर्क में हैं, हालांकि, उन्होंने अभी तक खिलाड़ियों को देश छोड़ने का निर्देश नहीं दिया है।

पहलगाम अटैक के बाद भारत की एयर स्ट्राइक

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने मासूम पर्यटकों को निशाना बनाते हुए उनको जान से मार दिया था। जिसके बाद से पूरे भारत में पाकिस्तान के खिलाफ आक्रोश देखने को मिला। अब भारत ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादियों के ठिकानों पर एयर स्ट्राइक करके करारा जवाब दिया।

हैदराबाद की सुरक्षा के लिए अच्छे विचार से हाइड्रा की स्थापना : रेवंत रेड्डी

> सीएम ने किया हाइड्रा पुलिस स्टेशन का उद्घाटन

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने आज हैदराबाद के बुद्ध भवन में हाइड्रा पुलिस स्टेशन का उद्घाटन किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि हाइड्रा के कर्तव्यनिष्ठा के तहत हाइड्रा पुलिस स्टेशन का उद्घाटन किया। राज्य सरकार ने ऐतिहासिक शहर हैदराबाद की सुरक्षा के लिए एक अच्छे विचार के साथ हाइड्रा की स्थापना की। उन्होंने कहा कि 1908 की बाढ़ ने शहर में तबाही मचाई और तत्कालीन निज़ाम सरकार को भी परेशान किया। निज़ाम शासकों ने बाढ़ को रोकने के लिए प्रसिद्ध इंजीनियर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की मदद से उस्मान सागर और हिमायत सागर का निर्माण किया। शहर के पुनर्निर्माण के उद्देश्य से हाइड्रा की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल निकायों और तालाबों की सुरक्षा की कमी के कारण बेंगलुरू पीने के पानी के संकट का सामना कर रहा है। मुंबई और चेन्नई भी लगातार बाढ़ की समस्या से जूझ रहे हैं। दिल्ली में प्रदूषण को नियंत्रित करने में विफलता के कारण स्कूलों और संसद में भी छुट्टियां घोषित की जा रही हैं। मेट्रो शहर निर्जन शहर बनते जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर प्रकृति की रक्षा नहीं की गई तो हैदराबाद में भी ऐसी ही भयावह स्थिति देखने को मिलेगी। सरकार ने इस पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए कड़ी आलोचना के बावजूद हाइड्रा का गठन किया। अगर कोई प्रभावशाली व्यक्ति झीलों पर अतिक्रमण करता पाया गया तो भी एजेंसी बर्दाश्त नहीं करेगी। चिंता की बात यह है कि हल्की बारिश में भी कॉलोनियां जलमग्न हो जाती हैं। हाइड्रा का काम सिर्फ ध्वस्तीकरण ही नहीं है, बल्कि बारिश के दौरान यातायात को सुचारू करने, जल जमाव की समस्या का समाधान करने और बिजली आपूर्ति बहाल करने की जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि शहर में कई तालाबों और झीलों पर अतिक्रमण हो गया है। कुछ लोगों ने सड़कों पर अतिक्रमण कर निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। क्या ऐसी अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण की जरूरत नहीं है? क्या हमें शहर को ऐसे ही छोड़ देना चाहिए? यही मुख्य कारण है कि सरकार ने हाइड्रा का गठन किया है। हम हाइड्रा के जरिए तालाबों का जीर्णोद्धार करेंगे और उनकी सुरक्षा करेंगे। जिन लोगों ने तालाबों, नहरों और मूसी पर अतिक्रमण किया है, वे हाइड्रा से नाराज हैं। अगर कुछ लोग हमारे फैसले का विरोध भी करेंगे तो भी सरकार पीछे नहीं हटेगी। कुछ ताकतें जलाशयों के जीर्णोद्धार और प्रकृति की सुरक्षा के खिलाफ चिल्ला रही हैं। उन्होंने कहा कि अगर अतिक्रमण हटा दिया गया तो रियल्टी उद्योग ध्वस्त हो जाएगा। कुछ ताकतें इतनी पीड़ा क्यों महसूस कर रही हैं? कुछ नेता यह पचा नहीं पा रहे हैं कि सरकार को आगे बढ़ने और समाज के लिए कुछ अच्छा करने से रोका जा रहा है। गुजरात में साबरमती, यूपी में गंगा और दिल्ली में यमुना नदी को पुनर्जीवित किया गया है। आश्चर्य है कि वे मूसी नदी के पुनरुद्धार का विरोध क्यों कर रहे हैं। भाजपा नेताओं ने दावा किया कि वे अपने शासन वाले राज्यों में अच्छा काम कर रहे हैं। क्या कांग्रेस का तेलंगाना में ऐसा करना गलत है? अगर नेताओं को मुझसे कोई शिकायत है तो वे मुझे दिखाएं। लोगों के लिए जो काम अच्छा है, उसमें बाधा डालना बंद करें। आइए विरासत को संरक्षित करें और शहर का पुनर्निर्माण करें। हाइड्रा अधिकारियों को सुझाव है कि वे गरीबों के प्रति दया दिखाएं और दयालुता से काम करें। गरीबों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए सरकार के ध्यान में लाएं। अगर कोई प्रभावशाली व्यक्ति दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई करें।

सीएम ने आतंकवाद के खिलाफ राष्ट्रीय एकजुटता रैली में भाग लिया

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने गुरुवार शाम सचिवालय से इंदिरा गांधी प्रतिमा तक आतंकवाद के खिलाफ राष्ट्रीय एकजुटता रैली में भाग लिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि भारतीय सेना के साथ एकजुटता व्यक्त करने के लिए तेलंगाना में आयोजित बड़ी रैली का उद्देश्य सैनिकों को यह प्रेरित करना था कि आतंकवाद से देश की रक्षा करने में सभी एक हैं। यदि कोई आतंकवाद को बढ़ावा देता है और देश की संप्रभुता को नुकसान पहुंचाने की साजिश करता है तो उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

यह उन लोगों के लिए एक बड़ी चेतावनी है जो संप्रभुता को नुकसान पहुंचाने की साजिश रच रहे हैं, उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। जब देश की सुरक्षा की बात आती है तो हम सभी राजनीति से परे एकजुट होंगे। हम शांतिप्रिय हैं। अपराधियों को देश द्वारा बनाए गए संयम का फायदा नहीं उठाना चाहिए और ऑपरेशन सिंदूर के तहत जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार रहना चाहिए। हम आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए भारतीय सेना के समर्थन में खड़े होंगे।

11 मई को श्री नरसिंह जयंती मनाएगा हरे कृष्ण स्वर्ण मंदिर

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के प्राचीन श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिरों में से एक, हरे कृष्ण स्वर्ण मंदिर, जो बंजारा हिल्स की एक पहाड़ी पर स्थित है, 11 मई को श्री नरसिंह जयंती उत्सव मनाएगा। हरे कृष्ण मूवमेंट- हैदराबाद के अध्यक्ष श्री सत्य गौर चंद्र दास प्रभुजी ने कहा कि हम 11 मई को तेलंगाना के अपने पहले स्वर्ण मंदिर में श्री नरसिंह जयंती महोत्सव मना रहे हैं, जिसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं वर्तमान में चल रही हैं। उत्सव के मुख्य आकर्षणों में योग नरसिम्हा के रूप में श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी के स्वयंभू देवता और विशेष अलंकार के विशेष दर्शन, भक्तों के लिए पूरे दिन झूलन सेवा में भाग लेने का अवसर, स्वयंभू श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी का महा अभिषेकम, श्री नरसिम्हा होमा के बाद कल्याणोत्सवम और श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी (उत्सवर देवता) का 108 कलश महाअभिषेक शामिल हैं। प्रातः 9 बजे बच्चों और अभिभावकों के लिए एक अनूठा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें वे पवित्र मंत्र की सुरक्षात्मक शक्ति के माध्यम से अभय- दिव्य निर्भयता को जागृत करके भय, चिंता और आत्म-संदेह पर काबू पाने के लिए शक्तिशाली नरसिंह मंत्रों का जाप करेंगे।

हाईटेंशन तार से टकराने के बाद वैन जलकर खाक

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार रात संतोषनगर में हाईटेंशन तार के संपर्क में आने से एक वैन जलकर खाक हो गई। पुलिस के अनुसार, चारा से लदा वाहन संतोषनगर कॉलोनी स्थित एक डेयरी फार्म की ओर जा रहा था, तभी वह हाईटेंशन तार की चपेट में आ गया। वाहन से आग निकलने लगी और रिहायशी इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर चंद्रायनगुट्टा अग्निशमन केंद्र से एक दमकल गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया।

तीन ग्रेहाउंड जवानों के शव पोस्टमार्टम के लिए लाए गए वारंगल

वारंगल, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुलुगु जिले में गुरुवार को हुए आईईडी विस्फोट में शहीद हुए तेलंगाना ग्रेहाउंड के तीन जवानों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए यहां एमजीएम अस्पताल लाया गया। मृतक जवान संदीप, पवन कल्याण और श्रीधर की मृत्यु मुलुगु जिले के वाजेदु-वेंकटपुरम मंडल में करेंगुट्टा पहाड़ियों में फैले पेनुगोलु-पेरुर के जंगलों में माओवादियों द्वारा चलाए गए आईईडी के प्रभाव में आने से हुई।

आरएसआई रणधीर को गंभीर चोटें आईं, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए हैदराबाद ले जाया गया। यह घटना उस समय हुई जब ग्रेहाउंड के जवान जंगलों में नियमित तलाशी अभियान चला रहे थे। डीजीपी डॉ. जितेन्द्र और अतिरिक्त डीएसपी (ग्रेहाउंड्स) एम. स्टीफन रवींद्र शहीद जवानों को श्रद्धांजलि देने वारंगल पहुंचे। उन्होंने वारंगल के पुलिस आयुक्त सनप्रीत सिंह के साथ बैठक की।

मिस वर्ल्ड की प्रतिभागी हैदराबाद में शानदार प्रदर्शन के लिए तैयार

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मिस वर्ल्ड की प्रतिभागी हैदराबाद में वैश्विक प्रतिभा के शानदार प्रदर्शन के लिए तैयार है। इस आयोजन के लिए दुनिया भर से 100 से अधिक प्रतिभागी हैदराबाद पहुंचे हैं, जो आधिकारिक तौर पर सुंदरता, संस्कृति और प्रतिभा के एक भव्य अंतर्राष्ट्रीय समारोह के लिए मंच तैयार कर रहा है।

6, 7 और 8 मई को राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर प्रतिभागियों का गर्मजोशी से पारंपरिक स्वागत किया गया, जो तेलंगाना की समृद्ध संस्कृति और आतिथ्य को दर्शाता है। तेलंगाना सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्था कर रही है कि यह आयोजन एक शानदार सफलता हो। 10 मई को गच्चीबावली इंडोर स्टेडियम में उद्घाटन समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं, जिसमें प्रतिभागियों को दुनिया से परिचित कराने के लिए एक शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुति होगी। 22 मई को शिल्पकला वेदिका में टैलेंट फिनाले मुख्य आकर्षणों में से एक है, जहां प्रतिभागी संगीत, नृत्य, कला और बहुत कुछ में अपने अद्वितीय कौशल का प्रदर्शन करेंगे.. सुंदरता से परे रचनात्मकता का उत्सव। 23 मई को ट्राइडेंट में होने वाले हेड टू हेड चैलेंज फिनाले में वैश्विक मुद्दों पर आमने-सामने की चर्चा के माध्यम से प्रतिभागियों की बुद्धि, आत्मविश्वास और संचार कौशल पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। 23 और 24 मई को मिस वर्ल्ड टॉप मॉडल और फैशन फाइनल होगा, जिसके बाद ज्वैलरी और पर्ल फैशन शो होगा, जिसमें तेलंगाना के प्रमुख फैशन डिजाइनरों के साथ विशेष बातचीत होगी। इस आयोजन को और भी रोचक बनाने के लिए 26 मई को हाईटेक्स में ब्यूटी विद पर्पस प्रस्तुतियों में दुनिया भर के प्रतिभागियों द्वारा संचालित सामाजिक सेवा परियोजनाओं पर प्रकाश डाला जाएगा।

इस प्रतिष्ठित आयोजन के केंद्र में हैदराबाद है और सरकार इसके शानदार क्रियान्वयन को सुनिश्चित कर रही है, जिससे भारत एक बार फिर ब्यूटी विद पर्पस के वैश्विक मेजबान के रूप में अपनी ताकत का प्रदर्शन कर रहा है।

नकली बीज की बिक्री की जांच के लिए विशेष टास्क फोर्स का गठन

सिद्दीपेट, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त डॉ.बी अनुराधा ने वनकालम सीजन से पहले नकली बीज विक्रेताओं पर नजर रखने के लिए विशेष टास्क फोर्स टीमों का गठन किया। गुरुवार को प्रेस को दिए बयान में डॉ. अनुराधा ने कहा कि वे किसानों को नकली बीज बेचते पकड़े गए लोगों के खिलाफ पीडी एक्ट के तहत मामला दर्ज करेंगी। आयुक्त ने कहा कि नकली बीजों की वजह से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा।

पुलिस, कृषि और अन्य विभागों के सदस्यों वाली टास्क फोर्स समिति नियमित रूप से पूरे जिले का दौरा करेगी। उन्होंने कहा कि वे नकली बीजों की बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए नियमित रूप से बीज की दुकानों और गोदामों की जांच करेंगे। उन्होंने कहा कि नकली बीज बेचने का इतिहास रखने वालों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि सिद्दीपेट में नकली बीजों के परिवहन को रोकने के लिए जिले की सीमाओं पर भी निगरानी रखी जाएगी।

हैदराबाद पुलिस ने बढ़ा दी धार्मिक स्थलों पर चौकसी

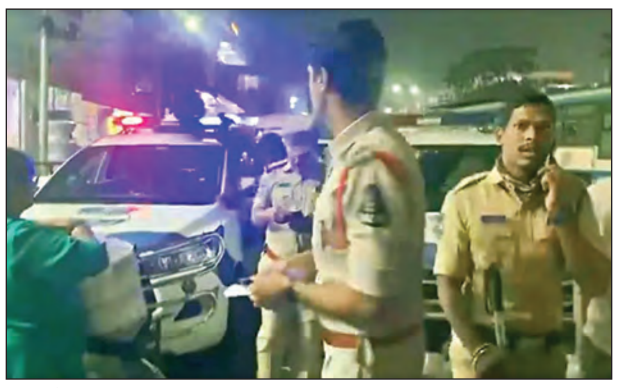

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्र सरकार द्वारा सभी राज्यों को किसी भी आंतरिक अशांति को रोकने के लिए अतिरिक्त सतर्कता बरतने की सलाह दिए जाने के बाद, हैदराबाद पुलिस ने सांप्रदायिक तनाव पैदा करने के असामाजिक तत्वों के प्रयासों को विफल करने के लिए धार्मिक स्थलों के आसपास निगरानी बढ़ा दी है। स्थानीय, संभागीय, क्षेत्रीय स्तर पर रात्रि ड्यूटी अधिकारियों को अनिवार्य रूप से रात्रि में अपने-अपने क्षेत्राधिकार में महत्वपूर्ण पूजा स्थलों का दौरा करने और जांच करने के लिए कहा गया है। पुलिस के उच्चाधिकारियों ने स्थानीय गश्ती दलों को निर्देश दिया कि वे सभी धार्मिक स्थलों पर लोगों के प्रार्थना करने के लिए आने से पहले ही सुबह के समय गहन जांच कर लें। हैदराबाद पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, सुबह-सुबह अपवित्रता विरोधी अभ्यास का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अगर कोई अवांछित चीज़ शरारती तत्वों द्वारा रखी गई है, तो उसे लोगों की नज़र में आने से पहले ही हटा दिया जाए। अगर धार्मिक स्थल को कोई नुकसान नज़र आता है, तो उसे तुरंत ठीक किया जाना चाहिए या वरिष्ठ अधिकारियों को तुरंत सूचित किया जाना चाहिए ताकि किसी भी तरह की परेशानी को रोकने के लिए कदम उठाए जा सकें। पुलिस गश्ती वाहनों में खुद की सुरक्षा के लिए लाठियां, पत्थर के गार्ड, हेलमेट होते हैं। वे भगवा झंडे और हरे कपड़े/चद्दर, पेंट बॉक्स और कुछ अन्य सामान भी ले जाते हैं ताकि किसी भी धार्मिक ध्वज पोस्ट या धार्मिक स्थलों को क्षतिग्रस्त होने पर उसे बदला जा सके या उसकी मरम्मत की जा सके। एक अन्य अधिकारी ने कहा, अगर सांप्रदायिक तनाव पैदा करने वाली स्थितियों में तुरंत कार्रवाई की जाए तो तनाव को जड़ से खत्म किया जा सकता है। इसलिए, मौजूदा परिस्थितियों में हमने गश्ती दलों को निर्देश दिया है कि वे अपवित्रता विरोधी अभ्यासों को अच्छी तरह से अंजाम दें और उन लोगों पर नज़र रखें जिनका सांप्रदायिक गतिविधियों में लिप्त होने का इतिहास रहा है। पहलगाम हत्याकांड के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में हुए घटनाक्रमों के बाद शहर की पुलिस हाई अलर्ट पर है। पुलिस ने महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों, सेना छावनी और महत्वपूर्ण सरकारी कार्यालयों पर निगरानी बढ़ा दी है। इसके अलावा, शत्रु देश के समर्थकों या एजेंटों द्वारा देश में आंतरिक अशांति पैदा करने की भी आशंका है, जिसके परिणामस्वरूप सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने वाले बलों को अधिक सतर्कता बरतनी पड़ रही है।

मुठभेड़ में माओवादी एओबी एसजेडसी प्रवक्ता जगन की मौत

कोत्तागुडेम, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश में एएसआर जिले के डुमकोंडा-गंगाकोंडा के जंगलों में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में सीपीआई (माओवादी) पार्टी आंध्र ओडिशा सीमा (एओबी) विशेष जोनल कमेटी के प्रवक्ता काकुरी पंडन्ना उर्फ जगन (60) मारा गया। एएसआर जिले के पुलिस अधीक्षक अमित बरदार ने एक बयान में बताया कि इलाके में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने बुधवार को तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान माओवादियों ने पुलिस पार्टी पर गोलीबारी की और पुलिस को जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी।

मुठभेड़ में माओवादी डिविजनल कमेटी के सदस्य वागा पोडियामी उर्फ रमेश (51) भी मारा गया। जगन पर 20 लाख रुपये का इनाम था, जबकि रमेश पर 5 लाख रुपये का इनाम था। मौके से दो एके-47 राइफलें बरामद की गईं।

जगन एएसआर जिले के गुडेमकोथावीधी मंडल के कोमुलावाड़ा का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार जगन के नेतृत्व में 15 माओवादियों की एक टीम माओवादी अरुणा और गजरला रवि के साथ पिछले कुछ महीनों से एओबी क्षेत्र में घूम रही थी। याद रहे कि 29 अप्रैल को कोय्युरू मंडल के काकुलामिडी-कंटाराम जंगलों में पुलिस और माओवादियों के बीच गोलीबारी हुई थी। हालांकि उस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन पुलिस ने मौके से एक एसएलआर राइफल बरामद की थी।

शहर में नागरिक सुरक्षा मॉक ड्रिल कई बार की जाएंगी

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ते तनाव को देखते हुए, अधिकारी शहर में नागरिक सुरक्षा और आपातकालीन तैयारी अभ्यास अधिक बार आयोजित करने की योजना बना रहे हैं। हैदराबाद में नागरिक सुरक्षा मॉक ड्रिल के लिए अभी तक कोई निश्चित कार्यक्रम नहीं है, लेकिन शहर में अब नियमित और विविध आपातकालीन तैयारी अभ्यास देखने को मिल सकता है।

ये पहल जीएचएमसी, तेलंगाना राज्य अग्निशमन सेवा विभाग और विशेष सुरक्षा बलों सहित विभिन्न एजेंसियों द्वारा आयोजित की जाती हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जनता और आपातकालीन प्रतिक्रियाकर्ता दोनों संभावित आपात स्थितियों के लिए अच्छी तरह से तैयार रहें। तेलंगाना के अग्निशमन सेवा महानिदेशक और नागरिक सुरक्षा निदेशक वाई नागी रेड्डी ने कहा कि शहर में इस तरह की मॉक ड्रिल नियमित होती हैं, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण अब उनकी आवृत्ति बढ़ाई जाएगी। ये अभ्यास गृह मंत्रालय के मार्गदर्शन में आयोजित किए जाएंगे और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा समन्वित किए जाएंगे, ताकि संभावित शत्रुतापूर्ण खतरों के खिलाफ नागरिक तत्परता को बढ़ाया जा सके, विशेष रूप से पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के जवाब में। दूसरी ओर, प्रवर्तन सतर्कता और आपदा प्रबंधन निदेशालय (ईवीएंडडीएम), जो आमतौर पर सभी क्षेत्रों में साप्ताहिक आपातकालीन निकासी अभ्यास आयोजित करता है, स्कूलों, अस्पतालों, शॉपिंग मॉल, कार्यालय भवनों, होटलों और बैंक्वेट हॉल जैसे उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए इन अभ्यासों को जारी रखेगा। तेलंगाना राज्य अग्निशमन सेवा विभाग जो हर सप्ताह राज्यव्यापी जागरूकता कार्यक्रम और मॉक ड्रिल आयोजित करता रहा है, वह भी इन्हें जारी रखेगा। ये कार्यक्रम ईंधन रिफिलिंग स्टेशनों, स्कूलों, कॉलेजों और उद्योगों सहित विभिन्न प्रतिष्ठानों में आयोजित किए जाते हैं, ताकि लोगों को अग्नि सुरक्षा उपायों और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रोटोकॉल के बारे में शिक्षित किया जा सके।

नियमित अभ्यासों के अलावा, शहर में अग्नि सुरक्षा उपायों, अग्निशामक यंत्रों के संचालन, तथा अग्नि आपात स्थितियों के दौरान बचाव कार्यों पर केंद्रित विशेष मॉक अभ्यास भी आयोजित किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, हैदराबाद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा नियमित रूप से आतंकवाद विरोधी मॉक ड्रिल आयोजित करता है, जिसमें केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), ऑक्टोपस (तेलंगाना आतंकवाद निरोधी दस्ता), स्थानीय पुलिस और चिकित्सा दल जैसे प्रमुख हितधारक शामिल होते हैं।

हनोई के लिए सीधी उड़ान सेवा शुरू करने की घोषणा

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जीएमआर हैदराबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (जीएचआईएएल) ने हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आरजीआईए) से हनोई के नोई बाई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एचएएन) तक वियतनाम एयरलाइंस के साथ नई उड़ान सेवाओं की शुरुआत की घोषणा की है। यह नॉनस्टॉप उड़ान सेवा हर रविवार, बुधवार और शुक्रवार को संचालित होगी।

जीएचआईएएल के सीईओ प्रदीप पनिकर ने कहा कि यह सेवा वियतनाम की यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करती है, जो भारतीयों के लिए सबसे अधिक खोजे जाने वाले गंतव्यों में से एक है। नया मार्ग दक्षिण भारत और हैदराबाद हवाई अड्डे से गुज़रने वाले अन्य क्षेत्रीय स्थानों से अवकाश और व्यावसायिक यात्रियों के लिए यात्रा विकल्पों को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगा। वियतनाम एयरलाइंस के भारत में कंट्री मैनेजर गुयेन ट्रुंग हियू ने कहा कि दक्षिण भारत वियतनाम एयरलाइंस के लिए एक प्रमुख विकास क्षेत्र बना हुआ है, और हम भारत के सबसे जीवंत और सबसे तेजी से बढ़ते शहरों में से एक हैदराबाद से सीधी उड़ानें शुरू करने को लेकर उत्साहित हैं। सीधी उड़ानों से दोनों दिशाओं में पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिससे भारतीय यात्री वियतनाम के सांस्कृतिक और प्राकृतिक आकर्षणों का आसानी से अनुभव कर सकेंगे, साथ ही वियतनामी आगंतुकों को हैदराबाद के ऐतिहासिक स्थलों और आधुनिक आकर्षणों तक पहुँच भी मिलेगी। भारतीय यात्रियों के लिए, वियतनाम पूर्व-स्वीकृत वीज़ा-ऑन-अराइवल और ई-वीज़ा विकल्पों के साथ एक सुव्यवस्थित वीज़ा प्रक्रिया प्रदान करता है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.